Ranchi ● Monday, 22 January 2024 ● Year : 02 ● Issue : 06 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

- आज प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सुबह 10 बजे से 'मंगल ध्वनि' बजाई जाएगी
- 12 बजकर बजकर 29 मिनट 8 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड तक होगा प्राण प्रतिष्ठा का अभिजीत मुहूर्त
- एक्ट्रेस कंगना रनौत, संगीतकार अनु मलिक अयोध्या पहुंचे, 7 हजार से ज्यादा हस्तियों का प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जमावड़ा रहेगा

प्राण प्रतिष्ठा के लिए सज-धजकर तैयार अयोध्या का राम मंदिर

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 71,423.65 |
| निफ्टी | : | 21,571.80 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 5,940 |
| चांदी | : | 77.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### झारखंड में ठंड का प्रकोप जारी, धूप भी बेअसर

**RANCHI :** राज्य में ठंड का कहर जारी है। लोग ठंड के कारण घरों में दुबके हुए हैं। रविवार को दोपहर बाद निकली धूप बेअसर रही। सर्द हवा ने लोगों को ठिठुरा दिया। सुबह सुन्न कर देने वाली ठंड रही लेकिन दोपहर बाद धूप निकलने से लोग को थोड़ी राहत मिली। दिन चढ़ने के साथ धूप चटक होती गई। रविवार को सरकारी-गैर सरकारी कार्यालय अवकाश के कारण बंद रहे। ऐसे में लोग घरों के छत-आंगन में बैठकर धूप का आनंद लेते रहे। हवाओं अन्य दिनों के मुकाबले तेज थी और काफी ठंडी भी। ऐसे में धूप से हटते ही सर्दी का काफी अहसास हो रहा था। शाम को ठंड और अधिक बढ़ गई। घर से बाहर निकले लोग ठिठुर रहे थे। शाम होते ही रेलव स्टेशन, रोडवेज, जिला अस्पताल आदि स्थानों पर रिक्शा एवं ठेला चालकों ने अलाव जलाकर ठंड से राहत महसूस की। अधिकतम17 व न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस रहा।

### अफगानिस्तान में क्रैश हुआ प्लेन भारतीय नहीं

**NEW DELHI :** अफगानिस्तान के बदख्शां खां इलाके में रविवार को एक प्लेन क्रैश हो गया। भारत के नागरिक उड्डयन विभाग ने बयान जारी कर बताया कि क्रैश हुआ एयरक्राफ्ट एयर एंबुलेंस था। यह थाइलैंड से मॉस्को जा रहा था। रास्ते में इसने भारत के गया एयरपोर्ट पर ईंधन भरा था। जानकारी के मुताबिक प्लेन तकनीकी खराबी की वजह से अपना रास्ता से भटक गया और अफगानिस्तान के बदख्शां खां प्रॉविंस के जेबाग जिले में क्रैश हो गया। जहां हादसा हुआ, वह पहाड़ी इलाका है। इससे पहले पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मीडिया ने इसके भारतीय विमान होने की जानकारी दी थी।

### अब देश के सभी सांसदों का होगा घेराव

**RANCHI :** धर्मांतरण कर चुके पूरे देश भर के आदिवासियों को डीलिस्टिंग करने की मांग अब तेज हो गयी है। झारखंड के बाद जनजाति सुरक्षा मंच की बैठक रविवार को छत्तीसगढ़ के जशपुर में राष्ट्रीय संयोजक गणेण राम भगत के आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक धर्मांतरित आदिवासियों को आरक्षण से वंचित करने के लिए आंदोलन तेज होगा। जनजाति सुरक्षा मंच दिल्ली कूच करने की तैयारी में जुट गया है। अब देश के सभी सांसदों का होगा घेराव और सभी राज्यों में जन आंदोलन होगा। मंच की बैठक छत्तीसगढ़, झारखंड और उड़ीसा के संयुक्त कार्यकताओं की बैठक होगी।

# हरि हमारे, भवन पधारे

## आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा : पुरानी मूर्ति नए मंदिर पहुंची, तीनों भाई, हनुमान जी व शालिग्राम भी साथ गए

**AGENCY AYODHYA :** अयोध्या में 16 जनवरी से शुरू हुए प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का रविवार 21 जनवरी को छठा दिन था। प्राण प्रतिष्ठा के लिए छह दिन से चल रहे धार्मिक अनुष्ठान पूरे हुए। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होगी। रविवार शाम को रामलला की पुरानी प्रतिमा (रामलला विराजमान, जिनकी पूजा हो रही थी) को राम मंदिर ले जाया गया। रामलला के साथ उनके तीनों भाई, हनुमान जी और शालिग्राम भी नए मंदिर पहुंचे। रामलला के सहायक पुजारी संतोष तिवारी, पुजारी प्रेमचंद तिवारी रामलला को उनके अस्थायी मंदिर से लेकर जन्मभूमि मंदिर में पहुंचे। यहां उन्हें सिंहासन पर विराजमान कर दिया गया। मंदिर को फूलों और लाइटिंग से सजाया गया है। इसरो ने सैटेलाइट से अयोध्या दिखाई है।

रामलला की इस मूर्ति को नए मंदिर ले जाया गया

### रामलला को आंखें खोलते ही दिखाया जाएगा आईना

22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त गर्भगृह में कुल 121 पुजारी उपस्थित रहेंगे। इस पूजा में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में किया जाना है। 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर बजकर 29 मिनट 8 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट 32 सेकंड तक अभिजीत मुहूर्त होगा। यह मुहूर्त सिर्फ 84 सेकंड का रहेगा। देशभर में इस पावन दिन विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्ण भगवान श्री राम की आंखों में भी पट्टी बांधी गई हैं। प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने के बाद ही पट्टी को हटाया जाएगा। पट्टी खुलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलला को आइना दिखाएंगे। 22 जनवरी को आम जनता के लिए अयोध्या जी में दर्शनों की सुविधा नहीं रहेगी।

# राममय हुई राजधानी रांची चहुंओर रामधुन की गूंज

- सभी गली मोहल्ले और मंदिरों में बज रहे भक्ति गीत
- शहर के घर व प्रतिष्ठान भगवा पताका व लरी से सजे हुए हैं
- दिवाली व रामनवमी जैसा हो गया माहौल
- हजारों भक्तों द्वारा कई मंदिरों से निकाली गई श्री रामयात्रा

**PHOTON NEWS RANCHI :** अयोध्या में होने वाले श्री रामलला मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरा राजधानी राममय हो गया है। राजधानी के सभी गली-मोहल्लें में रामधुन बज रहा है। शहर के घर व प्रतिष्ठान के बाहर भगवा पताका व लड़ी से सजा हुआ है। इसके साथ ही एलईडी लाइट से पूरे साज-सज्जा की गई है। राजधानी में दिवाली व रामनवमी जैसा माहौल हो गया है। हर तरफ रामधुन पर लोग झूम रहे है। राजधानी भगवा से पट गया है। विभिन्न चौक-चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे है। मंदिरों में विशेष तैयारी शुरू हो चुकी है। पहाड़ी मंदिर, विश्वनाथ मंदिर सहित अन्य मंदिरों से रविवार को हजारों भक्तों ने श्री रामयात्रा निकाली गई। राम के जयकारों के उदघोष से हजारों लोग रामयात्रा में उपस्थित हुए। इसके साथ ही सोमवार को विभिन्न मंदिरों में सदंरकांड पाठ के साथ भोग का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिरों में अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। पहाड़ी मंदिर सहित राजधानी के कई मंदिरों से हजारों की संख्या में भक्तों द्वारा श्री रामयात्रा निकाली गई।

## आरोप : माहौल बिगाड़ने के लिए 500 जवान उतारे गए

# राज्य में रची गई थी राष्ट्रपति शासन की साजिश : झामुमो

- ईडी के अनुरोध पर सरकार ने 2 हजार पुलिस कर्मियों को उनके परिवार की सुरक्षा में लगाए
- कार्यकताओं से उलझने व माहौल बिगाड़ने का प्रयास हुआ, बिना अनुमति के सीएम हाउस में प्रवेश का प्रयास
- पूरे मामले की और सीआरपीएफ आईजी की भूमिका की जांच हो, नहीं तो झामुमो करेगा आंदोलन

**PHOTON NEWS RANCHI :** झामुमो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान उतारे गए 500 से अधिक सीआरपीएफ के जवानों को लेकर हमला बोला है। झामुमो ने गंभीर अरोप लगाते हुए कहा कि एक सोची समझी रणनीति के तहत केंद्र ने तहत राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने साजिश रची गयी थी। अगर झामुमो कार्यकर्ता संयम न बरते तो विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो सकती थी। इसके बाद राज्य में विधि-व्यवस्था का हवाला देकर राष्ट्रपति शासन के हालात पैदा किया जा सके। पार्टी ने राज्य सरकार से सीआरपीएफ आईजी की भूमिका की जांच की मांग की है, नहीं तो आंदोलन की चेतावनी भी दी है। यह बातें झामुमो केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य और विनोद कुमार पांडेय ने कही। इन्होंने कहा कि ईडी के अनुरोध पर ही राज्य सरकार द्वारा विधि-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रांची जिला प्रशासन ने ईडी के अधिकारियों की सुरक्षा, उनके कार्यालय की सुरक्षा, उनके परिवार की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संभालने के लिए करीब 2000 पुलिस एवं वरीय दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की थी। इस दौरान आम जनता एवं झामुमो कार्यकताओं के द्वारा केंद्र की जांच एजेसियों के पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। इसे देखते हुए पुनः जिला प्रशासन ने त्वरित कदम उठाते हुए सीएम हाउस के 500 मीटर की दूरी पर धारा-144 लगा दिया। मगर इसी बीच अचानक सीआरपीएफ के सैकड़ों जवानों को बस में भरकर बिना किसी अनुमति या सूचना के मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश कराने का प्रयास किया गया।

शेष पेज 04 पर।

### केंद्र के इशारे पर किया गया कायराना हमला

झामुमो नेताओं ने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ का यह कृत्य एक सोची समझी साजिश के तहत थी। जिसमें सीआरपीएफ के आईजी भी शामिल थे। वे चाहते थे कि सीआरपीएफ एवं प्रदर्शनकारी कार्यकताओं के बीच मारपीट हो जाये और प्रदर्शनकारी उग्र होकर यदि सीआरपीएफ पर हमला कर दें तो राज्य सरकार पर संवैधानिक तंत्र की विफलता का आरोप लगाया जा सके और राष्ट्रपति शासन लगाने की भूमिका तैयार की जा सके। सीआरपीएफ कभी भी जिला प्रशासन के अनुरोध अथवा अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की विधि-व्यवस्था का कार्य नहीं कर सकती है। इससे स्पष्ट है कि सीआरपीएफ ने यह कार्रवाई साजिशन केंद्र सरकार के इशारे पर किया, जो राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास है।

### भाजपा का पलटवार

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रविवार को झामुमो प्रवक्ता के इस बयान पर जबरदस्त पलटवार किया है कि सीआरपीएफ का दुरुपयोग कर मुख्यमंत्री की पूछताछ के दौरान राज्य में बदहाल स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही थी। प्रतुल ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भ्रष्टाचार के आप पर चौतरफा घिरे मुख्यमंत्री ध्यान बंटाने के लिए सारी मयार्दा तोड़ रहे हैं। बीते शनिवार को ऐसा लग रहा था कि झामुमो का शीर्ष नेतृत्व झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यकर्ताओं से हिंसा तक करवा देंगे। प्रतुल ने कहा कि धारा 144 लगे होने के बावजूद मुख्यमंत्री के आह्वान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के 10000 कार्यकर्ता हथियार लेकर मुख्यमंत्री के घर के पास पहुंच गए।

शेष पेज 04 पर।

# धनबाद में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश, पत्थरबाजी, कई घायल

## पुलिस छावनी में तब्दील हुआ गांव, माहौल नियंत्रण में

**CRIME REPORTER DHANBAD :** एक तरफ देश-दुनिया में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह और उमंग है। वहीं, दूसरी ओर धनबाद जिला अंतर्गत टुंडी प्रखंड में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई। असामाजिक तत्वों ने यह हिमाकत टुंडी प्रखंड के कदईया में की है, जिसे समय रहते पुलिस प्रशासन ने विफल कर दिया। दरअसल, इलाके को श्रीराम के पताके से सजाया जा रहा था। रविवार को हाजरा टोला के कुछ लोग झंडा लगा रहे थे। तभी दूसरे वर्ग की एक महिला ने झंडा लगाने से मना कर दिया। इसी पर बात बिगड़ गई। एक पक्ष के द्वारा रविवार सुबह पत्थरबाजी की गई। वहीं से आक्रोश बढ़ने लगा। घटना में कुछ लोग घायल भी हुए हैं। एक को रिम्स रेफर कर दिया गया है। फिलहाल, माहौल पूरी तरह नियंत्रण में है।

घटना के बाद टुंडी प्रखंड के कदईया में तैनात पुलिस के जवान।

### असम में राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की

**ITANAGAR :** कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रविवार को असम में राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की हुई। राहुल को बचाते हुए उनके सिक्योरिटी गार्ड उन्हें बस के अंदर वापस ले गए। घटना के दौरान राहुल का काफिला सोनितपुर में था। राहुल ले घटना को लेकर कहा- भाजपा के कुछ कार्यकर्ता झंडा लेकर हमारी बस के सामने आ गए। मैं बस से निकला, वो भाग गए। हमारे जितने पोस्टर फाड़ने हैं, फाड़ दो। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी विचारधारा की लड़ाई है, हम किसी से नहीं डरते हैं। न ही नरेंद्र मोदी से, न असम के मुख्यमंत्री से।

## देश में 30 नए कैंसर अस्पताल विकसित किए गए : प्रधानमंत्री

**AGENCY NEW DELHI :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि सरकार का प्रयास है कि कैंसर के उपचार में किसी भी मरीज को मुश्किलें ना आएं। इसी सोच के साथ पिछले 9 साल में देश में करीब 30 नए कैंसर अस्पताल विकसित किए गए हैं और 10 नए कैंसर अस्पताल पर अभी काम चल रहा है। प्रधानमंत्री वीडियो संदेश के जरिए गुजरात में श्री खोडलधाम ट्रस्ट-कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने खोडल धाम की पवित्र भूमि और खोडल मां के भक्तों के साथ जुड़ने को बड़े सौभाग्य की बात बताया। मोदी ने कहा कि श्री खोडलधाम ट्रस्ट ने अमरेली में कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखकर जनकल्याण और सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

THE PHOTON NEWS
02 www.thephotonnews.com
Monday, 22 January 2024

# हमारे, तुम्हारे, सबके राम

# जैन साहित्य में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

**जय श्री राम**

**जैन रामकथा पैराणिक कथा है, इसमें लोकतत्व, कालतत्व, वंश परंपरा आदि भी विद्यमान है। जैन रामकथा में राम, लक्ष्मण, भरत आदि के चित्रण के साथ रावण, जटायु आदि के पूर्वजन्मों की कथाएं भी विद्यमान हैं। राम शलाका पुरुष हैं। पुरुषोत्तम हैं व पद्म सदृश होने से इन्हें 'पद्म' भी कहा गया है। चरित्र एवं पुराण काव्यों में राम को 'पद्म' उल्लेखित किया गया है। इसी प्रचलित 'पद्म' शब्द के आधार पर आचार्य रविषेण ने पद्मपुराण लिखा। सोमदेव भट्टारक, धर्म कीर्ति भट्टारक ने संस्कृत भाषा में एवं महाकवि स्वयंभू ने अपभ्रंश में 'राम' का चित्रण किया है। कवि रइधू, चन्द्रकीर्ति एवं ब्रह्मजिनदास ने भी अपभ्रंश में पउमचरीउं ग्रन्थ की रचनाओं में राम के लौकिक व धार्मिक स्वभाव का बड़ा ही मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया है।**

श्रमण डॉ. पुष्पेन्द्र

कुलों को धारण करने वाले कुलकर कहलाते हैं, जिन्हें 'मनु' भी कह कहते हैं। अंतिम कुलकर नाभिराय थे, जिन्हें तिलोयपणत्ती में भी मनु कहा गया है। इसके अनंतर श्लाका पुरुषों का उल्लेख आता है। उसमें 24 तीर्थंकर, 12 चक्रवर्ती, 9 बलभद्र, 9 नारायण और 9 प्रति नारायण इस तरह कुल 63 शलाका पुरुष हुए हैं। नौ बलदेवों में 'राम' का उल्लेख है। प्रागैतिहासिक काल में राम को पुरुषोत्तम कहा गया है। वे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। वे नरत्त्व से नारायणत्व की ओर अग्रसर हुए, उन्हें परम प्रतापी, धर्मज्ञ, कर्तव्य परायण, पितृ आज्ञाकारी, मातृशक्ति के प्रति आस्थावंत, गम्भीर, धीर-वीर एवं नैतिक गुणों से परिपूर्ण परिलक्षित किया गया है।

प्राकृत में रचित अनेक काव्यों में 'राम' को पद्म भी कहा गया है। विमलसूरि ने पउमचरियं नामक ग्रन्थ की प्राकृत में रचना की है। यह काव्य पौराणिक है, इसमें 'राम' के चरित्र की यथार्थवादिता के भी दर्शन होते हैं। इसमें प्राकृतिक घटनाओं, मानवीय मूल्यों, धार्मिक वातावरण, सामाजिक रीतियां एवं रूपात्मक विवरण है। इसमें परम प्रतापी पुरुषों के जीवनवृत्त आदि भी का समावेश है। जैन रामकथा पैराणिक कथा है, इसमें लोकतत्व, कालतत्व, वंश परंपरा आदि भी विद्यमान है। जैन रामकथा में राम, लक्ष्मण, भरत आदि के चित्रण के साथ रावण, जटायु आदि के पूर्वजन्मों की कथाएं भी विद्यमान हैं। राम शलाका पुरुष हैं। पुरुषोत्तम हैं व पद्म सदृश होने से इन्हें 'पद्म' भी कहा गया है। चरित्र एवं पुराण काव्यों में राम को 'पद्म' उल्लेखित किया गया है। इसी प्रचलित 'पद्म' शब्द के आधार पर आचार्य रविषेण ने पद्मपुराण लिखा। सोमदेव भट्टारक, धर्म कीर्ति भट्टारक ने संस्कृत भाषा में एवं महाकवि स्वयंभू ने अपभ्रंश में 'राम' का चित्रण किया है। कवि रइधू, चन्द्रकीर्ति एवं ब्रह्मजिनदास ने भी अपभ्रंश में पउमचरीउं ग्रन्थ की रचनाओं में राम के लौकिक व धार्मिक स्वभाव का बड़ा ही मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया है। पुरुषोत्तम श्रीराम जैन धर्म के बींसवें तीर्थंकर मुनिसुव्रत काल में हुए। जो सहस्त्रों वर्षों का काल माना जाता है। राम भरतखण्ड के साकेत में उत्पन्न हुए, जिसे अयोध्या भी कहा गया है। अयोध्या, चित्रकूट, दसपुर, दण्डकवन, किष्किन्धा आदि स्थान जंबूद्वीप के अन्तर्गत भरत खण्ड में विद्यमान थे। भरतखण्ड को भरतक्षेत्र भी कहा जाता है। भरतक्षेत्र के उत्तर में हिमवान पर्वत और मध्य में विजयारध पर्वत होने का उल्लेख मिलता है और 'राम' का सबंध भरतक्षेत्र से रहा है जो कि अपने आप अतुलनीय है। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव इक्ष्वाकु वंश के थे। इक्ष्वाकु वंश की इसी पृष्ठभूमि से 'सूर्यवंशह्व का उद्भव हुआ है। इसीलिए राम सूर्यवंशी कहलाए। श्रीराम आठवें बलदेव हैं जिसे तिलोयपणत्ती में भी देखा व समझा जा सकता है। वस्तुतः राम पुरुषोत्तम हैं। वे अन्याय एवं अत्याचारों को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए जन्म लेते हैं। वे उत्तमोत्तम कर्म करने वाले महापुरुष रहे हैं। वस्तुतः राम अपने युग के पुरुषोतम थे और आज भी पुरुषोत्तम राम बने हुए हैं तथा जनमानस को भी पुरुषार्थ पुरुषोत्तम बनने का सफल संदेश दे रहे हैं। राम अयोध्यापति दशरथ के पुत्र थे। वैदिक, जैन एवं बौद्ध परंपरा में 'राम' के विविध आदर्श हैं। जो हजारों वर्षों से जन मानस को चेतना का पाठ पढ़ा रहे हैं। 'राम' के चरित्र में आत्मस्वरूप की उत्कृष्ट स्थिति है, जो कि वर्तमान समय में आत्मस्वरूप की ओर अग्रसर करती है। 'राम' के नाम में विश्वव्यापकत्व का रहस्य है। जो उन्हें कालजयी बनाता है प्रत्येक युग के विचारकों ने राम-चरित' को विकसित किया है। जहां वैदिक परम्परा में भगवान विष्णु का अवतार माना है, वहीं जैन मनीषियों व साहित्यकारों ने राम के विश्वव्यापी व्यक्तित्व की दृष्टि से 'शलाका पुरुष' में स्थान दिया है। ये राम प्रत्येक भारतीय भाषा के पटल पर विद्यमान रहे हैं। इसलिए प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश, कन्नड़, मराठी, गुजराती, राजस्थानी एवं हिंदी काव्यकारों ने उन्हें आदर्शरूप के आधार पर ही प्रस्तुत किया है।

**कविता**

डॉ रजनी शर्मा 'चंदा'
रांची, झारखंड

## हे राम विराजो अयोध्या नगरी में

हे राम विराजो अयोध्या नगरी में

इस अयोध्या नगरी की पवित्र बड़ी भूमि,
कल- कल सरयू बहे है अयोध्या नगरी में।

इस अयोध्या नगरी में न युद्ध कभी होए,
रघुवंशी/सूर्यवंशी बसे हैं अयोध्या नगरी में।

इस रामलला की चाल पर कौशल्या जाए वारी,
रुनझुन पायलिया बजे है अयोध्या नगरी में।

इस रामलला के भोलेपन पर सुमित्रा जाए वारी,
सलोना मुख निहारे अयोध्या नगरी में।

इस रामलला की बतियन पर कैकेई जाए वारी,
मीठी मिश्री की डली है अयोध्या नगरी में।

राम जी के रूप पर सारा जगत है मोहित,
थारी में चंदा निहारे अयोध्या नगरी में।

ले रही है बलैया कोई नजर ना लगा दे,
तीनों मैया नजरें उतारे अयोध्या नगरी में।

अयोध्या नगरी में रमें हैं सारे देवता,
सत्यम शिवम सुंदरम अयोध्या नगरी में।
हे राम विराजो...

SCAN ME
1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।
Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

दिव्यांश मणि त्रिपाठी
कक्षा 5

संजीव कुमार मुकेश
नालंदा, बिहार

## गीत

चौखट-चौखट डेउढी-डेउढी
कण-कण में सिय-राम बसे
हर मन के मंदिर की मूरत,
जन-जन में प्रिय राम बसे.....

जात धरम में राम न बांटो
ना बांटो किसी भाषा में
राम को राम से राम ही जानों
राम के ही परिभाषा में
सरयू तट से नीरनिधि तक
सबके हिय-पिय राम बसे
हर मन के मंदिर की मूरत,
जन जन में प्रिय राम बसे

जीवन के आभाव राम हैं,
भाव सकल अविनाशी है।
राम के जीवन पथ में ही प्रिय,
बसे अयोध्या-काशी है।
अहंकार, तम, क्रोध मिटे जब
अधरों पर जब राम सजे
हम मन के मंदिर की मूरत
जन जन में सिय-राम बसे

पुत्र, सखा, भाई, राजा और
मृग, खग, नभ के प्राण हैं राम
रिश्तों के कच्चे धागों का,
सच्चा एक प्रमाण हैं राम
छोड़ सकल माया को क्षण में,
गुरु के हिय द्वि नाम बसे
हर मन के मन्दिर की मूरत,
जन जन में प्रिय राम बसे।

# गुरुकुल और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में श्रीराम

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। श्रीराम का जीवन समाज के लिए आदर्श है। उनकी शिक्षा गुरुकुल में होती है। बाबा तुलसी के शब्दों में गुरु गृह पढ़न गए रघुराई, अल्पकाल विद्या सब पाई। श्रीराम चक्रवर्ती सम्राट के बेटे हैं। किन्तु वे शिक्षा ग्रहण करने के लिए गुरु वशिष्ठ के गुरुकुल में जाते हैं। यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है। इस व्यवस्था का व्यक्तित्व निर्माण पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वे वहां दूसरे विद्यार्थियों की तरह ही रहते हैं। गुरुकुल के कार्यों में उसी तरह हाथ बंटाते हैं, जैसे दूसरे बटुक करते हैं। गुरुकुल में आम और खास के बीच कोई भेद नहीं है। गुरुकुल में परा और अपरा अर्थात लौकिक और अलौकिक दोनों तरह की ही शिक्षा ग्रहण की जाती है। परा विद्या में शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छंद, नक्षत्र, वास्तु, आयुर्वेद, वेद, कर्मकांड, ज्योतिष, सामुद्रिक शास्त्र, हस्तरेखा एवम धनुर्विद्या शामिल है। इससे उनकी समझ, अनुभव, विवेक, विचारशीलता और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करने की पृष्ठभूमि तैयार होती है। इसी तरह के पाठ्यक्रमों की परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी की गई है। इसमें मुख्य विषय के अलावा आनुषांगिक विषयों को भी पढ़ाए जाने के लिए पाठ्यक्रम बनाए गए हैं। गुरुकुल में भी इसी तरह की व्यवस्था है। क्योंकि, राम चक्रवर्ती सम्राट के बेटे हैं। इसलिए उनके मूल विषय के रूप में कूटनीति और धनुर्विद्या जैसे विषयों को पढ़ना अनिवार्य है। किन्तु इसके साथ ही निरुक्त, छंद, नक्षत्र, वास्तु, आयुर्वेद, वेद, कर्मकांड, ज्योतिष जैसे विषयों की भी शिक्षा दी जाती है। ताकि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सके। गुरुकुल में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि विद्यार्थी के लिए जितना महत्वपूर्ण उसका औपचारिक अध्ययन है, उतना ही महत्वपूर्ण अध्ययन के आसपास का परिवेश है। उस परिवेश के माध्यम से छात्रों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन, समय प्रबंधन, सामाजिक सामंजस्य की कला और नेतृत्व के गुण जैसे व्यावहारिक ज्ञान, विद्यार्थी स्वयं ही आत्मसात कर लेता है। शिक्षा की पूर्णता में दोनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। कौशल के राजकुमार राम गुरुकुल में एक बटुक की तरह इन सभी गुणों को सीखते हैं। गुरुकुल में राम विद्या ग्रहण करने जाते हैं। विद्या और ज्ञान में अंतर है। सूचनाओं के संकलन मात्र से ज्ञान तो प्राप्त हा सकता है, किन्तु विद्या उससे अलग है। विद्या सोदेश्य होती है। यह व्यक्तित्व को गढ़ने का एक माध्यम होती है।

BRIEF NEWS

## 39 परीक्षा केंद्रों में सीटेट की परीक्षा संपन्न

**RANCHI :** झारखंड के पांच शहरों में रविवार को सीटेट की परीक्षा संपन्न हुई। रांची के 39 परीक्षा केंद्रों में भी परीक्षा हुई। परीक्षा सुबह 9:30 बजे से शुरू हुई जो दोपहर 12.30 बजे तक चली। इस परीक्षा में करीब 40,000 अभ्यर्थी शामिल हुए। सीटेट की परीक्षा दो लेवल प्राइमरी और एलिमेंट्री में आयोजित की गयी। दोनों लेवल में 150-150 प्रश्न पूछे गये। परीक्षा में पास करने के लिए अभ्यर्थियों को कम से कम 60 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। रांची के अलावा झारखंड के हजारीबाग, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद में परीक्षा केंद्र बनाया गया था।

## ब्रह्माकुमारी में ज्योति जलाकर श्रीराम का किया स्वागत

**RANCHI :** रांची के पिठौरिया नवा टोली स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में अयोध्या के राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व रविवार को प्रभु श्री राम के स्वागत में श्री राम ज्योति जलाकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस दौरान आश्रम के सभी बहनों ने पूरे आश्रम को राम ज्योति जलाकर सजाया। संस्था की संचालिका बीके राजमती ने कहा कि प्रभु श्री राम के आने से पूरा देश राममय हो गया है। हर लोग अपने-अपने घरों में दीपावली मना रहे है। यह दिन सभी के लिए गौरव का दिन है। अयोध्या में यह दिन इतिहास के पन्नों में अंकित हो गया है। मौके पर प्रसाद का भी वितरण किया गया।

## राष्ट्रीय जतरा महोत्सव को लेकर हुई बैठक

**RANCHI :** राष्ट्रीय जतरा महोत्सव को ले नवा सोसो कांके डैम के फुटबाल ग्राउंड में रातू प्रखंड के सभी प्रधान, मुखिया और सामाजिक संगठनों की बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय जतरा महोत्सव के पदाधिकारी के रूप में संरक्षक महेश महतो, कोषाध्यक्ष सूरज टोप्पो, उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, सह कोषाध्यक्ष मोहन तिर्की, विक्की करमाली, सुरेश मिर्धा, महासचिव ज्योत्सना केरकेट्टा, सचिव अंजू तिर्की, सह सचिव पवन कुमार, मीडिया प्रभारी राजकिशोर साहू उपस्थित हुए। सभी लोगों ने जतरा को सफल बनाने का निर्णय लिया। वनभोज कार्यक्रम सह जतरा मिलन समारोह की अध्यक्षता नवा सोसो के संजू प्रधान ने की।

## आज शहर के अस्पतालों में 30 से ज्यादा बच्चों की गूंजेगी किलकारी

**RANCHI :** 22 जनवरी को यादगार बनाने के लिए लोग अपने-अपने तरीके से योजना बना रहे हैं। कुछ गर्भवती महिलाएं ऐसी भी हैं, जो इस दिन अपनी डिलीवरी कराने की प्लानिंग की हुई हैं। फोटोन न्यूज ने रिम्स, सदर समेत शहर के कई निजी अस्पतालों के स्त्री रोग विशेषज्ञों से इस संबंध में बात कीं, तो पता चला कि रिम्स में 22 जनवरी के लिए 13 सिजेरियन व सदर अस्पताल में 22 प्रसव निर्धारित हैं। वहीं, छह निजी अस्पतालों में 20 के करीब सिजेरियन प्लान की गई है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना पाठक ने बताया कि कई ऐसी भी महिलाएं 22 जनवरी को डिलीवरी की इच्छा लेकर आ रही हैं, जिनकी डिलीवरी उस तिथि के आसपास संभव नहीं है।

## मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं छात्र-छात्राएं : आजसू

**RANCHI :** अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के सदस्यों ने रांची युनिवर्सिटी के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला, वरीय उपाध्यक्ष दीपक दुबे के नेतृत्व में एसएस मेमोरियल महाविद्यालय में तालाबंदी की। इस दौरान लगभग 3 घंटे तक महाविद्यालय के मुख्य द्वार को बंद रखा गया एवं युनिवर्सिटी व महाविद्यालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। तालाबंदी का नेतृत्व कर रहे वरीय उपाध्यक्ष एवं एसएस मेमोरियल के प्रभारी दीपक दुबे ने कहा कि छात्र-छात्राओं की मूलभूत समस्याओं को ले आरयू एवं एसएस. मेमोरियल की छात्र आजसू इकाई ने युनिवर्सिटी एवं महाविद्यालय को कई अवगत कराया है। लेकिन आश्वासन के अलावे कुछ नहीं मिला। जिससे आक्रोशित आजसू के सदस्य एवं एसएस मेमोरियल के छात्र छात्राओं ने तालाबंदी की।


atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776


### जय श्री राम : अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राममय हुई रांची, भगवा झंडों से पटा शहर

# राम की भक्ति में राजधानी रांची लीन

**PHOTON NEWS RANCHI :** अयोध्या नगरी में भव्य राम मंदिर के राम प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान समारोह को लेकर रांची में भी जश्न का माहौल है। चारों ओर सिर्फ और सिर्फ भगवान श्रीराम नाम की ही गूंज है। पूरा वातावरण राममय हो गई है। अपर बाजार से लेकर शहर के सभी बाजार भगवा झंडों से पट गया है। राम उत्सव में राजधानी रांची की सड़कें भी काफी आकर्षक दिख रहा।

अयोध्या में होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोग अपने-अपने तरीके से इस खास दिन को त्योहार की तरह मनाएंगे। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में न सिर्फ हिंदू समुदाय के लोग, बल्कि मुस्लिम समाज के लोग भी बढ़-चढ़कर भूमिका निभा रहे हैं। दरअसल, शहर के बाजारों में मिलने वाले भगवा झंडों को मुस्लिम समाज के लोगों ने तैयार किया है, जिसे भारी संख्या में लोग खरीद रहे हैं और उसे अपने घरों पर लगा रहे हैं। झंडा तैयार करने वालों में एक व्यक्ति का नाम नेसाम है, जो पिछले दो महीने से इस झंडे को तैयार करने में जुटे थे। उन्होंने अबतक करीब 60 हजार भगवा झंडे तैयार किए हैं, जिसे दुकानों में सजा कर अब वे बेच रहे हैं।

इधर, भव्य राममंदिर में भगवान श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान समारोह को लेकर रांची के मेन रोड में राम मंदिर का स्वरूप लोगों के लिए काफी आकर्षण के केंद्र बना है। बड़े ही खूबसूरती से मंदिर को सजाया गया है। यहां पर भव्य धार्मिक भक्ति कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी की जा रही है, जिसमें प्रसिद्ध भक्ति गायकों का जुटान होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से वे प्राण प्रतिष्ठा के दिन को ऐतिहासिक बनने की तैयारी में हैं।

**धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का 22 को होगा आयोजन :** अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक अनुष्ठान को देखते हुए श्रद्धानंद रोड पथ दुकानदार समिति की ओर से सोमवार को संगीत, भजन, भोग वितरण सह भंडारा, आरती और दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम रखा गया है। समिति के अमित किशोर अग्रवाल ने रविवार ने बताया कि श्री अयोध्याधाम में प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए व्यापारी समाज में उत्साह का माहौल है। समिति की ओर से श्रद्धानंद रोड में महादेव कॉम्पलेक्स आर्य समांज मंदिर के समीप संगीत और भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें युगल ग्रुप के जरिये भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। भजन गायक जुगल दरगड, गायिका तत्शा गुप्ता और धनबाद के टीवी आर्टिस्ट पिंटू शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे।

## रांची पुलिस 22 जनवरी को लेकर अलर्ट, संवेदनशील इलाकों पर पैनी नजर, 1500 से ज्यादा फोर्स तैनात

**CRIME REPORTER RANCHI :** राजधानी रांची में रामोत्सव को लेकर पुलिस अलर्ट है। जगह-जगह पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। साथ ही संवेदनशील स्थानों में पुलिस की खास नजर है। सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए पुलिस की खास टीम बनाई गई है। उत्सव के माहौल में कोई खलल ना पड़े और समाज में तनाव ना फैल सके इसे लेकर रांची पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। राजधानी के वैसे इलाके जहां पूर्व में सांप्रदायिक तनाव के मामले सामने आ चुके हैं वैसे इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा है। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रांची पुलिस अलर्ट मोड में है। राजधानी के 50 से अधिक मंदिरों में विशेष पूजन का कार्यक्रम तय है। कई जगह बड़ा उत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में सुरक्षा के मद्देनजर जिलेभर में 1500 से ज्यादा फोर्स की तैनाती की गई है। फोर्स की तैनाती 21 से 23 जनवरी तक की गई है। इस संबंध में रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला पुलिस के अलावा रैफ, जैप और आईआरबी जवानों की भी तैनाती की गई है। खास तौर पर अति संवेदनशील इलाकों में सबसे ज्यादा फोर्स तैनात रहेंगे। अति संवेदनशील इलाकों में फोर्स के अलावा अग्निशमन दस्ता, वाटर कैनन के अलावा वज्र वाहन को भी तैनात किया गया है। सुरक्षा की मॉनिटरिंग वे खुद कर रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते पुलिसकर्मी।

### डीसी-एसएसपी ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

**RANCHI :** अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर रांची में उत्साह का माहौल है। पूरा शहरा राम पताका से पटा हुआ है। हर गली मुहल्ले में राम धुन सुनाई दे रही है। उत्साह में खलल न पड़े इसको लेकर रांची जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। शहर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पूर्व संध्या पर रांची उपायुक्त राहुल सिन्हा और एसएसपी ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीसी -एसएसपी ने फिरायालाल चौक पहुंचे और सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## झारखंड में सुरक्षा चाक चौबंद 3500 फोर्स तैनात, सोशल मीडिया पर रहेगी विशेष नजर

**CRIME REPORTER RANCHI :** रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले झारखंड में सुरक्षा चाक चौबंद कर दी गई है। पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। अप्रिय घटना से बचने के लिए सुरक्षा उपाय किए गये हैं। राज्य के सभी जिलों में पुलिस की टीमें मुस्तैद हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में वाहनों और राहगीरों की जांच की जा रही है। राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। राज्य में 3500 अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। धार्मिक स्थलों के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। धार्मिक स्थलों के आस-पास सादे वेश में पुलिस की तैनाती भी की गई है। संवेदनशील स्थानों पर दण्डाधिकारियों के साथ पुलिस पदाधिकारियों और जवान तैनात रहेंगे। संवेदनशील इलाकों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। झारखंड पुलिस सोशल मीडिया पर लोगो के गतिविधि पर नजर रख रही है। सोशल मीडिया पर गलत हरकत सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सोशल मीडिया की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। मुख्यालय सहित जिलों का सोशल मीडिया सेल फेसबुक, यूट्यूब, एक्स पर पोस्ट किए जा रहे संदेशों और तस्वीरों पर लगातार नजर रख रहा है। भड़काऊ पोस्ट व वीडियो को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने सांप्रदायिक सद्भाव असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये गए हैं। श्री राम मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राज्य में होने वाले कार्यक्रम के लिये पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में पुलिस कर्मियों ने मॉक ड्रिल किया। इस दौरान पुलिस कर्मियों को अग्निशमन उपकरण, एंटी राइट गन, रबर बुलेट गन, पंप एक्शन गन, आंसू गैस, चिली बम, चिली स्प्रे का प्रयोग कैसे और कब किया जाए इसकी जानकारी दी गई है।

### पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारी की मौजूदगी में तैनात रहेंगे पुलिसकर्मी

पुलिस मुख्यालय ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है। आदेश के अनुसार 22 जनवरी को यूपी के अयोध्या में श्री राम मंदिर के प्रस्तावित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था संधारण के लिये 3500 अतिरिक्त बलों की प्रतिनियुक्ति किया गया है। ये प्रतिनियुक्ति 18 जनवरी से 23 जनवरी तक रहेगी। जमशेदपुर में 300, चाईबासा में 100, सरायकेला में 100, खूँटी में 100, सिमडेगा में 100, गुमला में 100, लोहरदगा में 200, हजारीबाग 300, गिरिडीह में 100 लाठी बल और 50 सशस्त्र बल, कोडरमा में 150, चतरा में 150, रामगढ में 100, बोकारो में 200, धनबाद में 200, पलामू में 200, लातेहार में 100, गढ़वा में 100, देवघर में 150, दुमका में 150, पाकुड में 100, साहेबगंज में 150, जामताड़ा में 150 और गोड्डा में 150 लाठी बल तैनात रहेगे। एसएसपी जमशेदपुर, धनबाद एवं एसपी चाईबासा, सरायकेला, खूँटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा, रामगढ़, बोकारो, पलामू, लातेहार, गढ़वा, देवघर, दुमका, पाकुड़, साहेबगंज, जामताड़ा तथा गोड्डा के कहा गया है कि तैनात अतिरिक्त बलों को पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारी के साथ सभी दंगा रोधी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराते हुए विधि-व्यवस्था डियूटी के लिये प्रतिनियुक्त करें।

## भाजपा ने रांची में जरूरतमंदों के बीच बांटे 50 हजार दीप-बाती व 5000 झंडे

शोभायात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता।

**PHOTON NEWS RANCHI :** भाजपा महानगर रांची ने अल्बर्ट एक्का चौक में रविवार को जरूरतमंदों के बीच 50 हजार दीप-बाती, 5000 झंडा, 5000 बोतल सरसों का तेल बांटा। मौके पर विधायक सीपी सिंह, महानगर अध्यक्ष केके गुप्ता व अन्य भी उपस्थित थे। इस दौरान सीपी सिंह ने कहा कि 500 वर्षों से अधिक समय बाद अयोध्या में रामलला के भव्य नवनिर्मित मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को तय है। इस खुशी में इस दिन सभी घरों में दीपावली मनाई जानी है। इस खुशी में जरूरतमंदों के बीच जरूरी सामग्रियों का वितरण किया गया है। श्री सनातन महापंचायत द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भव्य निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा पूजन को संयोजक ललित नारायण ओझा के नेतृत्व में पिस्का मोड़ के समीप शोभायात्रा निकाली गई। इसमें मुख्य रूप से रांची के सांसद संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, महानगर के पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता कृपा शंकर सिंह, मृत्युंजय शर्मा, वरुण साहू, कुमुद झा सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान ललित नारायण ने सभी अतिथियों को तलवार और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।

### 131 सप्ताह से चल रहा भंडारा, 1500 भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

**RANCHI :** एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एव स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) दिल्ली शाखा रांची के सयुंक्त तत्वावधान में अभी तक 130 भंडारा हो चुका। रविवार को 131वां भंडारा आयोजित था, जिसमें 1500 भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। अन्नापूर्णा भंडारे के महाप्रसाद का वितरण अग्रवाल किटी परिवार के सदस्य राजेश मधुश्री कयाल एवं उनके परिवार के सौजन्य से की गई। सदानंद जी महाराज के शिष्यों द्वारा तीन वर्षो से निशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन होता आ रहा है। इसके अलावा सालो भर गौसेवा, निर्धन कन्याओं का विवाह, निर्धन बच्चों की पढ़ाई, ठंड के मौसम में गर्म वस्त्रों एवं कंबल वितरण आदि सेवा कार्य भी किया जाता है।

## रांची को मिलेगी कचरे से मुक्ति, झिरी डंपिंग यार्ड से गंदगी के निबटारे के लिए प्लांट बनकर तैयार

### 150 टन के दो प्लांट किया जा रहा तैयार, मार्च से करने लगेगा काम

**PHOTON NEWS RANCHI :** झिरी डंपिंग यार्ड से कचरे के निपटारे के लिए प्लांट बनकर तैयार हो गया है। सांसद संजय सेठ ने प्लांट का निरीक्षण किया। रांची शहर को कचड़े से मुक्त करने की दिशा में यह एक अहम प्रयास है। सासंद ने केंद्र सरकार के सामने इन समस्याओं का जिक्र किया था। गेल इंडिया के द्वारा रांची के झिरी डंपिंग यार्ड में 300 टन के कचरा संधारण प्लांट का प्रस्ताव रखा। सांसद के इस प्रस्ताव पर गेल इंडिया ने अपनी सहमति दी और स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस पर कार्य भी शुरू हो गया। 25-25 करोड रुपए की लागत से 150 टन के दो प्लांट तैयार होने हैं। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने बताया कि 150 टन का एक प्लांट पूरी तरह से तैयार हो चुका है, जो फरवरी अंतिम सप्ताह या मार्च प्रथम सप्ताह में काम करने लगेगा। अधिकारियों ने सांसद को बताया कि झिरी कचरा डंपिंग यार्ड में गेल के द्वारा कचरा संधारण प्लांट का निर्माण कार्य फेज-1 पूरा हो गया है। 150 टन का कचरा संधारण प्लांट तैयार है। यहां पर 300 टन का कचरा संधारण प्लांट तैयार होना है। अधिकारियों ने बताया कि फरवरी अंतिम या मार्च 2024 के प्रथम सप्ताह से यह प्लांट कार्य करने लगेगा।

निरीक्षण करते सांसद संजय सेठ।

### त्रिपुरा, मेघालय व मणिपुर के राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को राज्यपाल ने किया संबोधित

# हम सब एक हैं और एक रहेंगे : सीपी राधाकृष्णन

**PHOTON NEWS RANCHI :** राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में हर किसी को प्रतिबद्धता के साथ प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा है लेकिन विविधता में एकता है। हम सब एक हैं और एक रहेंगे। भारत के विभिन्न प्रदेशों में मनाए जाने वाले पर्व, त्योहार एवं उत्सव की अवधारणा एवं उद्देश्यों में भी समानता है। पोंगल पर्व फसल पैदावार वाले के लिए प्रकृति, किसान एवं पशु के प्रति आभार प्रकट करने का पर्व है.। हमारे किसान बिना किसी लोभ-लालच के सूर्य की भांति नियत समय पर खेत की ओर निकाल जाते हैं। उन्होंने कहा कि सोहराई एवं टुसु पर्व के केंद्रबिंदु में भी प्रकृति, कृषि एवं पशु की पूजा ही हैं, जो हमारे जीवन के आधार हैं। रविवार को राज भवन, में संयुक्त रूप से पोंगल, सोहराई एवं टुसु पर्व के साथ-साथ त्रिपुरा, मेघालय एवं मणिपुर के राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि त्रिपुरा, मेघालय एवं मणिपुर प्रकृति के गोद में बसे हैं। इनका गौरवशाली इतिहास रहा है एवं गरिमामयी विरासत रही है। ये सांकृतिक विविधताओं से भरे पड़े हैं। प्रधानमंत्रीजी के एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत हम एक दूसरे के संस्कृति से अवगत हो रहे हैं। आपसी सौहार्द्र एवं समन्वय की भावना भी प्रगाढ हो रही है।

राज्यपाल ने देश के विकास के लिए सभी से साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि हम सब विकसित भारत@2047 में प्रतिबद्ध होकर अपना योगदान दें। मौके पर विभिन्न प्रदेशों के लोगों द्वारा लोक नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति भी की गयी। राज्यपाल इस समारोह के पूर्व राज भवन के मूर्ति गार्डेन में

त्रिपुरा, मेघालय व मणिपुर के स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल व अन्य।

### राज्यपाल ने तपोवन मंदिर की साफ-सफाई

**RANCHI :** अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आनंदोत्सव लेने को झारखंड भी तैयार है। इसी क्रम में रविवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रांची स्थित तपोवन मंदिर जाकर अपने हाथों से साफ-सफाई की। उन्होंने वहां पूजा-अर्चना भी की। साथ ही सभी के सुख समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर राज्य भर में विभिन्न संगठनों, भाजपा के नेताओं ने मंदिरों में अपने हाथों साफ सफाई का अभियान चलाया है।

## राज्य सरकार की नाकामियों से जनता भी त्रस्त : बाबूलाल

**PHOTON NEWS RANCHI :** भाजपा के नव नियुक्त मीडिया एवम प्रवक्ताओं की परिचयात्मक बैठक रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, अशोक बड़ाईक, प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, राफिया नाज, कुणाल षड़ंगी, रमाकांत महतो, डॉ अरुण उरांव, जेबी तुबिद, विनय कुमार सिंह, अविनेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष एवम संगठन महामंत्री का स्वागत योगेंद्र प्रताप सिंह व राफिया नाज ने अंग वस्त्र देकर किया। संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी का प्रवक्ता पार्टी का प्रतिबिंब होता है। यह आइना भी होता है जिसमें पार्टी का चेहरा दिखता है। आज मोदी सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं से देश के हर तबके की सेवा हुई है। जनता इसे नजदीक से महसूस कर रही है। वहीं राज्य सरकार की नाकामियों से भी जनता त्रस्त है और हेमंत सरकार के खिलाफ आक्रोश में है।

**BRIEF NEWS**

### हर सनातनी आज अपने गांव-घर में मनायें दीपावली : अश्विनी शर्मा

**KHUNTI :** कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग मंडा टांड स्थित शिव मंदिर प्रांगण की रविवार को साफ-सफाई की गई। साथ ही पूरे गांव और मंदिर परिसर में बजरंगी झंडे लगाये गये। सामाजिक कार्यकर्ता अश्विनी शर्मा के नेतृत्व में दर्जनों युवक मोटर साइकिल मे बजरंगी झंडा फहराते हुए जय श्रीराम, जय बजरंगबली का उद्घोष करते शिवालय पहुंचे। बाद में यह जत्था जुलूसे के रूप में चांपी, गडाटोली, सोसो, मिटकोरा, निधिया, जोजोदाग होते हुए पुनः बिकुवादाग शिवालय पहुंचा। अश्विनी शर्मा ने बताया कि 22 जनवरी को शिवालय प्रांगण में सुबह पूजा-अर्चना के बाद दोपहर मे भंडारे का प्रसाद वितरण किया जाएगा।

### सत्संग से प्रभावित होकर 11 लोगों ने नशा-हिंसा त्यागकर ग्रहण की दीक्षा

**KHUNTI :** महर्षि मेंही आश्रम मलियादा में चल रहे दो दिवसीय सत्संग से प्रभावित होकर रविवार को आसपास गांवों के 11 लोगों ने नशा और हिंसा को त्याग कर दीक्षा ग्रहण की। मौके पर प्रवचन करते हुए स्वामी प्रमोद जी ने कहा कि भगवान राम आंतरिक धन हैं, हृदय मिलने से ही सुख पायेगा, जैसे बालक मां से मिलकर प्रसन्न होता है। हमें परमात्मा की प्राप्ति में ही सुख-शांति मिलेंगी। उन्होंने कहा कि बिना गुरु जीवन शुरू नहीं, गुरु बहुत हैं, पर सद्गुरु से मुक्ति का मार्ग मिलता है। जिस प्रकार गोली बंदूक में भरकर चलाने से दुश्मन मरता है, वैसे ही सद्गुरु का मंत्र जीवन में भरकर अपने अंदर की बुराइयों को मारकर ही हमें सच्चा सुख मिलेगा। स्वामी डॉ विवेकानंदजी महाराज ने कहा कि जीव अविनाशी है, अपने मन के बुरे आवरण को हटाकर ही परमात्मा की भक्ति कर सकते हैं। दुनिया स्वार्थी है, भेदभाव त्याग कर अहिंसा और परमार्थ करते रहना चाहिए।

### स्थापना दिवस को लेकर झामुमो नेताओं ने की बैठक

**KHUNTI :** झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी की संताल परगना प्रमंडल स्तरीय कार्यकताओं की बैठक रविवार को दुमका क्लब में आयोजित हुई। बैठक में प्रत्येक साल दो फरवरी को गांधी मैदान में स्थापना दिवस मनाने को लेकर कार्यकताओं से झामुमो नेताओं ने रायसुमारी की। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के केंद्रीय महासचिव विजय सिंह ने की। इस अवसर पर झामुमो के सचेतक वरिष्ठ नेता शिकारीपाड़ा विधायक नलीन सोरेन, महेशपुर विधायक प्रो स्टीफन मरांडी, विधायक बसंत सोरेन, हेमलाल मुर्मू आदि मौजूद थे। झामुमो नेताओं ने हर साल की भांति इस साल भी स्थापना दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर रूप-रेखा तैयार करते हुए कार्यकताओं को दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देष दिया। साथ ही हेमंत सरकार के कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और केंद्र सरकार के वादे खिलाफी से अवगत कराते हुए दो फरवरी को स्थापना दिवस समारोह को सफल बनाने की अपील की।

# ट्रेलर और ट्रक की सीधी भिड़ंत में चालक की मौत

**PHOTON NEWS KHUNTI :** खूंटी-सिमडेगा मुख्य पथ के चुरगी नदी मोड़ के पास रविवार को अहले सुबह ट्रेलर और ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में ट्रेलर चालक की मौत हो गयी। मृत चालक की पहचान बिहार के आरा जिला के रहने वाले 29 वर्षीय रवि यादव के रूप में की गई है।

जानकारी अनुसार रविवार तड़के तीन बजे जब दोनों ट्रेलर चुरगी नदी की मोड़ पर पहुंची तो, एक चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे दोनों ट्रेलर में आमने-सामने की टक्कर हो गई। यह हादसा इतना जोरदार था कि दोनों वाहनों के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गये। काफी देर तक ट्रेलर का चालक गाड़ी में ही फंसा रहा। बाद में तोरपा पुलिस घटनास्थल पहुंची और काफी मशक्कत के बाद घायल चालक रवि को बाहर निकलवा कर रेफरल अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल भेजा गया लेकिन इलाज के दौरान रवि की मौत हो गयी। पुलिस हादसे की जांच-पड़ताल कर रही है।

### पाकुड़ में वेयरहाउस की सुरक्षा में तैनात हवलदार की गोली लगने से मौत

**PAKUR :** इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट के गोदाम में सुरक्षा के लिए तैनात हवलदार रघु मुर्मू की गोली लगने से मौत हो गई। गोली की आवाज सुनकर गोदाम में हड़कंप मच गया। यहां मौजूद अन्य जवानों ने घटना की जानकारी नगर थाना और वरीय अधिकारियों को दी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल दलबल के साथ गोदाम पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घायल सिपाही को खून से लथपथ हालत में सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले की जानकारी पुलिस प्रशासन ने मृतक हवलदार के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया है। घटना को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस बात की भी जांच चल रही है कि कांस्टेबल को किन परिस्थितियों में गोली लगी।

# लोहरदगा में प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च, सद्भाव बनाए रखने की अपील

**PHOTON NEWS LOHARDAGA :** 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिला प्रशासन ने फ्लैग मार्च किया। जिले में सुरक्षा व्यवस्था और शांति के माहौल को कायम रखने को लेकर सदर थाना परिसर से जिला प्रशासन ने सड़क पर उतर कर सद्भाव का संदेश दिया।

मोटरसाइकिल पर फ्लैग मार्च में शामिल पुलिस बल। ● फोटोन न्यूज

लोहरदगा उपायुक्त वाघमारे प्रसाद कृष्ण और एसपी हारीश बीन जमा के नेतृत्व में मोटरसाइकिल पर फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसमें एसडीओ, सदर थाना प्रभारी सहित कई अधिकारी और भारी पुलिस बल शामिल हुए। इस फ्लैग मार्च के जरिए पूरे शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर शांति बनाए रखने की अपील जिला प्रशासन कर रही है। पुलिस के जवान मोटरसाइकिल पर कतारबद्ध होकर अनुशासित रूप से मार्च करते हुए लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

फ्लैग मार्च के माध्यम से जिला प्रशासन ने बताया कि किसी भी स्थिति में असामाजिक तत्वों और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले लोगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर बनाए हुए है। मुख्यालय से जिले में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

# आदिवासियों का हक मार रहा ईसाई समुदाय अधिकारों का हो रहा हनन : संदीप उरांव

**PHOTON NEWS KHUNTI :** संघ भवन में रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच की हुई बैठक में जनजातियों की समस्याओं पर चर्चा की गई और उसके निराकरण को लेकर विचार-विर्श किया गया। मौके पर उत्तर-मध्य क्षेत्र के जनजाति सुरक्षा मंच संयोजक संदीप उरांव ने कहा कि आज ईसाई समुदाय आदिवासियों का हक मार रहा है। ईसाइयों के षड्यंत्र के कारण जनजाति समाज के मूल्यों और अधिकार का हनन हो रहा है।

बैठक में उपस्थित जनजाति सुरक्षा मंच के लोग। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि जनजातियों को लड़कर अपना हक लेना होगा। बैठक को संबोधित करते हुए भीम सिंह मुंडा ने कहा कि रूढ़िवादिता ही जनजाति समाज की पहचान है। अपनी पूजा पद्धति और परंपरा को जीवित रखने की आवश्यकता है, जो रूढ़िवादिता को मानता है, वही जनजाति समाज का हक लेने का अधिकारी है। बैठक में उपस्थित प्रांत के श्रद्धा जागरण प्रमुख मुसाफिर विश्वकर्मा, साधो मुंडा, नौरी पूर्ति, मीता कुमारी, गौरा देवी, सीमा देवी, प्रदीप साहू, जयप्रकाश भगत, लेपो मुंडा, सुदर्शन प्रधान, योगेश मिश्र, सुकरा मुंडा, रमेश राम, रिझु कुमार, लक्ष्मी बाखला, नीलू पहान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

## खूंटी में 23 को होगी अबुआ आवास योजना की शुरूआत, तैयारी पूरी

# 3800 लाभुकों का किया गया चयन : डीसी

**PHOTON NEWS KHUNTI :** राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना की शुरूआत 23 जनवरी को कराने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीण विकास विभाग यह प्रयास कर रहा है कि खूंटी जिले से इस योजना की लांचिंग करा दी जाये। खूंटी जिला प्रशासन ने इसकी तैयारी भी कर ली है। झारखंड सरकार ने इस वित्तीय वर्ष 2023-24 31 मार्च तक इस योजना से दो लाख लाभुकों को आवास योजना की स्वीकृति देने का लक्ष्य दिया है। सभी जिलों को इसके लिए अलग-अलग टारगेट दिया गया है।

इस संबंध में खूंटी के उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि उनके जिले में इस वित्त वर्ष के लिए 3800 लाभुकों का चयन अबुआ आवास योजना के लिए किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग में पूरे राज्य के अन्य जिले में तय टारगेट के अनुसार प्राप्त किए गये आवेदनों को सत्यापित करने का काम चल रहा है। संभवतः 22 जनवरी तक सभी जिलों से इसकी रिपोर्ट विभाग को मिल जायेगी। ऐसे में इसके बाद यह तय होगा कि इस वित्त वर्ष कितने लाभुकों को पहली किस्त की राशि दी जायेगी।

ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने बताया कि करीब 31 लाख आवेदन आवास योजना के लिए प्राप्त हुए हैं, जिसमें 29.97 लाख का आवेदन सत्यापित कर लिया गया है। जिलों से रिपोर्ट आ रही है। इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। आवास आवंटन की स्वीकृति भी जल्द दी जायेगी। 23 जनवरी को पहली किस्त की राशि भी दे दी जायेगी।

इस योजना के तहत लाभुकों को पहली किस्त में आवास योजना की स्वीकृति के समय 30 हजार रुपये दी दिए जायेंगे। दूसरी किस्त में लिंटल कार्य के लिए 50 हजार रुपये, तीसरी किस्त में छत ढलाई के समय एक लाख रुपये व आवास पूर्ण होने के समय 20 हजार रुपये चौथी किस्त के रूप में दी जायेगी। आवास में बिजली,पानी, शौचालय इत्यादि की भी सुविधा पहुंचाई जायेगी। अबुआ आवास योजना से तीन कमरा का पक्का आवास बनाया जायेगा। इसमें अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। ग्रामीण विकास विभाग ने इसका मॉडल डिजाइन भी तैयार किया है, सभी जिलों को इसे भेजा है।

# उमरा कर रांची एयरपोर्ट पहुंचा 90 लोगों का जत्था

**PHOTON NEWS RANCHI :** मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ग्रुप गिरिडीह पिछले 13 वर्षो से हज उमराह करा रही है। आज 90 जायरीन उमराह कर जद्दा से रांची बाई फ्लाइट पहुंचे। इस मौके पर बोलते हुए मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ग्रुप के मौलाना इलियास मजाहिरी ने कहा कि आज 90 लोगों का जत्था उमरा कर रांची लौटा। मौलाना ने कहा की मुझे काम करने पर यकीन है। अल्लाह पाक जिससे चाहता है काम लेता है। उन्होंने कहा कि सभी जायरीन बहुत खुश है। सभी ने कहा मदीना टूर एंड ट्रेवल्स ने जो वादा किया वो पूरा किया। मौलाना इलियास ने कहा की मेरा यह काम करने का मकसद झारखंड के मुसलमानो के खिदमते

खल्क करना है। मक्का में 500 मीटर की दूरी पर और मदीना में 600 मीटर की दूरी पर ठहराया गया। और सभी जायरीन को मक्का और मदीना की सभी जगह की जियारत कराई गई। मक्का और मदीना में भारतीय भोजन की व्यवस्था है।यह जत्था मौलाना जौहर मजाहिरी के नेतृत्व में वापस हुई। वहीं मौलाना मोहम्मद जौहर मजाहिरी ने कहा कि इसी महीना 24 जनवरी को रांची से फ्लाइट के द्वारा 45 जायरीन का जत्था मौलाना इलियास मजाहिरी के नेतृत्व में जाएगा।

# रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राममय हुआ खूंटी जगह-जगह भजन कीर्तन व भंडारा का होगा आयोजन

## मनेगी दिवाली, लोगों में अपूर्व उत्साह, राम धुन से गूंज रहा शहर

**PHOTON NEWS KHUNTI :** अयोध्या में सोमवार को होने वाले राम मंदिर के लोकार्पण एवं राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर खूंटी के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपूर्व उत्साह एवं उत्सव का माहौल व्याप्त हो गया है।

सदियों बाद आ रहे इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाने के लिए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल सहित अन्य हिंदूवादी संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ ही शहर के विभिन्न मुहल्लों में स्थानीय निवासियों द्वारा भी अपने स्तर से की जा रही तैयारियों को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। दूसरी ओर शहर के मुख्य पथ, कर्रा रोड, डाक बंगला रोड, तोरपा रोड, मिश्रा टोली, पिपराटोली सहित अन्य गली मोहल्लों को भगवा ध्वजों, फ्लेक्सों एवं झंडों से पाट दिया गया है। इसके साथ ही शहर के सभी छोटे-बड़े मंदिरों की साफ सफाई कर मंदिरों में सुंदर विद्युत सज्जा की गई है। सोमवार को शहर के नेताजी चौक स्थित देवी गुड़ी, भगत सिंह चौक स्थित हनुमान मंदिर, कर्रा रोड चौधरी मोहल्ला स्थित देवी मंडप व हनुमान मंदिर, राम मंदिर पिपराटोली, मिश्रा टोली स्थित दुर्गा मंदिर, बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी सहित अन्य मंदिरों एवं मोहल्ले में भजन कीर्तन एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

विहिप के जिलाध्यक्ष विनोद जायसवाल एवं नगर अध्यक्ष मुकेश जायसवाल ने बताया कि सोमवार को पूर्वाहन 11 से एक तक मंदिरों में पूजन अनुष्ठान एवं भजन कीर्तन का आयोजन होगा। दोपहर एक बजे से 1:30 बजे तक मंदिरों में महाआरती की जाएगी। दोपहर दो बजे से नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों द्वारा नगर कीर्तन सह शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

# मजदूरों के बकाया राशि का भुगतान जल्द करे एचईसी : विजय शंकर

**PHOTON NEWS RANCHI :** एचईसी अपने मजदूरों के साथ अन्याय करना बंद करें एंव उनके बकाया 18 माह का वेतन का जल्द भुगतान करें। ऐसा नहीं करने पर सभी कर्मचारियों को गोलबंद कर एचईसी में अनिश्चितकालीन तालाबंदी किया जायेगा। ये बातें संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने अपनी प्रतिक्रिया में कहीं। उन्होंने कहा कि वेतन नहीं मिलने की वजह से मजदूरों की आर्थिक स्थिति बद से बतर हो गई है। बच्चों को पढ़ाने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार में बीमार लोगों का इलाज नहीं हो पा रहा है। परिवार

की फाईल फोटो।

को ढंग से भोजन करने में परेशानी हो रही है। सेवानिवृत कर्मचारियों को ग्रेच्युटी वी लीव सैलेरी का भुगतान 5 साल से बंद है। नायक ने कहा कि एचईसी के मजदूरों के पीएफ का भुगतान भी नहीं किया जा रहा तो दूसरी ओर ठेका पर काम करने वाले मजदूरों का ठेका भी समाप्त हो गया।

## हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए विधायक, बोले-

# हर सनातनी और सरना धर्मावलंबी आज अपने घर में जलायें राम ज्योति

**PHOTON NEWS KHUNTI :** भाजपा विधायक कोचे मुंडा रविवार को रनिया प्रखंड के बलंकेल गांव में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सपत्निक शामिल हुए। मौके पर निकाली गई कलश यात्रा में भी शामिल हुए। कलश यात्रा नवनिर्मित मंदिर परिसर से शुरू होकर विभिन्न क्षेत्र का भ्रमण करते हुए सिकरिया नाला पहुंची, जहां गंगा पूजन के बाद कलशों में जल भरा गया।

कलश यात्रा में शामिल विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मौके भक्तों द्वारा किये जा रहे श्रराम के जयकारे सें पूरा वतावरण राममय हो गया। मौके पर विधायक ने ग्रामीणों से कहा कि हम सौभग्यशाली हैं कि हमें इस ऐतिहासिक अवसर को देखने का अवसर मिला है, अन्यथा इस पल कों देखने के लिए हमारी कितनी पीढ़िया गुजर गई। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को सभी सनातनी और सरना धर्मावलंबी अपने घरों में राम ज्योति जलायें और मंदिरों में भी दीपोत्सव मनायें। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष निखिल कंडुलना, सांसद प्रतिनिधि नारायण साहू सहित काफी संख्या में ग्रामीण कलश यात्रा में शामिल हुए।

# सड़कों पर उमड़ा केसरिया सैलाब, राममय हुआ गुमला

**PHOTON NEWS GUMLA :** श्रीरामलला सोमवार को अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। इस रामोत्सव की खुशियां देश-दुनिया के लोग मना रहें हैं तो भला गुमला वासी कैसे पीछे रह सकते हैं। रविवार को सनातन मंच गुमला के बैनर तले एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। लोगों का मानना है कि शोभायात्रा में उमड़ी भीड़ ऐतिहासिक है। शहर की सारी दुकाने बंद और घरों में ताले लगा कर रामभक्त इस शोभायात्रा में शामिल हुए। गुमला की सड़कों पर केसरिया सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में पुरूष-महिला, युवक-युवतियां नाचते-गाते,

केसरिया झंडे लहराते, जय श्रीराम के नारे लगाते हुए जब सड़कों पर उतरे तो पुरा शहर राममय हो गया। डीजे और ढोल-नगाड़े की स्वर लहरियां पुरे माहौल को मदहोश बना रही थी।

जाति, समुदाय व वर्ग से उपर उठ कर सनातनी एकता का अद्भूत स्वरूप दिखाई दे रहा था। सांसद

## पेज 01 का शेष

### राज्य में रची गई थी...

झामुमो नेताओं ने कहा कि एक तो बिना अनुमति या सूचना के सीआरपीएफ के जवानों को उतारा गया। बिना अनुमति या सूचना के सीएम हाउस में प्रवेश करने की कोशिश की गई। इतना ही नहीं सीआरपीएफ जवानों ने झामुमो कार्यकताओं से उलझने का भी प्रयास किया, ताकि महौल को बिगाड़ा जा सके। झामुमो नेताओं ने कहा कि विधि-व्यवस्था के इतने संवेदनशील समय एवं स्थान पर जिला प्रशासन की अनुमति के बिना और बिना सूचना दिए इतनी बड़ी संख्या में सीआरपीएफ के बल का निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश करना एक भड़काऊ एवं गैर-कानूनी कार्य है। झामुमो कार्यकताओं ने यदि संयम का परिचय नहीं दिया होता तो हिंसक परिस्थिति उत्पन्न हो सकती थी। झामुमो नेताओं ने कहा कि केंद्रीय सुरक्षा बल देश के आंतरिक सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। उनका इस प्रकार से राजनैतिक दुरूपयोग अत्यंत ही गंभीर चिंता का विषय है। ऐसी घटनाओं से ही आम जनता का विश्वास केंद्रीय एजेसियों के प्रति कम होता जा रहा है एवं यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के भविष्य के लिए बहुत बड़ा खतरा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि केंद्रीय बलों का यह पक्षपातपूर्ण व्यवहार आगामी चुनावों को भी दुष्प्रभावित कर सकता है। यह पक्षपातपूर्ण व्यवहार आगामी चुनावों को भी दुष्प्रभावित कर सकता है। झामुमो ने राज्य सरकार से मांग किया है कि सीआरपीएफ आईजी कमांडेट एवं उनके अन्य वरीय पदाधिकारियों पर इस असंवैधानिक कार्य के लिए सख्त कानूनी कारवाई करते हुए एक उच्च स्तरीय जांच करा कर पूरे साजिश का भांडा फोड़ किया जाये, अन्यथा झामुमो आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

### भाजपा का पलटवार...

मुख्यमंत्री इन कार्यकताओं के जरिए क्या देश की न्यायिक व्यवस्था, न्यायाधीशों, केंद्रीय एजेंसी या देश के संविधान को डराना चाह रहे थे। भय का माहौल तो यह सरकार पैदा कर रही थी। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास के पास जब धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू था। तो उसके बाद झामुमो के हजारों कार्यकताओं को प्रशासन ने कैसे हथियार के साथ जाने की अनुमति दी? प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास में विधायकों और मंत्रियों का भी बिना बात का जमावड़ा लगा रहा। प्रतुल ने कहा कि लगातार कल सारे टीवी चैनलों में झामुमो के नेताओं और कार्यकताओं का ईडी के अधिकारियों पर हमला और सेंदरा करने का आह्वान दिखता रहा। जब ईडी के अधिकारी जा रहे थे तो झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता उन पर भड़काऊ नारे लगाते दिखे। प्रतुल ने कहा कि बीच में तो स्थिति इतनी तनाव पूर्ण हो गई थी कि लग रहा था कि ईडी के अधिकारियों पर के साथ कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री तो खुद कानून का मौखौल उड़ाते रहे ।खुद ईडी के दफ्तर पूछताछ कराने नहीं गए। घर बुलाकर पूछताछ कराया। मुख्यमंत्री खुद चाहते थे परिस्थितियों बिगड़े और लाठी गोली चले। अगर कल सीआरपीएफ नहीं आती तो ईडी के साथ किसी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता था। प्रतुल ने कहा कि पूछताछ के दौरान जिस तरीके से झामुमो के कार्यकताओं ने भड़काऊ नारे लगाए ,धारा 144 का उल्लंघन किया।अभी तक उनके खिलाफ कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं होना यह सिद्ध करता है कि यह सारा प्रदर्शन स्टेट के द्वारा प्रायोजित था। उल्लेखनीय है कि झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय और सुप्रियो भट्टाचार्य ने रविवार को संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी की पूछताछ के दौरान उतारे गए 500 से अधिक सीआरपीएफ के जवानों को लेकर सवाल उठाया है।

# गिरिडीह में निकली श्रीराम की भव्य शोभायात्रा, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से एक दिन पहले रविवार को पूरा गिरिडीह शहर भगवान की भक्ति में लीन रहा। हिंदू संगठनों ने बड़ा चौक महावीर मंदिर से भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली। सड़कों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। शोभायात्रा में हाथों में भगवा ध्वज लिये हजारों श्रद्धालु चल रहे थे।

शोभायात्रा में शामिल रामभक्त। ● फोटोन न्यूज

डीजे की धुन पर राम भक्तों ने नृत्य-संगीत का दौर चला। श्रीराम के जयघोष से वातावरण गूंजायमान रहा। भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकी आकर्षण का केंद्र रही। ढोल-नगाड़ों की थाप पर युवा जमकर झूमे। मंदार की थाप पर आदिवासियों का नृत्य अलग माहौल बना रहा था। एक वाहन में राम-लक्ष्मण के साथ माता सीता और हनुमान की मूर्ति थी, जिनका सोमवार को बड़ा चौक के सियाराम हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होना है।

शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह फूलों व आरती से स्वागत किया गया। यात्रा महावीर मंदिर से निकलकर मुस्लिम बाजार, काली बाड़ी चौक, टावर चौक होते हुए देर रात तक बड़ा चौक पहुंची। यात्रा की अगुवाई भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे व कोडरमा सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव ने किया। इस दौरान जिला पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की थी।

## अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हर ओर उत्सव सा माहौल

# भ्रमण और कलशयात्रा के साथ निकली झांकी

**PHOTON NEWS KODERMA :** अयोध्या में रामलला की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे कोडरमा जिला में उत्सव सा माहौल है। रविवार को कोडरमा थाना ग्राम लोकाई गोसाईं टोल, लोचनपुर में अयोध्या से आये पूजित अक्षत कलश के साथ गांवों में भव्य कलश यात्रा निकाली गयी।

झांकी में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

इस दौरान जुलूस में शामिल लोगों ने ग्रामीणों से अपील की कि 22 जनवरी को गांव के मंदिर में आयोजित भजन कीर्तन में भाग लें। अपने अपने घरों में भगवा ध्वज लगाये. तथा संध्या पहर दीपावली मनाये। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षो बाद रामलला का आगमन हो रहा है। उनके आगमन का जश्न धार्मिक स्तर से मनाना है.। इस दौरान लोचनपुर वाला झांकी में सीता व हनुमान की बेहतरीन झांकी प्रस्तुत की।

मौके पर मनोज कुमार झुन्नु, मुकेश गोस्वामी, पप्पू गोस्वामी, ट्विंकल मोदी, मंटू यादव, वीरेंद्र गोस्वामी, राजेश गोस्वामी, केदार सिंह सरोज गुप्ता, भोला गोस्वामी, नंदील गोस्वामी, दीपों सोनी, विवेक मोदी समस्त ग्रामीण जुलूस में शामिल थे। विधि व्यवस्था संधारण के लिए कोडरमा थाना प्रभारी द्वारिका राम भी दल बल के साथ शामिल थे।

वहीं प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो स्थित सार्वजनिक दुर्गा मंदिर परिसर में 22 जनवरी की शाम एक शाम श्री राम के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि 22 जनवरी को स्थानीय कलाकारों के द्वारा जय श्री राम की रंगोली बनाई जाएगी। शाम 5 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद छह बजे शाम 5001 दीपों के साथ जय श्री राम लिखकर दीपोत्सव मनाया जाएगा। इधर मरकच्चो प्रखंड क्षेत्र के देवीपुर पंचायत स्थित ग्राम खेशमी, गुरहा में रामलला की भव्य शोभायात्रा रविवार को निकाली गई।

BRIEF NEWS

### जुबली पार्क में वार्षिक फल पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन 775 प्रतिभागियों ने लिया भाग

**ROURKELA :** राउरकेला जुबली पार्क में इस्पात संयंत्र उद्यान विभाग द्वारा आयोजित फल एवं फूल प्रदर्शनी का आयोजन रविवार को हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन आरएसपी के कार्यकारी निदेशक पीके साहू ने किया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न रंग गुलाब, सेवती, डहेलिया और अन्य फूलों की कुंड की शोभा बढ़ा रहे हैं। देखने के लिए लोगों की भीड़ भी उमड़ रही है। फूलों के संग विभिन्न प्रकार की उच्च गुणवत्ता वाली फलों की किस्में भी प्रदर्शित की जाती हैं। इस प्रदर्शनी में 775 प्रतियोगियों ने भाग लिया। कर्मचारियों के बीच बागवानी और कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए राउरकेला स्टील प्लांट द्वारा हर साल यह फल फूल प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। प्रदर्शनी शनिवार और रविवार दो दिन जुबली पार्क में चलेगी।

### राउरकेला में लजीज मोमोस के लिए मोमास स्टॉल पर उमड़ती भीड़

**ROURKELA :** राउरकेला की हर गलियों मे अभी मोमोस स्टॉल मिल जाएंगे। युवा और बूढ़े सभी की पसंदीदा बन गए हैं। हम बात कर रहे हैं एक अनोखे मोमास स्टॉल की, जहां शाम होते ही छोटे बच्चों से लेकर युवाओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है। बेहद विनम्र और चेहरे पर मुस्कान लेकर बेचने वाले ये दोनों युवा चेहरे जितने आकर्षक हैं, उनका व्यवहार भी उतना ही सरल है। राउरकेला के विभिन्न हिस्सों से लोग अन्य विक्रेताओं की तुलना में सस्ती कीमत पर विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट मोमोज खाने के लिए छेंड के रीम्स कॉलेज के पास इस मोमो स्टॉल पर आते हैं।

### राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

**ROURKELA :** अयोध्या में सोमवार को राम मंदिर उद्घाटन के मद्देनजर शनिवार को राउरकेला प्लांटसाइट थाने में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में आईपीएस अधिकारी सोनाली सिंह परमार, डीएसपी अनिल प्रधान, डीआइबी डीएसपी, प्लांटसाइट व उदितनगर थाना प्रभारी भी उपस्थित थे। बैठक में राउरकेला एकता मंच के सदस्य, शांति समिति के सदस्य और शहर के जाने-माने व्यक्ति भी उपस्थित थे। सभी सदस्य एवं पुलिस पदाधिकारी उस दिन शांति एवं सद्भाओ बनाये रखने की अपील करते हैं।

---

विधायक निधि से नवनिर्मित पीसीसी सड़क का हुआ विधिवत उद्घाटन

# बुनियादी सुविधा उपलब्ध करना मेरी प्राथमिकता : दीपक बिरुवा

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** झींकपानी प्रखंड अंतर्गत टूटूगुटू पंचायत में बिंगतोपांग से गुमड़ा नदी तक विधायक निधि से नवनिर्मित पीसीसी सड़क का विधिवत उद्घाटन विधायक दीपक बिरुवा की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। विधायक जी ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़ कर पीसीसी सड़क का उद्घाटन किया। इस सड़क की निर्माण से स्थानीय लोगों में खुशी देखी गई। इसके पूर्व ग्रामीणों में काफी गर्म जोशी के साथ विधायक जी का स्वागत किया।

मौके पर विधायक ने कहा कि सड़क, पीसीसी पथ, नाली, बिजली, पानी से जुड़ी सभी प्रकार के विकास काम क्षेत्र में हो रहा है। विकास करना हमारी प्राथमिकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य व बिजली आदि में सुधार हुआ है। ग्रामीण ईलाकों में पीसीसी सड़क समेत अन्य सड़कों का निर्माण तेज गति से कराया जा रहा है। क्षेत्र में चारों ओर विकास का जाल बिछाया जा रहा है।

उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित विधायक दीपक बिरुवा व अन्य। • फोटोन न्यूज

विधानसभा में लोगों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करना मेरी प्राथमिकता रही है। लगातार आवश्यक जगह पक्की सड़क का निर्माण कर लोगों की समस्या का हल किया गया। इसका परिणाम है कि जितनी भी आवश्यक योजनाओं को चिन्हित किया गया है लगभग सारी योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है। इस दौरान विधायक जी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने का आश्वासन दिया।

मौके पर सोमनाथ कुंकल, कुशनू गोप, सोना खंडाईत, निरंजन खंडाईत, शत्रुघन खंडाईत, मधु खंडाईत, बिरंचि खंडाईत, जय सिंह देवगम, नवीन बारी, रूप नारायण बारी, लाल सिंह देवगम, शशि मुंडा समेत अन्य उपस्थित थे।

# पश्चिमी सिंहभूम जिला में जय श्री राम के उद्घोष के साथ निकली कलश शोभा यात्रा

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** अयोध्या में 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के पावन उपलक्ष्य में रेल नगरी चक्रधरपुर के पोर्टर खोली स्थित श्री काली मंदिर ट्रस्ट समिति के तत्वावधान में रविवार को विशाल कलश शोभा यात्रा निकाली गया। कलश यात्रा का शुभारंभ जय श्री राम के उद्घोष के साथ हुआ।

शोभा यात्रा में रेल नगरी चक्रधरपुर के पोर्टर खोली स्थिति श्री काली मंदिर से भगवान श्री राम का भगवा रंग के झंडे और भगवा पगड़ी पहने भक्त चल रहे थे। उनके पीछे डीजे के धुन पर झाल मंजिरा बजाते हुए नाचती- झूमती महिलाएं और पुरुष अबीर-गुलाल उड़ाते चल रहे थे। इनके पीछे महिला-पुरुष भगवा वस्त्र धारण किए हुए मोटरसाइकिल पर चल रहे थे, जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ था।

शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालु। • फोटोन न्यूज

एक वाहन पर राम दरबार की तस्वीर थी। रथ को फूल से सजाया गया था। शोभा यात्रा रेल नगरी चक्रधरपुर के पोर्टर खोली स्थिति श्री काली मंदिर, श्री राणी सती मंदिर, चांदमारी, संतोषी मंदिर, बाटा रोड होते हुए पवन चौक पहुंची। इस दौरान जमकर आतिशबाजी किया गया। इसके बाद भगत सिंह चौक होते हुए चक्रधरपुर थाना के समीप मुक्तिनाथ महादेव घाट स्थित संजय नदी घाट पहुंचे, जहां विधिवत कलश में संकल्प लेकर जल भरा गया। इसके बाद वापस थाना रोड होते हुए रांची चाईबासा मुख्य मार्ग पर पहुंच कर पवन चौक , गुरुद्वारा रोड, पोर्टर खोली होते हुए वापस श्री काली मंदिर पहुंच कर समापन किया गया।

# झुग्गी बस्तियों का होगा विकास, आज से सात फरवरी तक चलेगा कार्यक्रम

**PHOTON NEWS ROURKELA :** राउरकेला शहरी क्षेत्र में झुग्गी बस्तियों को सभी सुविधाएं प्रदान करके सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की फाइव टी पहल के तहत परिवर्तन कार्यक्रम जारी है। सरकार की इन सभी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बस्ती निवासी संघ के सदस्यों और निवासियों को सूचित करने के लिए राज्य सरकार का आमो ओडिशा नबीन ओडिशा

(सहरी)' कार्यक्रम सोमवार से से 7 फरवरी तक झुग्गी बस्तियों में आयोजित किया जाएगा।

राउरकेला नगर निगम की ओर से आज तैयारी बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आरएमसी के उपायुक्त सुधांशु भोई उपस्थित थे। उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बस्ती निवासी संघ के सदस्यों से सहयोग मांगा।

# रामलला के सफल प्राण प्रतिष्ठा के लिए हुआ हवन

**PHOTON NEWS ROURKELA :** अयोध्या धाम में रामलला की सफल प्राण प्रतिष्ठा के लिए गृहस्थी के एमडी गोकुल आनंद बागरिया , सीईओ अमित अग्रवाल गृहस्थी परिवार के साथ हवन किया। कार्यक्रम दोपहर 12.30 बजे शुरू हुआ और 2.30 बजे पुष्पांजलि, आरती एवं प्रसाद सेवन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस पूजा में सुभाश्री बिस्वाल, बिनय महंती, अविनाश मिश्रा, सिताराम बागरिया, प्रदीप बिस्वाल, अंजलि साहू, प्रफुल्ल पात्र, नारायण साहू, पीतांबर तांती, सोनू शर्मा, शरत महराना, किरण स्वैन, मुकेश ठाकुर, टी पुरूषोत्तम, राज किशोर बेहरा, सरोज मोहंती जी का मुख्य सहयोग रहा।दस्यों और निवासियों को सूचित करने के लिए राज्य सरकार का आमो ओडिशा नबीन ओडिशा (सहरी)' कार्यक्रम सोमवार से से 7 फरवरी तक झुग्गी बस्तियों में आयोजित किया जाएगा।

हवन करते लोग। • फोटोन न्यूज

राउरकेला नगर निगम की ओर से आज तैयारी बैठक आयोजित की गयी। बैठक में आरएमसी के उपायुक्त सुधांशु भोई उपस्थित थे। उन्होंने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बस्ती निवासी संघ के सदस्यों से सहयोग मांगा।

# जमशेदपुर : गोलमुरी बिरला मंदिर में भव्य प्रतिमा स्थापित, निकाली गई शोभा यात्रा

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** गोलमुरी केबुल टाउन के श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण में विश्व की अब तक की सबसे बड़ी रंगोली बनकर तैयार हो गई है। इसे आदित्यपुर के कलाकार विवेक मिश्रा ने अकेले अपनी मेहनत से बनाया है। रंगोली का क्षेत्रफल 18,500 वर्गफीट से ज्यादा है। जिसकी लंबाई 165 फीट है और चौड़ाई 125 फीट है। इसे बनाने में करीब तीन टन रंगोली की खपत हुइ है। रंगोली बनाने के लिए स्थान का समतलीकरण, उस पर हरे रंग की कार्पेट एवं वर्षा से बचाने के लिए प्लास्टिक तथा विभिन्न रंगों की तीन टन रंगोली एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था आदि श्री लक्ष्मी नारायण जीर्णोद्धार समिति के संयोजक एवं पूर्वी जमशेदपुर के विधायक सरयू राय द्वारा की गई है। रंगोली बनकर तैयार है। सोमवार को 11 बजे दिन मे इसका विधिवत उद्घाटन होगा।

इसके अतिरिक्त देव विग्रह विहीन इस निमार्णाधीन मंदिर में श्री लक्ष्मी नारायण की नौ फीट ऊंची अभिमंत्रित प्रतिमा स्थापित होगी और साथ ही पूजा अर्चना आरम्भ होगी। प्रतिमा रविवार को मंदिर के भीतर उचित स्थान पर स्थापित कर दी गई है। इसके लिए गोलमुरी टीनप्लेट चौक से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें शामिल लोगों ने भगवा ध्वज, पताखा लहराते हुए गाजे बाजे के साथ लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर में प्रतिमा को लाया। शोभा यात्रा में समाजसेवी अशोक भालोटिया, अशोक गोयल, रामश्रय प्रसाद, सुबोध श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

इसके साथ ही मंदिर के गर्भगृह के निर्माण का कार्य भी कल 22 जनवरी से शुरू होगा। गर्भ गृह में शीघ्र ही विधि विधान के अनुरूप श्री लक्ष्मी नारायण के विग्रह की स्थापना अगले राम नवमी तक करने का लक्ष्य है।

# झारखंडवासी एकता मंच के टुसू मेला में दिखी संस्कृति की झलक, विभिन्न जिलों से आये लोग

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** झारखंडवासी एकता मंच की ओर से रविवार को बिष्टुपुर गोपाल मैदान में भव्य टुसू मेला का आयोजन किया गया। इसमें अनुमानित दो से ढाई लाख लोगों ने शिरकत की। मेला में झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा उड़ीसा व पश्चिम बंगाल के करीब कई लोग टुसू व चौड़ल लेकर पहुंचे थे। इसमें सात लोगों को टुसू में, चार व्यक्ति को चौड़ल में तथा चार ग्रुप को बुढ़ी गाड़ी नाच प्रतियोगिता में नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान अतिथियों के रूप में सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व सांसद सुमन महतो, ईंचागढ़ की विधायक सबिता महतो, सरायकेला की पूर्व पार्षद सारथी महतो, पूर्व जिला पार्षद चंद्रावती महतो, धालभूमगढ़ से आये शम्भू महतो व उनकी पत्नी संध्या महतो, रमेश हांसदा, बिल्डर विकास सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के मुख्य संयोजक आस्तिक महतो ने की।

**आंदोलनकारियों को किया नमन :** इस दौरान मनोहरपुर (पश्चिम सिंहभूम) से आए रंजीत महतो एंड झुमर ग्रुप ने कई टुसु व झूमर गीत गाकर माहौल में चार चांद लगा दिया। वैसे तो दूर दराज से टुसू व चौड़ल लेकर आनेवाले लोग एकदिन पूर्व ही देर रात पहुंच गये थे, लेकिन रविवार को सुबह 10 बजे से अन्य लोगों का आना शुरू हो गया। दोपहर 2 बजते-बजते मैदान में पैर रखने की जगह भी कम पड़ने लगी थी।

# अयोध्या में राम मंदिर के लोकार्पण को लेकर शहर में जश्न का माहौल

**PHOTON NEWS ROURKELA :** अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर का लोकार्पण समारोह सोमवार को आयोजित होने जा रहा है इसलिए गांव से लेकर शहर तक हर जगह त्योहार का माहौल देखने को मिल रहा है। राउरकेला शहर भी इससे अछूता नहीं है। पानपोस स्ट्रीट से बिरसा मुंडा चौक तक मुख्य सड़क रोशनी से जगमगा रही है। सड़क के दोनो किनारे झंडो से भगवामय माहौल हो गया है। राम मंदिर लोकार्पण और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर राउरकेला के विभिन्न संगठन द्वारा भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। डेली मार्केट व्यापारी संघ द्वारा वितरण के लिए 250 किलो के लड्डू और खिचड़ी प्रसाद का प्रबंध किया जा रहा। विभिन्न संगठन द्वारा भंडारा का आयोजन में लगे हुए है।

राम मंदिर स्थापना के मौके पर शहर में शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से कई कदम उठाए गए हैं।

लोगों के बीच वितरण के लिए तैयार लड्डू। • फोटोन न्यूज

प्लांटसाइट थाने में शनिवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में एकता मंच के सदस्यों सहित शहर के गणमान्य लोग शामिल हुए और शहर में शांति बनाये रखने की अपील की। प्रशासन की ओर से नई आईपीएस अधिकारी सोनाली सिंह परमार, डीएसपी अनिल प्रधान, डीआईबी डीएसपी, प्लांटसाइट व उदितनगर थानेदार प्रमुख रूप से मौजूद थे। पुलिस प्रशासन ने इस अवसर को भाईचारे और शांति के साथ मनाने की अपील की है।

# अयोध्या में श्री राम के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर सदर एसडीओ ने किया निरीक्षण, दिए कई दिशा निर्देश

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** अयोध्या में प्रभु श्री राम के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर को देखते हुए पश्चिमी सिंहभूम जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त के निर्देशन पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन ने सदर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार की उपस्थिति में मुख्यालय शहर का भ्रमण कर विधि-व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने क्षेत्र वासियों से अपील किया कि इस अवसर पर क्षेत्र अंतर्गत विधि-व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने में सभी क्षेत्रवासियों का सहयोग अपेक्षित है। ऐसा कोई भी वांछित कृत्य ना किया जाए, जिससे किसी भी समुदाय की भावना को ठेस पहुंचे। इसके अलावा समरसता बिगड़ने वाले अथवा फेक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा ना करें। ऐसे किसी भी प्रकार की सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में जानकारी मिलने पर तत्काल अपने नजदीकी थाने को सूचित करें। क्षेत्र अंतर्गत विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार क्रियाशील है तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर दण्डाधिकारी के साथ-साथ पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। उन्होंने कहा कि इस दौरान विधि-व्यवस्था संधारण में हस्तक्षेप करने वाले कतिपय लोगों पर विधिसम्मत कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

शहर का निरीक्षण करते सदर एसडीओ अनिमेष रंजन। • फोटोन न्यूज

तीन दिवसीय रुकमणी गोप सह देवेंद्रनाथ बिरूवा मेमोरियल वार्षिक फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

# खेल में युवा बना सकते हैं करियर : निरल पूर्ति

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** हाटगम्हारिया प्रखंड के बिरूवा स्पोर्टिंग क्लब बड़ामपोखर धोलाडीह की ओर से आयोजित तीन दिवसीय रुकमणी गोप सह देवेंद्रनाथ बिरूवा मेमोरियल वार्षिक फुटबॉल खेल प्रतियोगिता का फाइनल रविवार को खेला गया। फाइनल प्रतियोगिता ओंगो एफसी बनाम मगदा वरियर्स के बीच खेला गया। जिसमें पेनाल्टी शूटआउट में ओंगो एफसी ने मगदा बेरियर्स को 4-3 से हरा कर विजेता बना।

फाइनल में मुख्य अतिथि के तौर पर मझगांव विधानसभा के विधायक निरल पूर्ति शामिल हुए। जिनके हाथों से विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। इसके पहले विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद गेंद को किक मारकर फाइनल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आज के समय खेल सिर्फ मनोरंजन का साधन बनकर नहीं रह गया है। युवा कैरियर के रूप में भी इसे देखने लगे हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के युवाओं को एक उम्मीद दी है कि आप जिस क्षेत्र में भी जाना चाहते हैं उसमें आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। खेल , कौशल, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी, खेती, किसानी सभी क्षेत्र में लोग अपना भविष्य बेहतर कर सकते हैं। प्रतिभा को निखारने के लिए झारखंड सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मौके पर कुमारदुंगी जिला परिषद सदस्य शशि भूषण पिंगुआ, राजेश पिंगुआ, धनुर्जय तिरिया , प्रमुख बुधराम हेंब्रम , मो. मुजाहिद मुखिया जेपी लागुरी, श्याम पिंगुआ, दुबराज पिंगुआ, लाल सिंह हेस्सा, कुलेश बेहरा, सिकंदर गोप समेत अन्य उपस्थित थे।

अतिथि के साथ विजेता व उपविजेता की टीमें। • फोटोन न्यूज

## पश्चिमी सिंहभूम के देवाशीष पिंगुवा का झारखंड कबड्डी टीम में हुआ चयन

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम से देवाशीष पिंगुवा का चयन झारखंड कबड्डी टीम में हुआ है। बताया गया कि पश्चिमी सिंहभूम जिला कबड्डी एसोसिएशन के चयनित खिलाड़ी देवाशीष पिंगुवा 67 वी राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता अंतर्गत कबड्डी अंडर 19 बालक वर्ग खेल गांव में भाग लेने वाले झारखंड टीम हेतु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 14 से 23 जनवरी तक अल्बर्ट एक्का कबड्डी स्टेडियम कबड्डी स्टेडियम खेलगांव रांची में आयोजित किया गया था। जिसमें पश्चिमी सिंहभूम से देवाशीष पिंगुवा को बेहतर खेल प्रदर्शन को देखते हुए झारखंड टीम में शामिल किया गया। कोल्हान प्रभारी श्यामल दास ने कहा कि आगामी 24 से 27 तक कर्नाटक में 67 वी राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने वाली है। जिसमें झारखंड टीम 23 जनवरी को रांची से कर्नाटक के लिए रवाना होगी। देवाशीष पिंगुवा को झारखंड टीम मे शामिल होने पर कोल्हान प्रभारी श्यामल दास , जिला अध्यक्ष दीपेद्र प्रसाद, सचिव अनु पुरती, उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, राहुल कुमार गोप, उर्मिला होनहागा, शिव मुखी समेत अन्य लोगों ने खिलाड़ियों ने बधाई दी है।

देवाशीष पिंगुवा।

# जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब को पराजित कर फ्रेंड्स क्लब चाईबासा क्वार्टर फाईनल में

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे आठवीं अशोक कुमार जैन जिला नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को खेले गए मैच मे फ्रेंड्स क्लब चाईबासा ने जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब को 20 रनों से पराजित कर क्वार्टर फाईनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंडस क्लब चाईबासा की टीम ने निर्धारित 25 ओवर में पाँच विकेट खोकर 159 रन बनाए। आउटफील्ड गीला होने की वजह से मैच बिलंब से शुरू हुआ और दोनों अंपायरों ने ओवर में कटौती करते हुए 25-25 ओवरों का मैच कराने का निर्णय लिया।

फ्रेंडस क्लब चाईबासा की ओर से अमरदीप दास ने दो चौकों एवं दो छक्कों की मदद से 45, चंदन कुमार गोप ने एक चौका एवं चार छक्कों की सहायता से 40 तथा सुभाष जोंको ने छः चौकों एवं एक छक्का की मदद से 31 रन बनाए जबकि कार्तिकेय पाठक ने 15 रनों का योगदान दिया। जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की ओर से मेराजुल इस्लाम ने दो तथा साहिल, सर्वेश अंसारी एवं सदान आलम ने एक-एक विकेट हासिल किए। जीत के लिए निर्धारित 25 ओवर में 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 22.2 ओवर में 139 रन बनाकर आल आउट हो गई और 20 रनों के अंतर से मैच गंवा बैठी। उद्घाटक बल्लेबाज निर्भय चौरसिया ने पाँच चौकों एवं दो छक्कों की सहायता से सर्वाधिक 42 रन बनाए जबकि दूसरे उद्घाटक बल्लेबाज उमर मुख्तार ने चार चौकों एवं एक छक्का की सहायता से 28 रनों का योगदान दिया। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 72 रनों की मजबूत साझेदारी निभाकर टीम को ठोस शुरूआत दी परन्तु बाद के बल्लेबाजों की असफलता ने टीम की लुटिया डुबो दी। बाद के बल्लेबाजों में नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए जहीर खान ने एक चौका एवं दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाकर कुछ प्रयास जरुर किया पर वह नाकाफी साबित हुआ। अंकित शर्मा ने भी 19 रन बनाए। फ्रेंडस क्लब की ओर से ऑफ ब्रेक गेंदबाज अखिलेश यादव ने 30 रन देकर तीन विकेट, कार्तिकेय पाठक ने 22 रन देकर तीन विकेट तथा वामहस्त स्पिनर अभय मिश्रा ने 20 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए।

फ्रेंडस क्लब चाईबासा की टीम। • फोटोन न्यूज

# प्रभु श्रीराम ने जब मुझे अयोध्या बुलाया...

जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा देश गुंजायमान था। हर समय कानों में ध्वनि सुनाई देती थी- राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मार्गदर्शन और विश्व हिन्दू परिषद के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन चल रहा था। शिला पूजन, शिला यात्राओं के कार्यक्रम हो चुके थे और अब कारसेवकों के जाने का समय आ गया। देशभर से कारसेवकों के जत्थे निकलने लगे थे। मेरे बड़े भाई डॉ. राम कुमार बिंदल विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश पदाधिकारी एवं राम जन्म भूमि आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से एक थे। एक बहुत विशाल जत्था लेकर वह सोलन से पहले चरण में निकल गए और उनके मार्गदर्शन में पीछे से और जत्थे निकलने लगे। मैं हिमगिरी कल्याण आश्रम सोलन का सेवा कार्य देखता था। साथ ही अपना क्लीनिक भी चलाता था। श्रीराम जी का आदेश हुआ, फिर क्या था। 32 रामभक्तों का जत्था बनाया, पिट्ठू पीठ पर लादकर बढ़ चले प्रभु श्रीराम के चरणों में शीश नवाने। सोलन और राजगढ़ से अयोध्या जाने के लिए 32 लोग तैयार हुए। शिमला-कालका राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर धर्मपुर के पास पुराने शिव मंदिर के पास सभी एकत्रित हुए, जहां पर पूरा प्रशिक्षण लिया गया। डॉ. राम कुमार बिंदल, जो यात्रा के लिए पहले ही निकल चुके थे, उनके द्वारा बहुत सी महत्वपूर्ण जानकारियां हमें भेजी गई थीं। तदानुसार 32 कारसेवकों का ग्रुप लीडर मुझे बनाया गया व चंद्र मोहन ठाकुर राजगढ़ वालों को सह-लीडर नियुक्त किया गया। हमने 16-16 कारसेवकों की जिम्मेवारी ले ली व पुनः उन्हें 4-4 के 8 ग्रुपों में विभाजित कर दिया। यह संकल्प लिया कि अयोध्या पहुंचना है। यदि पुलिस किसी को पकड़े तो चार का ग्रुप एक साथ जाएगा, शेष अपने को बचा कर रखेंगे। हम 30 लोग प्रभु श्री राम की कृपा से ट्रेनें बदलते हुए लखनऊ तक निर्बाध पहुंच गए। हम स्टेशन पर उतरें तो उतरें कैसे, चप्पे-चप्पे पर पुलिस थी। सब ओर कर्फ्यू लगा हुआ था। हम हिमाचल प्रदेश के लोग पिट्ठी और थैलों के साथ अलग ही पहचाने जा रहे थे। पूरी योजना से चार-चार का ग्रुप पुलिस की निगाहों से बचते-बचते स्टेशन के बाहर निकला, क्योंकि लखनऊ से अयोध्या की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें बंद कर दी गई थीं। बाहर निकलते ही अहसास हुआ कि कोई बस गाड़ी नहीं है, कर्फ्यू है। छोट सा जय श्रीराम का उद्घोष किया। इसके बाद हम एक राम भक्त के सहयोग से एक मंदिर में पहुंचे। मंदिर में 500 से अधिक कारसेवक ठहरे थे। यहां पता लगा कि मुलायम सिंह ने पूरी व्यवस्था की है कि परिंदा भी पर न मार सके। लाखों कारसेवकों को सरयू नदी के उस पार रोके रखा गया था। एक संत ने बताया कि यहां से पैदल 200 किलोमीटर से ज्यादा चलना होगा, तभी पहुंच पाएंगे। फिर क्या था, जय श्रीराम का उद्घोष हुआ। पुनः 4-4 के ग्रुप बनाए व 16-16 के 5 ग्रुप बनाए गए और उस संत के पीछे पैदल चल पड़े। 7-8 घंटा निरंतर चलने के बाद कुछ कारसेवकों की हिम्मत जैसे टूटने लगी थी। पैरों में छाले पड़ने लगे, परंतु श्रीराम के नाम की महिमा अपरम्पार थी। तभी एक ट्रेन की आवाज आई, यह मालगाड़ी थी। हम ड्राइवर की मर्जी के खिलाफ डिब्बों पर चढ़ गए। किन्तु ट्रेन ने हमें आगे जंगल में किसी अनजान जगह पर उतार दिया। इसके बाद अनेक दुश्वारियों का सामना करते हुए हम अयोध्या पहुंच पाए थे। यहां पहुंचकर मालूम पड़ा कि पिछले दिन 30 नवम्बर 1990 को एक लाख कारसेवकों ने श्रीराम जन्म स्थल की ओर कूच किया था। हजारों कारसेवक नाके तोड़कर परिसर में दाखिल हो गए। चंद कारसेवक गुंबद पर चढ़ गए व भगवा लहरा दिया। देखते ही देखते पैरा मिलिट्री ने उन्हें ढेर कर दिया। 30 नवम्बर की घटना के बाद एक दिसम्बर को पुनः दो लाख कारसेवक बड़ी छावनी में एकत्र हो गए, हम भी उनमें शामिल थे और दोबारा बाबरी ढांचा तोडने के लिए कूच करने का निर्णय हुआ। चार जत्थे 50-50 हजार कारसेवकों के बनाये गए। चारों तरफ से मार्च शुरू हुआ। अभी 500 मीटर दूर ही निकले थे कि मिलिट्री, पैरा मिलिट्री व पुलिस ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। रामभक्तों पर गोलियां बरसी, आंसू गैस, लाठियों का कोई अंत नहीं था। कितने बलिदान हुए, इसका हिसाब आज तक नहीं लगा। उन गोलियों की बौछारों में मैं बच गया और पुलिस ने सामान की तरह उठा कर मुझे ट्रक में फेंक दिया, जिस कारण आज मैं जीवित हूं। बाद में हम लोगों को जेल की बैरक में भेज दिया गया। कोई एफआईआर नहीं, कोई मुकदमा नहीं। बस मुलायम सिंह की तानाशाही थी। राम जन्म भूमि का आंदोलन शांत हो चला। लाखों लोग जो पूरे उत्तर प्रदेश की जेलों में थे, उन्हें छोड़ दिया गया। हम भी इंतजार करने लगे कि हमें कब छोड़ा जाएगा। सोलन के हमारे साथी कारसेवक सोलन पहुंच गए थे। हमारा पिट्ठू भी घर पहुंच गया था। परिवार-दोस्त-साथी सभी परेशान थे हमारी तलाश में। एक माह बीत गया, फैजाबाद जेल में अब तो दाढ़ी-मूंछ व सिर के बाल सब बेतरतीब हो चले थे। इसी बीच हमें जेल से रिहा कर दिया गया। घर पहुंचने के लिए कोई साधन नहीं था, कोई धन नहीं था। हमारी बाजू पर एक मुहर लगा दी गई और कहा गया कि जिस ट्रेन में आप जाएंगे, मात्र मुहर दिखाने से आपको जाने दिया जाएगा। उस मुहर को दिखाते हुए मैं अंबाला रेलवे स्टेशन पर पहुंच गया। बाद में सोलन पहुंच कर महीनों तक अयोध्या का वह भयावह दृश्य, कारसेवकों के शव, घायल रामभक्त आंखों के आगे घूमते रहे। आज भी सारा दृश्य आंखों के सामने आते ही आत्मा सिहर उठती है। 22 जनवरी, 2024 का शुभ दिन कारसेवकों के बलिदान के परिणाम स्वरूप आया है।

# मोदी भारत के सांस्कृतिक इतिहास के महानायक

ANALYSIS

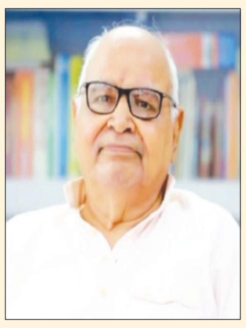

✍ हृदयनारायण दीक्षित

**विश्व इतिहास में उनके जैसा लोकप्रिय कोई राजप्रमुख नहीं दिखाई पड़ता। दुनिया के किसी भी राजप्रमुख के नाम की ऐसी चर्चा कभी नहीं हुई जैसी मोदी की हो रही है। अयोध्या में दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर सारी दुनिया के हिन्दुओं का सपना रहा है। मोदी इस सपने से अयोध्या आन्दोलन के समय से जुड़े हुए हैं। उनके राजनैतिक विरोधी भी हतप्रभ हैं। मोदी भारत के सांस्कृतिक इतिहास के महानायक हैं। नया इतिहास बन रहा है। अयोध्या ने इतिहास के अनेक प्रिय व अप्रिय प्रसंगों को देखा है। सरयू भूमि इसकी साक्षी है। अयोध्या ने वैदिक काल से लेकर अब तक इतिहास बनते देखा है। अयोध्या सभी घटनाओं की दृष्टा है और दृष्टि भी है। यही अयोध्या विश्व आकर्षण हैं। वह तथ्य हैं और कथ्य भी हैं। राम लम्बे समय तक चित्रकूट में रहे। चित्रकूट भी प्रत्यक्ष है और दण्डकारण्य भी। सरयू, मन्दाकिनी और गंगा ने श्रीराम को निकट से देखा है। अयोध्या का नया इतिहास नृत्य मगन है। सब तरफ अयोध्या ही अयोध्या की चर्चा है।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अयोध्या सारी दुनिया में चर्चा का विषय हैं। मोदी जी विश्व राजनीति के सम्मानित चेहरे हैं। वे भारत के लोगों के मन के महानायक हैं। प्रधानमंत्री आध्यात्मिक अनुष्ठान पर हैं। सारा देश उनकी ओर टकटकी लगाए देख रहा है। उधर अयोध्या में दिक्काल का अतिक्रमण हो रहा है। मोदी जी चमत्कृत करते हैं। विश्व इतिहास में उनके जैसा लोकप्रिय कोई राजप्रमुख नहीं दिखाई पड़ता। दुनिया के किसी भी राजप्रमुख के नाम की ऐसी चर्चा कभी नहीं हुई जैसी मोदी की हो रही है। अयोध्या में दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर सारी दुनिया के हिन्दुओं का सपना रहा है। मोदी इस सपने से अयोध्या आन्दोलन के समय से जुड़े हुए हैं। उनके राजनैतिक विरोधी भी हतप्रभ हैं। मोदी भारत के सांस्कृतिक इतिहास के महानायक हैं। नया इतिहास बन रहा है। अयोध्या ने इतिहास के अनेक प्रिय व अप्रिय प्रसंगों को देखा है। सरयू भूमि इसकी साक्षी है। अयोध्या ने वैदिक काल से लेकर अब तक इतिहास बनते देखा है। अयोध्या सभी घटनाओं की दृष्टा है और दृष्टि भी है। यही अयोध्या विश्व आकर्षण हैं। वह तथ्य हैं और कथ्य भी हैं। राम लम्बे समय तक चित्रकूट में रहे। चित्रकूट भी प्रत्यक्ष है और दण्डकारण्य भी। सरयू, मन्दाकिनी और गंगा ने श्रीराम को निकट से देखा है। अयोध्या का नया इतिहास नृत्य मगन है। सब तरफ अयोध्या ही अयोध्या की चर्चा है। जो अयोध्या से बहुत दूर दक्षिण या उत्तर में बैठे हैं उनके अंतर्मन में भी अयोध्या है। अयोध्या सामने है। यही दाएं है। यही बाएं है। अयोध्या सम्प्रति मनमोहनी हो गई है। भारत के अंतस का छंदस बन गई है। वे वैदिक मंत्रों की ऋचा

जैसी हैं। ऋचाएं परम व्योम से धरती पर उतरती हैं। ऋग्वेद के ऋषि ने बताया है कि ऋचाएं परम व्योम में रहती हैं और धरती पर जाग्रत बोध वाले मनुष्यों के हृदय में उतरती हैं। अयोध्या भारत के मन का नया उत्सव और उल्लास बन गई हैं। अयोध्या दिव्य हैं। भव्य हैं। महाकवि तुलसीदास ने 500 वर्ष पहले अयोध्या के गीत गाए थे, "अवधपुरी अति रुचिर बनाई। देवन्ह सुमन वृष्टि झरि लाई।" अयोध्या को निकट से देखने के लिए आकाश और नक्षत्र भी धरती पर उतर आए हैं। आकाश का शब्द गुण अयोध्या में उतर आया है। तुलसीदास श्रीराम के राज्यारोहण की चर्चा करते हैं, "राम राज्य बैठे त्रैलोका। हर्षित भए मिटे सब शोका।" तुलसी कहते हैं, "नभ दुंदुभीं बाजहिं बिपुल गंधर्ब किंनर गावहीं। नाचहिं अपछरा बृंद परमानंद सुर मुनि पावहीं।" सम्प्रति अयोध्या सबको खींच रही है। काव्य, गीत संगीत बन गई है अयोध्या। अयोध्या हजारों वर्ष प्राचीन वैदिककाल में भी प्रतिष्ठित नगरी रही है। ऋग्वेद में वैदिक काल के राजा इक्ष्वाकु का उल्लेख है। उन्होंने अयोध्या में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की। पौराणिक अनुश्रुति के अनुसार इनकी 19वीं पीढ़ी के बाद मानधाता राजा हुए। उन्होंने अनेक राज्य जीते। मानधाता के बाद उनके पुत्र पुरुकुत्स अयोध्या के राजा हुआ। उसके 2 पीढ़ी बाद त्रसदस्यु राजा हुए। पुरुकुत्स के 11 पीढ़ी बाद राजा हरिश्चन्द्र अयोध्या के राजा बने। इक्ष्वाकु वंश की 31वीं पीढ़ी में राजा सगर और 45वीं में भगीरथ। फिर अम्बरीश। 60वीं पीढ़ी में दिलीप। दिलीप का पौत्र रघु। कालिदास ने रघुवंश में इनकी चर्चा की। फिर रघु के पुत्र अज। अज के पुत्र दशरथ। श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की 65वीं पीढ़ी में हुए थे। श्रीराम विश्व प्रतिष्ठ महानायक हुए। यूनान के कवि होमर प्रतिष्ठित कवि गिने जाते हैं। उनकी रचनाएं खूब पढ़ी जाती हैं। वे अपने समय की सभ्यता और संस्कृति के प्रतिनिधि कहे जाते हैं। उन्होंने इलियड और ओडिसी नाम के दो महाकाव्यों की रचना की थी। उनका कार्यकाल ईसा से 1000 वर्ष पूर्व था। यूनानी इतिहास का एक कालखण्ड होमर युग कहा जाता है। जैसे रामायण में श्रीराम के पात्र से हिन्दू प्रेरणा लेते हैं वैसे ही ओडिसी के वीर एकलिस की गाथा से यूनानी प्रसन्न होते हैं। लेकिन श्रीराम "अखिल लोकदायक विश्रामा" हुए। वे इतिहास के अंक में नहीं समाए। इतिहास का पात्र छोटा पड़ गया और श्रीराम विराट पुरुष। अयोध्या और श्रीराम इतिहास के साथ संस्कृति और दर्शन के भी प्रतीक हैं। भारत के प्राचीन इतिहास में अनेक प्रतिष्ठित राजा हुए हैं। लेकिन राजा रामचन्द्र की बात ही दूसरी है। वे भारत की मर्यादा हैं। उनका राज्य विश्व इतिहास में उल्लेखनीय है। दुनिया में अनेक राज्य व्यवस्थाओं के मॉडल हैं। लेकिन रामराज्य की बात ही दूसरी है। तुलसी वाल्मीकि के सृजन में रामराज्य शोकरहित है। आकाश में आए मेघ उतना ही पानी बरसाते हैं जितना आवश्यक होता है-मांगे वारिधि देहिं जल रामचन्द्र के राज। रामराज्य में परस्पर शत्रुता नहीं है। समाज में विषमता भी नहीं है। तुलसीदास लिखते हैं, "बयरु न कर काहू संग कोई। राम प्रताप विषमता खोई।" रामराज्य में सब प्रसन्न हैं। सब सुखी हैं। गांधी जी रामराज्य पर मोहित थे। कुछ विद्वान राम को कल्पना बताते रहे हैं। अब वे निराश और हताश हैं। राम इतिहास, शास्त्र, पुराण और लोकश्रुति अनुश्रुति के भी महानायक हैं। इंडोनेशिया, बाली, जावा, लाओस, कम्बोडिया, इंग्लैंड और अमेरिका तक रामकथा की धूम रहती है। मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा है, "दण्डक वन और रामायण में राम के साथ लक्ष्मण और सीता का समय इसी वन में बीता है। दण्डक वन की ऐतिहासिक वास्तविकता सही है।" श्रीराम इसी ऐतिहासिक क्षेत्र के इतिहास पुरुष हैं। डॉ. शर्मा ने लिखा है, "यूरोप या एशिया में किसी महाकाव्य का नायक ऐसा लोकप्रिय नहीं हुआ जैसा रामायण के राम हैं। उनके व्यक्तित्व में कुछ ऐसी विशेषता है, जो केवल भारतीय जनता को नहीं वरन मानव मात्र की भावनाएं व्यक्त करती है। परिवार में वह नई तरह के सम्बंध कायम करते दिखाई पड़ते हैं। सुख दुख में समान रूप से भागीदार। महाभारत की तरह रामायण इतिहास भी है। इसके नायक भी इतिहास के पात्र हैं।" डॉ. शर्मा ने मार्क्सवादी होकर भी श्रीराम को इतिहास का पात्र बताया है। वामपंथी विद्वान श्रीराम को ऐतिहासिक पात्र नहीं मानते। उनका ज्ञान और इतिहासबोध दयनीय है। श्रीराम के प्रति लोकजीवन की श्रद्धा है और आस्था भी। आस्था की भावना शून्य से नहीं पैदा होती। आस्था का विकास किसी राजाज्ञा से नहीं होता। यह साल-सौ पचास साल में नहीं बनती। आस्था लोक और इतिहास से सामग्री लेती है। जीवन मूल्यों से संगति बैठाती है। वैज्ञानिक विवेक पर कसती है। संस्कृति, दर्शन और लोकमंगल के तत्वों से जांचती है। यूरोपीय इतिहास में राजाओं की विवरणी होती है। भारतीय इतिहास दृष्टि इससे भिन्न है। यहाँ लोकमंगल वरेण्य है। इतिहास की भारतीय दृष्टि में-राम इतिहास ही हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम होने के कारण आस्था का विषय भी हैं। सम्प्रति एक नई तरह का नवजागरण हो रहा है। राष्ट्रीय स्वाभिमान सातवें आसमान पर है। 22 जनवरी की अधीर प्रतीक्षा है। पूरब के क्षितिज अरुण तरुण हो रहे हैं। ग्रह नक्षत्र सुमंगल योग बना रहे हैं। दिव्य शक्तियां अयोध्या के आकाश पर नृत्य कर रही हैं। दर्शन की प्यास बढ़ रही है। तुलसीदास ने बताया है कि राम राज्यारोहण के अवसर पर चारों वेद मनुष्य रूप में आए थे। 22 जनवरी के महोत्सव के लिए वेद और उपनिषद भी आ गए होंगे। वाल्मीकि, विश्वामित्र व वशिष्ठ तो आएंगे ही। भारत का लोक ऐसे सभी आगंतुकों के स्वागत की प्रतीक्षा में है। ऐसे सभी पूर्वजों अग्रजों को प्रणाम। हम सब ऋग्वेद का मंत्र, "इदं नमः पूर्वेभ्यः पूर्वजेभ्यः ऋषिभ्यः-पूर्वजों को नमस्कार, ऋषियों को नमस्कार, मार्गदृष्टाओं को नमस्कार।" दोहराते हैं।

**लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।**

# मोदी युग में राम-रीति से भारत का नवनिर्माण

बचपन से ही घर के बड़े-बुजुर्गों से प्रभु श्री राम की कीर्ति, शौर्य और प्रभुता की बातें सुनता रहता था। युवा अवस्था के प्रारंभ में बताया गया कि आक्रांताओं ने अयोध्या में आक्रमण करके भगवान श्रीराम जन्मभूमि स्थान पर बने मंदिर को बर्बरतापूर्वक तोड़कर मस्जिद का विवादित ढांचा बनाया गया था। यह बात सुनने के बाद से ही मन उद्वलित रहने लगा कि हमारे आराध्य और रोम-रोम में बसने वाले भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर हुआ आक्रमण सनातन और हमारी आस्था पर आक्रमण था। इसके बाद से ही राष्ट्रीयता की विचारधारा से प्रेरित होकर कॉलेज में पहुंचते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अध्ययन के साथ ही श्रीराम जन्मभूमि का मुद्दा पूरी तरह से समझा। उसके उपरांत वर्ष 1992 में एबीवीपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने कानपुर पहुंचा तो मुझे भी कारसेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। वर्ष 1992 में ही 6 दिसंबर को कार सेवकों द्वारा श्रीराम जन्मस्थान पर बने विवादित ढांचे को गिरा दिया गया। उन दिनों राम मंदिर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे नेताओं को यह सलाह दी जाती थी कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है जहां ऐसे सांप्रदायिक व अनावश्यक मुद्दों का कोई स्थान नहीं है। स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी के अतिरिक्त देश के सभी राजनीतिक दलों के लिए राम मंदिर आंदोलन एक सांप्रदायिक मुद्दे से अधिक और कुछ न था। युवा अवस्था में यह विचार मेरे मन मस्तिष्क में कौंधता रहता था कि जब भारत, भगवान श्रीराम की भूमि है तो यहां भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर आक्रांताओं द्वारा मंदिर तोड़कर बनाए गए विवादित ढांचे के स्थान पर रामलला के लिए भव्य मंदिर निर्माण की परिकल्पना सांप्रदायिक कैसे हो सकती है? तत्समय एक बड़ा प्रभावशाली एवं विशिष्ट वर्ग भी सेकुलरिज्म की चादर में लिपटे हुए इन्हीं कुतर्कों को धार देता रहता था। ऐसी स्थिति में कभी-कभी लगता था कि अयोध्या में भव्य श्रीरामलला मंदिर का निर्माण एक दिवास्वप्न ही है, परंतु यह भारत का सौभाग्य है कि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसा एक ऐसा राष्ट्र निष्ठ संगठन है, जिसने श्रीरामलला के मंदिर निर्माण की आस कभी नहीं त्यागी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक पूरे देश में यह भरोसा जगाये रखा कि एक दिन राम मंदिर अवश्य बनेगा। राम जन्मभूमि का चरणबद्ध आंदोलन और विश्वास बनाए रखने के लिए रचे गए नारे इस प्रतिबद्धता के साक्षी रहे हैं। संघ ने देश की चेतना को जागृत रखते हुए श्रीराम मंदिर निर्माण के संकल्प को हर नागरिक का संकल्प बना दिया। संघ से प्रेरणा लेने वाले अनेक संगठनों ने उस चेतना को प्रखर बनाये रखने में अपना गिलहरी रूपी योगदान देने के लिए कृतसंकल्पित रहे। जनसंघ के समय से ही श्रीराम मंदिर का निर्माण अतिमहत्वपूर्ण मुद्दा था और भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस से ही यह प्राथमिकता के शिखर पर पहुंच गया। फलस्वरूप आज अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका है और भगवान श्रीराम अब सनातनियों द्वारा निर्मित भव्य -दिव्य मंदिर में विराजने वाले हैं। वास्तव में किसी देश की चेतना ही उसके भविष्य मार्ग को सुनिश्चित करती है। विशेषकर भारत के संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि उसकी अस्मिता पर जब-जब हमले हुए तो उसने अपनी चेतना को जीवंत रखा।

कवि इकबाल ने कहा था कि-

*यूनान ओ मिस्र ओ रूमा*
*सब मिट गए जहां से*
*अब तक मगर है बाकी*
*नाम-ओ-निशां हमारा*
*कुछ बात है कि हस्ती*
*मिटती नहीं हमारी*
*सदियों रहा है दुश्मन दौरे*
*जहां हमारा।*

हजार साल तक बर्बर हमलों के बावजूद हमारे पुरखों ने देश की चेतना को जागृत रखा। हम बाह्य युद्ध हार गये, लेकिन मन का युद्ध जीतते रहे। दुर्भाग्य से 1947 के बाद स्वतंत्र भारत में ऐसी राजनीतिक धारा केंद्र में रही, जिसने देश के मन को हराने के कुत्सित प्रयास किए। उसने आम हिन्दू जनमानस को सदा इसके लिए तैयार किया कि वह अपने मूल्यों को छोड़ दे। अटल सरकार और विशेषकर 2014 में राजनीतिक धारा का केंद्र बदला तभी हमारे भविष्य की राह उज्ज्वल हुई। विश्व में भारत अपनी प्राचीन सनातन पहचान के साथ नये सिरे से उभरने लगा और एक नया भारत आकार लेने लगा। 2014 से पहले अयोध्या में श्रीराम मंदिर की वकालत करते हुए हम सब यह कल्पना भी नहीं कर पाते थे कि इसके बनने के समय भारत की स्थिति क्या होगी? यह मुद्दा हिन्दू अस्मिता के प्रश्न से जुड़ा था, लेकिन अब मंदिर निर्मित होते-होते यह स्पष्ट हो गया है कि यह केवल अस्मिता का विषय ही नहीं, यह भारत के भविष्य और भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का विषय था। आज यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अयोध्या में सिर्फ राम मंदिर नहीं बन रहा है, इसके साथ-साथ एक नया भारत भी बन रहा है जो विश्व का नेतृत्व करने के लिए संकल्पित है। यह नया भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बहुलता, विविधता और समावेशिकता का सम्मान करने वाला एकमात्र देश है। यह भारत अपनी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को आधुनिक कलेवर में भी पोषित और संर्वधित करने की क्षमता रखता है। यह भारत अपनी धरोहर को वापस पाने के लिए सदियों तक प्रतीक्षा कर सकता है और अहिंसा के रास्ते पर चलकर उसे प्राप्त भी कर सकता है। यह नया भारत युद्ध एवं परमाणु बम के उपयोग के बिना ही अपनी विधि-व्यवस्था के माध्यम से सबसे पुरानी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता रखता है। उसे कोई बाहरी दखल बर्दाश्त नहीं है। यह नया भारत स्वदेशी चंद्रयान का सफल परीक्षण कर सकता है तो यह अपने आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का पुनः निर्माण कर सदियों की बर्बर गुलामी के चिह्न को भी मिटा सकता है।

## Social Media Corner

**सच के हक में...**

रामलला के आगमन को लेकर हर तरफ उनके भक्तों के जोश भरे उद्गार देखने को मिल रहे हैं। इस अवसर से जुड़ा यह गीत इसी भावना को अभिव्यक्त करता है।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

मणिपुर में हमारी बहनों और भाइयों को राज्यत्व दिवस की शुभकामनाएं। पिछले कुछ वर्षों में मणिपुर ने खेल और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान देकर प्रसिद्धि अर्जित की है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

**(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों में शांति और स्थिरता के एक नए युग की शुरूवात हुई है। हमारे लिए, पूर्वोत्तर भारत का केवल एक दूरस्थ या अल्पज्ञ क्षेत्र भर नहीं है, बल्कि यह वास्तव में,हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक और भौगोलिक विविधता की आधारशिला और प्रारंभिक बिंदु है। भाजपा पूर्वोत्तर के लोगों पर सभी प्रकार की हिंसा को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम इन राज्यों के अद्वितीय योगदान को जानते और पहचानते हैं तथा इसका स्वागत करते हैं। हम पूर्वोत्तर राज्यों के निरंतर विकास और भारत की प्रगति के व्यापक आख्यान में एकीकरण के लिए समर्पित हैं।

**(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)**

# वायु प्रदूषण से बढ़ती मौतें चिंताजनक

समूची दुनिया प्रदूषण की चपेट में है। दुनिया के 15 शहरों और दक्षिण एशिया के 18 शहरों में वायु प्रदूषण की भयावह स्थिति ने सबको हैरत में डाल दिया है। दुनियाभर में खराब वायु गुणवत्ता के कारण हर वर्ष लगभग 60 लाख से अधिक लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। वायु प्रदूषण से अस्थमा, कैंसर, हृदय रोग व फेफड़े से संबंधित कई जानलेवा बीमारियां पैदा होती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के वैज्ञानिकों के शोध में खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है। दक्षिण एशियाई देशों के विकसित शहरों में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का आंकड़ा डेढ़ लाख पार कर गया है। वैज्ञानिकों ने आशंका व्यक्त की है कि एशिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के 18 शहरों में रहने वाले लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते समय पूर्व हो सकती है। शोधार्थियों ने नासा से जुटाये आंकड़ों के आधार पर प्रदूषण से होने वाली मौतों के लिए नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, अमोनिया, कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के अतिरिक्त पीएम 2.5 को भी जिम्मेदार बताया है। वैज्ञानिकों की मानें, तो भारत में दिल्ली सहित मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता आदि शहरों में पीएम 2.5 की मात्रा अत्यधिक गंभीर स्थिति में है। आने वाले छह दशकों में यदि वायु प्रदूषण की यही स्थिति बरकरार रही, तो लगभग 10 करोड़ से अधिक लोग समय पूर्व अपनी जान गंवा देंगे। गौरतलब है कि पीएम 2.5 के संपर्क में लंबे समय तक रहने से अकेले 2005 में दक्षिण एशियाई शहरों में डेढ़ लाख और दक्षिण-पूर्व एशियाई शहरों में लगभग 53 हजार मौतें हुई थीं। वायु प्रदूषण से भारत को हर वर्ष 114 खरब रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। यदि शीघ्र ही वायु गुणवत्ता सुधारने के समुचित प्रयास नहीं किये गये, तो मानव जीवन संकट में पड़ जायेगा। बीते वर्ष स्विट्जरलैंड की संस्था आईक्यू एयर की वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट में भारत को 2022 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश बताया गया था। तब दुनिया के सबसे प्रदूषित 50 शहरों में से 39 भारत के थे। अंतरराष्ट्रीय मानकों या दिशा-निदेर्शों के हिसाब से हमारे शहरों में सीमा से कहीं अधिक प्रदूषण है। अब तो गांव भी इससे अछूते नहीं रहे हैं। वहां भी वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए। अक्सर प्रदूषण कम करने की बाबत शहरों में ही प्रयास किये जाते हैं। जो योजनाएं बनती हैं, वे भी शहर केंद्रित ही होती हैं। जबकि उनका गांवों तक विस्तार होना चाहिए। होना तो यह चाहिए कि वह चाहे राज्य हों, महानगर हों, नगर हों, कस्बा हों या गांव, उन्हें अपनी स्थिति के हिसाब से यह तय करना चाहिए कि उसे कब तक कितना प्रदूषण कम करना है, ताकि लोग चैन की सांस ले सकें। वायु प्रदूषण के खतरों से बच्चा, बूढ़ा, जवान, कोई भी नहीं बच पाया है। यह प्रदूषण बच्चों के मस्तिष्क के विकास के लिए खतरा बनने के साथ ही उनमें तेजी से बढ़ रहे अस्थमा का भी कारण बन रहा है। यदि वायु की गुणवत्ता में शीघ्र सुधार नहीं हुआ, तो बच्चों में अस्थमा खतरनाक रूप ले लेगा। सिएटल यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के डॉ मैथ्यू ऑल्टमैन की शोध से खुलासा हुआ है कि वायु प्रदूषण की वजह से बच्चों की सांस नली सूज रही है। उसके चारों ओर की मांसपेशियां सिकुड़ रही हैं। उनमें जल्दी कफ भर जाता है और सांस नली में पर्याप्त मात्रा में हवा नहीं जा पाती है। शोध में पाया गया है कि हवा में मौजूद धुएं और धूल के बारीक कण बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर उन बच्चों पर हो रहा है जो कम विकसित शहरी इलाकों या पिछड़े इलाकों में रहते हैं। इस्ट एंजीलिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, जॉन स्पेंसर द्वारा अक्तूबर 2017 से जून 2019 के बीच किये गये 215 बच्चों के विजन, स्मृति, विजुअल प्रक्रिया के विश्लेषण से खुलासा हुआ है कि बच्चे में संज्ञानात्मक समस्या का संबंध खराब वायु गुणवत्ता से है।

# नफरत के खिलाफ

सुप्रीम कोर्ट ने नफरती भाषण पर सख्ती की अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है, लेकिन इसी के साथ ही इसे रोकने के लिए अग्रिम सक्रियता की अपनी सीमा भी बता दी है। मामला तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह का है, जो अपने नफरती भाषणों के लिए काफी चर्चा में रहे हैं। इस महीने के पहले हफ्ते में उन्होंने महाराष्ट्र के शोलापुर में एक भाषण दिया था, जिसे कई तरह से नफरती भाषण की श्रेणी में रखा जा सकता है। वहां बाद में उनके खिलाफ एक एफआईआर भी दर्ज हुई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब जब वह महाराष्ट्र के यवतमाल और छत्तीसगढ़ के रायपुर में हिंदू जनजागृति समिति के साथ मिलकर रैली करने जा रहे हैं, तो सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करके यह मांग की गई कि इन दोनों रैलियों पर तत्काल रोक लगाई जाए, अन्यथा समाज में नफरत का विस्तार बढेगा। इस याचिका के साथ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ को राजा सिंह के पुराने भाषण के वीडियो भी दिखाए गए। इन वीडियो को देखने के बाद अदालत ने स्वीकार किया कि उनके भाषणों को सचमुच ह्यहेट स्पीचह्न की श्रेणी में रखा जा सकता है। उनकी अगली रैलियों में यह दोहराया न जाए, इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय ने स्थानीय अधिकारियों और पुलिस को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह के नफरती भाषण को रोकें। अदालत ने उनको यह भी निर्देश दिया है कि रैली के स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिससे किसी भी तरह के नफरती भाषण या हिंसा के लिए उकसाने की कोशिश को रिकॉर्ड किया जा सके। मगर नफरती भाषण की आशंका से किसी रैली को रोकने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। अदालत का कहना है कि हम पहले से ही यह मानकर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते कि रैली में नफरत फैलाने की कोशिश होगी ही।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# कंपनियों के तिमाही परिणामों, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा: विश्लेषक

**- जीडीपी के आंकड़े, बीओजे और ईसीबी के ब्याज दर पर निर्णय भी बाजार को प्रभावित करेंगे**

**मुंबई ।**
इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा कंपनियों के तिमाही परिणामों, वैश्विक रुझान और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की गतिविधियां से तय होगी। विश्लेषकों का यह कहना है। इस सप्ताह कम कारोबार सत्रों का रहेगा। 22 जनवरी को शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। महाराष्ट्र सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कारण छुट्टी की घोषणा की है। इसके अलावा शुक्रवार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि सप्ताह के दौरान अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े, बैंक ऑफ जापान (बीओजे) और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर पर निर्णय से बाजार की दिशा तय होगी। सप्ताह के दौरान एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, बजाज ऑटो, डीएलएफ, एसीसी और जेएसडब्ल्यू स्टील अपने तीसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। यह कम कारोबारी सत्रों वाला सप्ताह है। कई कंपनियों के तिमाही नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखनी को मिलेंगी। इसके अलावा बीओजे और ईसीबी के ब्याज दर पर निर्णय और अमेरिका के जीडीपी आंकड़े बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,144.8 अंक नीचे आया। एनएसई और बीएसई ने 20 जनवरी यानी शनिवार को सामान्य कारोबारी सत्र आयोजित किए। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को लेकर उम्मीदें और क्षेत्र विशेष गतिविधियां बाजार को दिशा देंगी। वैश्विक स्तर पर सभी की नजर जापान की मौद्रिक नीति और अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। इसके अलावा निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी नजर रखेंगे। पिछले सप्ताह बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव देखा गया। इससे सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। बैंक निफ्टी का प्रदर्शन काफी खराब रहा। उन्होंने कहा कि एचडीएफसी बैंक के नतीजों के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की आक्रामक बिकवाली से बाजार पर दबाव और बढ़ गया है।

# होम लोन के ब्याज पर बढ़ाई जा सकती है छूट सीमा

**नई दिल्ली ।**
रियल एस्टेट नियामक क्रेडाई ने आवासीय संपत्तियों की मांग बढ़ाने के लिए बजट से पहले सरकार से आवास ऋण पर मूल राशि के साथ-साथ ब्याज भुगतान पर कर छूट सीमा बढ़ाने का आग्रह किया है। कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (क्रेडाई) ने किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव करने की भी मांग की है। क्रेडाई ने होम लोन के मूलधन के पुनर्भुगतान के लिए धारा 80सी के तहत कटौती की मौजूदा सीमा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाने की मांग की है। वैकल्पिक रूप से यह सुझाव दिया गया कि आवास ऋण के मूल पुनर्भुगतान के लिए कटौती को एक अलग या एकल छूट के लिए माना जाना चाहिए। इसके अलावा क्रेडाई ने कहा कि किफायती आवास की परिभाषा 2017 में दी गई थी और तब से अभी तक नहीं बदली है। इसके अनुसार किफायती आवास अधिकतम 45 लाख रुपये का होता है।

क्रेडाई का कहना है कि केवल मुद्रास्फीति के कारण पिछले सात साल में रियल एस्टेट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नेशनल हाउसिंग बैंक के आंकड़ों के अनुसार भारत में जून 2018 से आवास दरों में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे डेवलपर्स के लिए 45 लाख रुपये की मौजूदा सीमा का पालन करना बेहद असंभव हो गया है। बता दें कि 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम बजट पेश करेंगी। आम चुनाव के बाद जुलाई में पूर्ण बजट पेश होगा।

# स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा को जल्द मिल सकती है मंजूरी

## लाइसेंस पाने वाली भारत में वह तीसरी कंपनी होगी

**नई दिल्ली ।**
एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को अगले हफ्ते तक भारत में अपनी स्पेस-बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विसेज को लांच करने की मंजूरी मिल सकती है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टारलिंक ने अपने शेयरहोल्डिंग पैटर्न के बारे में भारत सरकार के डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) को स्पष्टीकरण भेज दिया है। अब उम्मीद की जा रही है कि दूरसंचार विभाग बुधवार तक स्टारलिंक को लेटर ऑफ इंटेंट जारी कर सकता है। इस घटनाक्रम पर अभी तक स्टारलिंक की तरफ से कुछ भी नहीं कहा गया है। अगर केंद्र सरकार एलन मस्क की स्टारलिंक को स्पेस बेस्ड ब्रॉडबैंड सर्विस उपलब्ध कराने को लाइसेंस जारी करती है, तो यह लाइसेंस पाने वाली भारत में वह तीसरी कंपनी होगी। जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस और वनवेब को सरकार से यह लाइसेंस पहले ही मिल चुका है। नवंबर 2022 में स्टारलिंक ने भारत में सैटेलाइट सर्विसेज शुरू करने को लाइसेंस लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। सूत्रों के हवाले से बताया है कि दूरसंचार मंत्रालय अगले हफ्ते तक दूरसंचार सेक्रेटरी नीरज मित्तल और संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से अप्रूवल के लिए एक लेटर तैयार कर रहा है। इस अप्रूवल के तुरंत बाद सैटेलाइट कम्युनिकेशंस विंग भी एलन मस्क के नेतृत्व वाली कंपनी स्टारलिंक को मंजूरी दे देगी। स्टारलिंक ने भारत में सर्विस लाइसेंस मिलने से पहले ही सर्विसेज के लिए एडवांस पैसे ले लिए थे। 2021 के आखिरी में दूरसंचार मंत्रालय ने स्टारलिंक को फटकार लगाते हुए लोगों से लिए गए पैसे वापस करने को कहा कि कंपनी को भारत में 5,000 सब्सक्राइबर्स को पैसे वापस करने पड़े जिन्होंने भारत में स्टारलिंक सर्विसेज के लिए प्री-ऑर्डर किया था। लाइसेंस के लिए सरकार के अप्रूवल के अलावा स्टारलिंक को स्पेस रेगुलेटर-इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर से भी मंजूरी लेनी होगी।

# टाटा-उबर ने बनाई परिचालन के विस्तार की योजना

**-सिस्ट्रा समूह कर रहा डिजिटल केंद्र स्थापित करने पर विचार**

**हैदराबाद ।**
तेलंगाना राज्य में टाटा समूह और उबर कंपनी ने अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बनाई है। इसके साथ ही सिस्ट्रा समूह एक डिजिटल केंद्र स्थापित करने पर विचार कर रहा है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के मौके पर तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल की इन कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठकों में यह फैसला हुआ। मुख्यमंत्री ने टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन से मुलाकात की। उन्होंने तेलंगाना के लिए टाटा समूह की मौजूदा और भविष्य की व्यावसायिक योजनाओं पर चर्चा की। टाटा संस समूह की पहले से ही तेलंगाना में एक बड़ी और विविध व्यावसायिक उपस्थिति है। टाटा समूह की तकनीकी परामर्श शाखा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज हैदराबाद में 80,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जो उन्हें राज्य के सबसे बड़े आईटी नियोक्ताओं में से एक बनाती है। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने बोइंग, सिकोरस्की, जीई, लॉकहीड मार्टिन जैसी अग्रणी वैश्विक रक्षा और एयरोस्पेस कंपनियों में कई संयुक्त उद्यमों को सफलतापूर्वक स्थापित किया है और इस रणनीतिक क्षेत्र में और विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) उद्योग 4.0 ट्रेडों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक पाठ्यक्रम प्रदान करने और कौशल अंतर को पाटने के लिए सरकारी आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों) को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों के रूप में उन्नत और परिवर्तित करने के लिए राज्य सरकार के साथ भी साझेदारी कर रही है। टीटीएल 50 सरकारी आईटीआई में उन्नत कौशल केंद्र स्थापित करने और नए पाठ्यक्रमों को संचालित करने के साथ मास्टर प्रशिक्षकों को तैनात करने के लिए लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। ग्लोबल मोबिलिटी और एसएएएस कंपनी उबर ने भी हैदराबाद में अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा की। तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने उबर की लीडरशिप टीम के साथ बैठक की।

हैदराबाद को अमेरिका के बाहर अपने सबसे बड़े तकनीकी और इंजीनियरिंग केंद्र के रूप में मान्यता देते हुए उबर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में विस्तार करके अपनी जड़ों को और गहरा करने के लिए तैयार है।

# एफपीआई ने जनवरी में अब तक शेयर बाजारों से 13,000 करोड़ निकाले

**- दिसंबर में 66,134 करोड़ और नवंबर में 9,000 करोड़ रुपए निवेश किया था**

**नई दिल्ली ।**
विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने के पहले तीन सप्ताह में अब तक सतर्क रुख अपनाते हुए भारतीय शेयर बाजारों से 13,000 करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं। भारतीय शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और अमेरिका में बांड पर प्रतिफल बढ़ने की वजह से एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस रुख के विपरीत विदेशी निवेशक ऋण या बांड बाजार को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने समीक्षाधीन अवधि में बांड बाजार में 15,647 करोड़ रुपये डाले हैं। आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने 19 जनवरी तक में भारतीय शेयरों से 13,047 करोड़ रुपये की निकासी की है। उन्होंने 17-19 जनवरी के दौरान 24,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने शेयरों में 66,134 करोड़ रुपये और नवंबर में 9,000 करोड़ रुपये डाले थे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि एफपीआई की बिकवाली के दो कारण हैं। एक अमेरिका में बांड प्रतिफल बढ़ रहा है। 10 साल के बांड पर प्रतिफल 3.9 प्रतिशत के हालिया स्तर से बढ़कर 4.15 प्रतिशत हो गया है, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी हो रही है। उन्होंने कहा कि दूसरी वजह भारत में शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन है। एफपीआई एचडीएफसी बैंक के उम्मीद से कमजोर नतीजों का हवाला देकर बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफपीआई की बड़े पैमाने पर बिकवाली की वजह एचडीएफसी बैंक के निराशाजनक तिमाही नतीजे हैं। एफपीआई ने नए साल की शुरुआत में सतर्क रुख अपनाते हुए ऊंचे मूल्यांकन की वजह से भारतीय शेयर बाजारों में मुनाफावसूली की है।

# डब्ल्यूईएफ की अगली वार्षिक बैठक 20-24 जनवरी 2025 में होगी

**दावोस ।**
विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की अगली वार्षिक बैठक 20-24 जनवरी 2025 को स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित होगी। इस साल की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक शुक्रवार को समाप्त हुई। इसमें 125 से अधिक देशों की सरकार, व्यापार और नागरिक समाज के लगभग 3,000 नेताओं ने भाग लिया। इनमें 350 राज्य और सरकार के प्रमुख तथा मंत्री शामिल थे। इस साल की बैठक का विषय भरोसे की बहाली था। इस दौरान नेताओं ने अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और जलवायु, संघर्ष तथा गलत सूचना जैसी विभिन्न चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर चर्चा की। वार्षिक बैठक 2024 के दौरान 450 से अधिक सत्र और कार्यशालाएं आयोजित हुईं यूक्रेन के लिए शांति योजना पर चर्चा के लिए 14 जनवरी को 80 से अधिक देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की एक बैठक हुई। डब्ल्यूईएफ बैठक में भारत के तीन केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ 100 से अधिक व्यापारिक नेताओं ने भी भाग लिया।

# अंतरिम बजट में कर मोर्चे पर मिल सकती है कुछ राहत: अर्थशास्त्री

**नई दिल्ली ।** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कुछ दिन बाद आम बजट पेश करेंगी। बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है।अर्थशास्त्रियों की राय इस पर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले अगले महीने पेश होने वाले अंतरिम बजट में मानक कटौती की राशि बढ़ाकर आयकरदाताओं को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ कर छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है, ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है। वित्त मंत्री सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। मानक कटौती की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिये जाने की उम्मीद है। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्यम वर्ग आयकर नहीं देता है। करदाताओं को राहत से जुड़े सवाल पर कुछ लोगों का कहना है कि इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है। यह आर्थिक कारकों के अलावा कई अन्य चीजों पर भी निर्भर करता है। हालांकि, इस तथ्य को देखते हुए कि यह आम चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश किया जा रहा है, करदाताओं के वोट को आकर्षित करने के लिए कुछ रियायतें दी जा सकती हैं।

# हुंडई मोटर इंडिया ने तालेगांव प्लांट के अधिग्रहण की घोषणा की

**मुंबई ।**
हुंडई मोटर इंडिया ने जनरल मोटर्स के तालेगांव प्लांट के अधिग्रहण की घोषणा की है। कंपनी ने बताया सरकारी अधिकारियों और हितधारकों से नियामक मंजूरी प्राप्त करने के बाद कुछ शर्तों को पूरा करने के बाद अधिग्रहण पूरा कर लिया है। हुंडई और महाराष्ट्र सरकार ने 18 जनवरी, 2024 को दावोस में समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, इसमें हुंडई ने महाराष्ट्र में 6,000 करोड़ का निवेश करने की प्रतिबद्धता जाहिर की। हुंडई मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ अन सू किम ने बताया कि भारत हुंडई के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है और हम भारतीय ग्राहकों को बेंचमार्क उत्पाद और टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अगले दशक में मांग बढ़ने की उम्मीद के साथ हमें भारत में निर्माण क्षमता बढ़ानी होगी। महाराष्ट्र का तालेगांव प्लांट उसकी 10 लाख वार्षिक उत्पादन क्षमता को हासिल करने में अहम साबित होगा। तालेगांव विनिर्माण संयंत्र एचएमआईएल की 1 मिलियन वार्षिक उत्पादन क्षमता मील का पत्थर हासिल करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा। तालेगांव प्लांट का अधिग्रहण भारत को दुनिया के लिए उन्नत स्मार्ट मोबिलिटी समाधान, मेक-इन-इंडिया का केंद्र बनाकर आत्मनिर्भर भारत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। हमारा विनिर्माण परिचालन वर्ष 2025 में महाराष्ट्र के तालेगांव में शुरू होने वाला है। तालेगांव प्लांट की वर्तमान में उत्पादन क्षमता 130,000 यूनिट प्रति वर्ष है, इस हुंडई मौजूदा बुनियादी ढांचे और विनिर्माण उपकरणों को अपग्रेड करके विस्तारित करने की योजना बना रही है।

# सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.67 लाख करोड़ घटा

**- सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ**

**मुंबई ।**
बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से पांच के बाजार मूल्यांकन में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,67,936.21 करोड़ की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और आईटीसी की बाजार हैसियत बढ़ गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 1,22,163.07 करोड़ रुपए घटकर 11,22,662.76 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक के शेयर में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई। बैंक का शेयर इस दौरान 12 प्रतिशत टूटा। बैंक के दिसंबर तिमाही के नतीजे बाजार उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे हैं, जिससे इसका शेयर नीचे आ गया। हालांकि शनिवार को एचडीएफसी बैंक का शेयर 0.54 प्रतिशत चढ़ गया। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 18,199.35 करोड़ रुपए गिरकर 18,35,665.82 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 17,845.15 करोड़ रुपए घटकर 5,80,184.57 करोड़ रुपए, टीसीएस का 7,720.6 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 14,12,613.37 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 2,008.04 करोड़ रुपए घटकर 5,63,589.24 करोड़ रुपए रह गई। इस रुख के विपरीत एलआईसी का मूल्यांकन 67,456.1 करोड़ रुपए चढ़कर 5,92,019.78 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 26,380.94 करोड़ रुपए बढ़कर 6,31,679.96 करोड़ रुपए, इन्फोसिस की बाजार हैसियत 15,170.75 करोड़ रुपए बढ़कर 6,84,305.90 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक की 3,163.72 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,07,373.79 करोड़ रुपए और आईटीसी का मूल्यांकन 2,058.48 करोड़ रुपए बढ़कर 5,84,170.38 करोड़ रुपए हो गया। सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, एलआईसी, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एसबीआई का स्थान रहा।

# इरेडा का मुनाफा दिसंबर तिमाही में 77 फीसदी बढ़ा

**नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की इरेडा का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में 77 प्रतिशत बढ़कर 355.54 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 200.75 करोड़ रुपये रहा था। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत आने वाली इरेडा एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। यह ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता, संरक्षण के नए और नवीकरणीय स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता देने, विकसित करने और विस्तार करने में लगी है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आमदनी बढ़कर 1,253.19 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 868.97 करोड़ रुपये थी।

# ईपीएफओ ने नवंबर 2023 में जोड़े 13.95 लाख सदस्य

**- 7.36 लाख लोग पहली बार बने मेंबर**

**नई दिल्ली ।**
रिटायरमेंट फंड का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने ताजा पेरोल आंकड़े जारी कर बताया कि उनसे नवंबर 2023 में 13.95 लाख सदस्य जोड़े। श्रम मंत्रालय ने कहा कि बीते वित्त वर्ष के मुकाबले चालू वित्त वर्ष में सदस्यों की कुल शुद्ध वृद्धि अधिक बनी हुई है। ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) के अनंतिम पेरोल आंकड़ों के मुताबिक निकाय ने नवंबर में 13.95 लाख सदस्य जोड़े। आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन महीने के दौरान लगभग 7.36 लाख नए सदस्य नामांकित हुए। इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग ही हिस्सेदारी 57.30 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि देश के संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश सदस्य युवा हैं। आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर चले गए लगभग 10.67 लाख सदस्य वापस आ गए। बयान के मुताबिक जोड़े गए 7.36 लाख नए सदस्यों में लगभग 1.94 लाख महिला सदस्य हैं, जो पहली बार ईपीएफओ में शामिल हुई हैं। समीक्षाधीन माह में कुल 2.80 लाख महिलाएं ईपीएफओ की योजनाओं में शामिल हुईं। सबसे अधिक सदस्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, हरियाणा और दिल्ली में शामिल हुए। महाराष्ट्र 21.60 प्रतिशत शुद्ध सदस्य वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा।

# अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेगी केंट आरओ सिस्टम्स

**- अगले तीन साल में 2,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य**

**नई दिल्ली ।**
वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली घरेलू कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में अमेरिकी बाजार में उतरने की योजना बना रही है। कंपनी ने अगले तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए वह अपने उपकरण पोर्टफोलियो को बढ़ा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने पिछले तीन साल में विस्तार पर 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक नई पंखा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 300 करोड़ रुपये का और निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जो पहले वॉटर प्यूरीफायर के लिए जानी जाती थी, अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और उपकरण खंड, विशेष रूप से छोटे रसोई उपकरणों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। अधिकारी ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में कंपनी के राजस्व में नई श्रेणियों का योगदान आधा हो जाएगा। अमेरिकी बाजार में अपने प्रवेश पर उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने ब्लैक एंड डेकर के साथ एक ब्रांड लाइसेंसिंग करार किया है। इसके तहत वह मेरीलैंड, अमेरिका की विनिर्माता के ब्रांड नाम पर आधारित अपने वॉटर प्यूरीफायर की श्रृंखला का निर्माण करेगी और उन्हें अमेरिकी बाजार में भेजेगी। हम अमेरिकी बाजार में जाएंगे। हमने ब्लैक एंड डेकर के साथ लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंट आरओ सिस्टम्स भारत में ब्लैक एंड डेकर ब्रांड के तहत अपने वॉटर प्यूरीफायर का निर्माण करेगी और अमेरिकी बाजार में भेजेगी। कंपनी अगले छह माह में अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेगी। कंपनी ने अगले तीन साल में अपने निर्यात को तीन गुना कर 200 करोड़ रुपये पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

# सरकार ने सेल और एनएमडीसी के तीन निदेशकों को निलंबित किया

**नई दिल्ली ।**
इस्पात मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल के दो बोर्ड स्तर के अधिकारियों और लौह अयस्क कंपनी एनएमडीसी के एक निदेशक को निलंबित कर दिया है। सेल ने शेयर बाजार को बताया कि उसने आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 26 अन्य अधिकारियों को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कंपनी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय ने 19 जनवरी, 2024 के अपने पत्रों के जरिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के आचरण, अनुशासन और अपील नियम, 1977 के नियम 20 के उप-नियम (1) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वीएस चक्रवर्ती, निदेशक (वाणिज्यिक) और ए केतुलसियानी, निदेशक (वित्त) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस्पात मंत्रालय के एक अन्य उपक्रम एनएमडीसी ने भी कहा कि उसके बोर्ड स्तर के अधिकारी वी सुरेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कंपनी ने कहा कि इस्पात मंत्रालय ने एनएमडीसी लिमिटेड के निदेशक (वाणिज्यिक) वी सुरेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सेल ने एक अलग बयान में कहा कि यह मामला लोकपाल के निर्देशानुसार की जा रही कुछ जांचों से संबंधित है।

# श्रीराम: मनुष्य से देवत्व की यात्रा

**आप सभी को श्रीराम मंदिर के उद्घाटन की ढ़ेर सारी शुभकामनाएं। वास्तव में श्रीराम ने अपने जीवन में मनुष्य से देवत्व तक की यात्रा को न केवल तय किया है, बल्कि चरित्र के सर्वश्रेष्ठ स्तर को हासिल करने का उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने हर स्थिति और व्यक्ति के साथ संबंध निभाकर जीवन का प्रबंधन समझाया है और समाज के अंतिम तबके को अपने साथ जोड़कर समाजवाद को भी परिभाषित किया है।**

चलिए चर्चा करते हैं त्रेतायुग में अयोध्या में जन्में श्रीराम के मनुष्य से देवत्व को हासिल करने की यात्रा पर। बालपन में ही अपने छोटे भाईयों के प्रति स्नेह हो या गुरू के आश्रम पहुंचकर शिक्षा ग्रहण करना, बात माता-पिता की आज्ञा पालन की हो या सखाओं से मित्रता निभाने की, उन्होंने हमेशा ही अपने कर्मों से मर्यादा को प्रस्तुत किया और देवत्व की ओर यात्रा पर बढ़ चले।

जब गुरूकुल से शिक्षा-दीक्षा पूरी कर श्रीराम अयोध्या वापस लौटे तो वहां ऋषि विश्वामित्र का आगमन हुआ। उन्होंने राजा दशरथ से कहा कि मुझे राम को अपने साथ ले जाना है इस पर राजा चिंतित हो गए और कहने लगे कि आप मेरी सेना ले जाईये, मुझे साथ ले चलिए, आप राम ही को क्यों ले जाना चाहते हैं। इस पर ऋषि विश्वामित्र ने कहा कि यौवन, धन, संपत्ति और प्रभुत्व में से एक भी चीज किसी को हासिल हो जाए तो उसमें अहंकार आ जाता है, आपके पुत्र के पास यह चारों हैं लेकिन फिर भी वह विनम्र है इसलिए इसे ले जा रहा हूं।

ऋषि विश्वामित्र के साथ वन जाकर श्रीराम ने राक्षसी ताड़का का वध किया, वहीं शिला बन चुकीं अहिल्या देवी का उद्धार किया। जनकपुरी में वे सीता स्वयंवर में पहुंचे। यहां बड़े-बड़े राजा जिस शिव धनुष को हिला भी न सके थे उसे प्रत्यंचा चढ़ाते हुए श्रीराम ने तोड़ दिया। इससे क्रोधित भगवान परशुराम को श्रीराम ने स्वयं मीठी वाणी बोलकर शांत किया। इसके साथ ही उनका देवी सीता से विवाह हुआ।

आज छोटी-छोटी चीजों पर हम डिप्रेशन में आ जाते हैं, वहीं जरा कल्पना कीजिए जिस युवक का अगली सुबह राजतिलक होने वाला हो और उसे रात में कहा जाए कि उसे वनवास पर जाना है। इस निर्णय को श्रीराम ने कितने रचनात्मक ढंग से लिया और वनवास जाने के लिए सहज तैयार हो गए। उन्होंने जहां एक ओर अपने पिता के वचन की लाज रखी, वहीं मां कौशल्या से कहा कि पिताजी ने मुझे जंगल का राज्य सौंपा है, वहां ऋषियों के सानिध्य में मुझे बहुत सेवा करने का अवसर मिलेगा। इसी कारण वन जाने से पहले जो अयोध्या के राजकुमार थे, वन से लौटकर वह मर्यादा पुरूषोत्तम कहलाए।

वनवास के दौरान श्रीराम ने खर, दूषण और सुबाहू जैसे कई राक्षसों का अंत किया। उन्होंने किसी राजा से बात नहीं की न ही किसी राज्य का आश्रय लिया। बल्कि उन्होंने वंचितों से बात की। आदिवासियों से मिले, केवट के माध्यम से गंगा पार की, शबरी के जूठे बेर खाए और समाज के अंतिम तबके से मिले। हर व्यक्ति को समाज की मूल धारा में जोड़ने के लिए श्रीराम ने समाजवाद की स्थापना की।

श्रीराम ने शौर्यवान, शक्तिशाली और पराक्रमी होने के बावजूद कभी धैर्य का साथ नहीं छोड़ा और सत्य पर अडिग रहे। इसलिए रावण वध को हम असत्य पर सत्य की जीत के रूप में याद रखते हैं। अयोध्या लौटने पर जब श्रीराम राजा बने तो उन्होंने सदा प्रजा के हित का विचार किया। इसके साथ ही रामराज्य की स्थापना हुई। जो आज भी इतिहास की सबसे श्रेष्ठ प्रशासनिक व्यवस्था के रूप में जाना जाता है।

अंत में बस इतना बताना चाहूंगा कि श्रीराम किसी धर्म या देश के नहीं बल्कि श्रीराम तो पूरी कायनात के हैं। श्रीराम तो वह हैं जो हर भक्त के चिंतन में हैं और सृष्टि के कण-कण में हैं। राम तो करूणा में हैं, शांति में राम हैं, राम ही हैं एकता में, प्रगति में राम हैं। राम हम सब के मन में हैं। हम सबकी आस्था में हैं।

## अयोध्या में राम मंदिर

वेदों एवं पुराणाों के अनुसार उत्तर प्रदेश की अयोध्या नगरी का इतिहास प्राचीन है। श्रीराम के पूर्वजों के राज्य में अयोध्या राजधानी रही, श्रीराम का जन्म भी यहीं हुआ। श्रीराम ने भी अयोध्या को ही राजधानी बनाकर पूरे राज्य में शासन किया और इसका विस्तार किया। आज यहां श्रीराम के मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है, यह सभी रामभक्तों की आस्था का केंद्र है। पूरे देश में इस उद्घाटन समारोह को लेकर उत्साह है और इसे दीपावली की तरह मनाया जा रहा है। मैं सभी रामभक्तों को इस उद्घाटन पर्व की शुभकामनाएं देता हूं।

# रामायण का जटायु पक्षी गिद्ध, गरुड़ या कुछ और

## अर्जेंटाविस यानी जटायु शिकारी पक्षियों की एक विलुप्त समूह का सदस्य था

प्रचलन से रामायण काल के जटायु पक्षी को गिद्धराज माना जाता है, यानी गिद्धों के राजा। हालांकि कई विद्वानों के अनुसार जटायु गिद्ध नहीं गरुड़ प्रजाती से थे। विज्ञान की खोज के अनुसार जाटायु नामक पक्षी की एक प्रजाती होती थी। इन्हें आसमान में उड़ता हुआ छोटा डायनासोर मान सकते हैं। इसे टेराटोर्न कहते थे।

### पौराणिक तथ्य

भगवान गरुड़ और उनके भाई अरुण दोनों ही प्रजापति कश्यप की पत्नी विनता के पुत्र थे। इन दोनों को देव पक्षी माना जाता था। गरूड़जी विष्णु की शरण में चले गए और अरुणजी सूर्य के सारथी हुए। सम्पाती और जटायु इन्हीं अरुण के पुत्र थे। चूंकि अरुण एक गरूड़ प्रजाती के पक्षी थे तो सम्पाती और जटायु को भी गरूड़ ही माना जाना चाहिए। रामायण अनुसार जटायु गृध्रराज थे और वे ऋषि ताक्षर्य कश्यप और विनीता के पुत्र थे। गृध्रराज एक गिद्ध जैसे आकार का पर्वत था। दोनों को कई जगहों पर गिद्धराज तो कुछ जगहों पर गरूड़ बंधु कहा गया है।

पुराणों के अनुसार सम्पाती बड़ा था और जटायु छोटा। ये दोनों विंध्याचल पर्वत की तलहटी में रहने वाले निशाकर ऋषि की सेवा करते थे और संपूर्ण दंडकारण्य क्षेत्र विचरण करते रहते थे। एक ऐसा समय था जबकि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में गिद्ध और गरूढ़ पक्षियों की संख्या अधिक थी लेकिन अब नहीं रही।

### टेराटोर्न

नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार करीब 60 लाख साल पहले अर्जेंटीना के आसामान में टेराटोर्न नामक एक विशालकाय शिकारी पक्षी हुआ करता था। इसे ही जटायु माना गया है। कहते हैं कि इसका वजन 70 किलोग्राम था और इसके पंखों का फैलाव 7 मीटर था। यह Cessna 152 लाइट एयरक्राफ्ट के बराबर था।

रिपोर्ट के मुताबिक अर्जेंटाविस यानी जटायु शिकारी पक्षियों की एक विलुप्त समूह का सदस्य था जिसे टेराटोर्न यानी राक्षस पक्षी कहा जा सकता है। शोधानुसार इन पक्षियों का संबंध आज के गिद्धों और सारस के साथ ही तुर्की के गिद्धों और कंडोर्स से माना जाता है।

# भगवान राम का जन्म लाखों वर्ष पहले हुआ था या 5114 ईसा पूर्व?

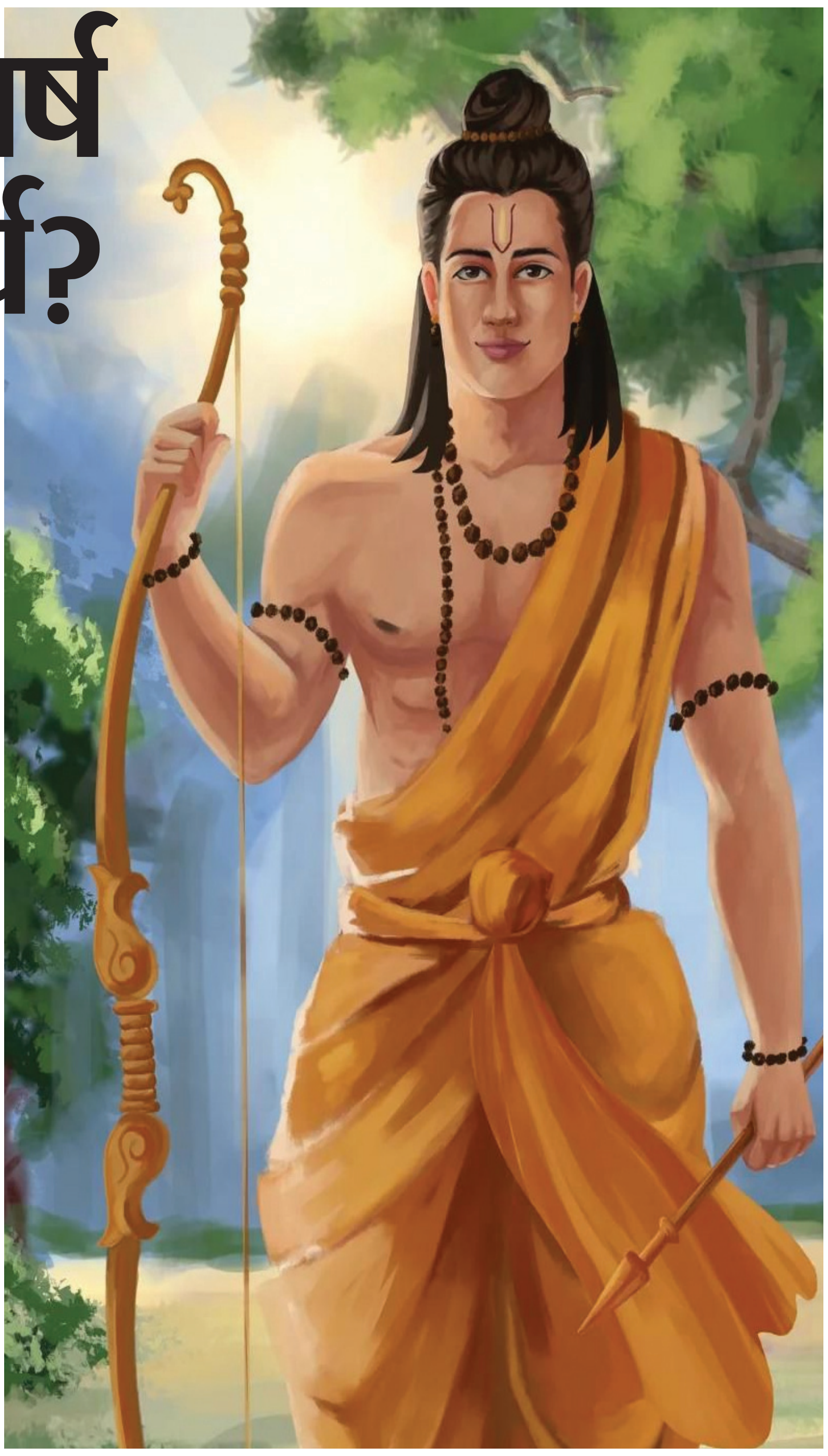

युग की धारणा हमें पुराण और ज्योतिष में तीन तरह से मिलती है। पहली वह जिसमें एक युग लाखों वर्ष का होता है और दूसरी वह जिसमें एक युग 5 वर्ष का होता है और तीसरी वह जिसमें एक युग 1250 वर्ष का है। हम तीनों के मान से श्रीराम के जन्म को समझने के बाद आधुनिक युग में हुए शोध को समझते हैं।

### पहली लाखों वर्ष के एक युग की धारणा-

पुराणों के अनुसार प्रभु श्रीराम का जन्म त्रेतायुग और द्वापर युग के संधिकाल में हुआ था। सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है। कलियुग का प्रारंभ 3102 ईसा पूर्व से हुआ था। इसका मतलब 3102+2019= 5121 वर्ष कलियुग के बित चुके हैं।

उपरोक्त मान से अनुमानित रूप से भगवान श्रीराम का जन्म द्वापर के 864000 + कलियुग के 5121 वर्ष = 869121 वर्ष अर्थात 8 लाख 69 हजार 121 वर्ष हो गए हैं प्रभु श्रीराम को हुए। कहते हैं कि वे 11 हजार वर्षों तक जिंदा वर्तमान रहे। परंपरागत मान्यता अनुसार द्वापर युग के 8,64,000 वर्ष + राम की वर्तमानता के 11,000 वर्ष + द्वापर युग के अंत से अब तक बीते 5,121 वर्ष = कुल 8,80,111 वर्ष। अतएव परंपरागत रूप से राम का जन्म आज से लगभग 8,80,111 वर्ष पहले माना जाता है।

### दूसरी 5 वर्ष का एक युग की धारणा-

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं।

बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है। इस मान से देखें तो कलिकाल के 5121 में ही कई युग बित गए हैं।

### 1250 वर्ष का एक युग-

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है। यदि इस मान से देखें तो द्वापर और कलियुग के 2500 वर्ष बीत चुके हैं। मतलब यह कि 2500 वर्ष पूर्व श्रीराम हुए थे क्या। यदि यह मान लेते हैं कि यह चार युगों का तीसरा चक्र चल रहा है तो निश्चित ही फिर श्रीराम का जन्म 5000 ईसा वर्ष पूर्व हुआ होगा।

### हम यह धारणा क्यों नहीं मानते?

क्योंकि पहली बात तो यह कि युग का मान स्पष्ट नहीं है। दूसरी बात यह कि यदि आप भगवान श्रीराम की वंशावली के मान से गणना करते हैं तो यह लाखों नहीं हजारों वर्ष की बैठती है। जैसे श्रीराम के बाद उनके पुत्र लव और कुश हुए फिर उनकी पीढ़ियों में आगे चलकर महाभारत काल में शल्य हुए। एक शोधानुसार कुश की 50वीं पीढ़ी में शल्य हुए, जो महाभारत युद्ध में कौरवों की ओर से लड़े थे। इसके अलावा शल्य के बाद बहत्क्षय, ऊरुक्षय, बत्सद्रोह, प्रतिव्योम, दिवाकर, सहदेव, ध्रुवाश्व, भानुरथ, प्रतीताश्व, सुप्रतीप, मरुदेव, सुनक्षत्र, किन्नराश्रव, अन्तरिक्ष, सुषेण, सुमित्र, बृहद्रज, धर्म, कृतज्जय, व्रात, रणज्जय, संजय, शाक्य, शुद्धोधन, सिद्धार्थ, राहुल, प्रसेनजित, क्षुद्रक, कुलक, सुरथ, सुमित्र हुए। वर्तमान में जो सिसोदिया, कुशवाह (कछवाह), मौर्य, शाक्य, बैछला (बैसला) और गैहलोत (गुहिल) आदि जो राजपूत वंश हैं वे सभी भगवान प्रभु श्रीराम के वंशज है। जयपूर राजघराने की महारानी पद्मिनी और उनके परिवार के लोग की राम के पुत्र कुश के वंशज है। महारानी पद्मिनी ने एक अंग्रेजी चैनल को दिए में कहा था कि उनके पति भवानी सिंह कुश के 309वें वंशज थे। अब यदि तीन पीढ़ियों का काल लगभग 100 वर्ष में पूर्ण होता है तो इस मान से श्रीराम को हुए कितने हजार वर्ष हुए हैं आप इस 309 पीढ़ी के मान से अनुमान लगा सकते हैं।

### आधुनिक शोध की धारणा-

उपरोक्त धारणा से भिन्न आधुनिक शोध पर आधारित धारणा ज्यादा सही लगती है। इस शोध का आधार रामायण में बताई गई खगोलीय स्थिति और देशभर में बिखरे सबूत हैं। उन सबूतों का कार्बन डेटिंग के आधार पर जांच कर उसका मिलान रामायण में बताए गए घटनाक्रम से किया गया है।

इस शोधानुसार 5114 ईसा पूर्व 10 जनवरी को दिन के 12.05 पर भगवान राम का जन्म हुआ था जबकि सैंकड़ों वर्षों से चैत्र मास (मार्च) की नवमी को रामनवमी के रूप में मनाया जाता रहा है। एक अन्य शोख के अनुसार राम की जन्म दिनांक वाल्मीकि द्वारा बताए गए ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर प्लैनेटेरियम सॉफ्टवेयर अनुसार 4 दिसंबर 7323 ईसा पूर्व अर्थात आज से 9339 वर्ष पूर्व हुआ था। राम के जन्म पर कई शोध हुए हैं लेकिन सबसे सटीक शोध प्रोफेसर तोबयस का रहा।

वाल्मीकि के अनुसार श्रीराम का जन्म चैत्र शुक्ल नवमी तिथि एवं पुनर्वसु नक्षत्र में जब पांच ग्रह अपने उच्च स्थान में थे तब हुआ था। इस प्रकार सूर्य मेष में 10 डिग्री, मंगल मकर में 28 डिग्री, ब्रहस्पति कर्क में 5 डिग्री पर, शुक्र मीन में 27 डिग्री पर एवं शनि तुला राशि में 20 डिग्री पर था। (बाल कांड 18/श्लोक 8, 9)।

शोधकर्ता डॉ. वर्तक पीवी वर्तक के अनुसार ऐसी स्थिति 7323 ईसा पूर्व दिसंबर में ही निर्मित हुई थी, लेकिन प्रोफेसर तोबयस के अनुसार जन्म के ग्रहों के विन्यास के आधार पर 10 जनवरी 5114 ईसा पूर्व हुआ था। उनके अनुसार ऐसी आका?शीय स्थिति तब भी बनी थी। तब 12 बजकर 25 मिनट पर आकाश में ऐसा ही दृष्य था जो कि वाल्मीकि रामायण में वर्णित है।

ज्यातादर शोधकर्ता प्रोफेसर तोबयस के शोध से सहमत हैं। इसका मतलब यह कि राम का जन्म 10 जनवरी को 12 बजकर 25 मिनट पर 5114 ईसा पूर्व हुआ था।

# सीएम नीतीश कुमार ने आरजेडी कोटे के तीन मंत्रियों के विभाग बदले

**पटना (एजेंसी)।** बिहार में सीएम नीतीश कुमार ने आरजेडी कोटे के तीन मंत्रियों के विभाग बदल दिए हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार व राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बीच बढ़ रही दूरी के कारण मंत्रियों के विभाग में फेरबदल करने की प्रक्रिया हुई है। जानकार बता रहे हैं कि जिससे इस बात को बल मिल रहा है कि जनता दल यूनाइटेड और राजद के बीच तकरार बढ़ती जा रही है। दिलचस्प बात ये भी है कि नीतीश कुमार ने 22 जनवरी को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर उद्घाटन से ठीक पहले अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। सबसे बड़ा फेरबदल शिक्षा विभाग को लेकर है। भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री आलोक मेहता को अब शिक्षा विभाग का मंत्री बनाया गया है। वहीं, ललित यादव को भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री बनाया गया है। ललित यादव अब तक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मंत्री थे। नीतीश कुमार ने विवादित शिक्षामंत्री चंद्रशेखर, जो लगातार रामचरित मानस, हिंदुत्व और धार्मिक मामलों को लेकर विवादित बयान दे रहे थे, उनका विभाग बदलकर गन्ना उद्योग विभाग का मंत्री बना दिया है। मतलब नीतीश कुमार ने उनके कद को कम कर दिया है और राजद को संदेश भी दे दिया है कि बिहार में कोई बड़ा खेल जल्द खेला जा सकता है।

सूत्रों की मानें तो चंद्रशेखर जो यादव समाज से आते हैं, उनके लालू प्रसाद से काफी अच्छे रिश्ते हैं और नीतीश कुमार ने चंद्रशेखर से शिक्षा विभाग जैसा महत्वपूर्ण विभाग लेकर उन्हें गन्ना उद्योग विभाग दे दिया है, इससे साफ है कि बिहार में आने वाले दिनों में कोई बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। चंद्रशेखर ने पिछले साल जनवरी में पहले रामचरित मानस को लेकर विवादित बयान दिया था और उसकी कुछ चौपाइयों का हवाला देते हुए इसे नफरत फैलाने वाला ग्रंथ बताया था। साथ ही मनुस्मृति को लेकर भी विवादित टिप्पणी की थी। बाद में नीतीश कुमार ने खुद ऐसे बयानों से चंद्रशेखर को परहेज करने की हिदायत दी थी, लेकिन इसके बावजूद चंद्रशेखर धार्मिक मुद्दों और हिंदुत्व को लेकर विवादित टिप्पणी करते आ रहे थे।

इस तरह से राजद कोटा के तीन मंत्रियों का विभाग बदलकर नीतीश कुमार ने स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की कि महागठबंधन सरकार में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। हालांकि इंडिया गठबंधन में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। नीतीश कुमार की पार्टी लगातार आरजेडी पर दबाव बना रही है कि जनवरी तक सीटों का बंटवारा हो जाना चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ लालू प्रसाद ने साफ कह दिया है कि सीट बंटवारे को लेकर कोई जल्दबाजी में वह नहीं है। वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी नीतीश कुमार को लेकर अपने तेवर में नरमी दिखाई है। उन्होंने राजस्थान में नीतीश कुमार के दोबारा एनडीए में आने की अटकलें को लेकर कहा था कि अगर कोई प्रस्ताव उनके पास आएगा तो वह विचार करेंगे।

## जब तक केंद्र से बीजेपी सरकार को हटा नहीं देते, चैन से नहीं बैठेंगे : शरद पवार

मुंबई। केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार ने कहा कि जब तक केंद्र की मौजूदा बीजेपी सरकार को सत्ता से नहीं हटा देते, तब तक वे चैन से नहीं बैठेंगे। उन्होंने सोलापुर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महाविकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन को मजबूत करने के लिए वाम दलों और प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) से बात कर रही है। अयोध्या के राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठ में जाने को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण मिला है, लेकिन यह निमंत्रण कार्ड दिखाता है कि केवल विशिष्ट राजनीतिक दल और संगठन ही इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण हैं। पवार ने कहा कि मंदिर का निर्माण पूरा होने के बाद वह भगवान राम की पूजा करने के लिए अयोध्या जाएंगे। पवार ने आरोप लगाया कि चुनाव आने पर बीजेपी को राम की याद आती है। भगवान राम पूरे देश के हैं, किसी एक राजनीतिक दल के नहीं। उन्होंने यह भी कहा ?कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने राम जन्मभूमि का ताला खोलने का आदेश दिया और अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास भी किया था। केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए शरद पवार ने दावा किया कि सत्ता का दुरुपयोग करके ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने और उन्हें डराने का काम किया जा रहा है। हमें ऐसी प्रवृत्तियों को हराने के लिए जनता के पास जाना होगा। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे के बारे में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी, पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) और वामपंथी दलों को महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में शामिल करने के लिए बातचीत चल रही है।

## चांद पर जापान की सफल लैंडिंग पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। जापान अब चंद्रमा की सतह पर पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान को बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्ष फुमियो किशिदा और जापानी अंतरिक्ष एजेंसी को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा प्रधानमंत्री किशिदा और जेएएक्सए के हर सदस्य को चंद्रमा पर जापान की पहली 'साफ्ट लैंडिंग' की बधाई। भारत इसरो और जेएएक्सए के बीच अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग का इच्छुक है। जापान को बधाई देते प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि जापान चांद पर पहुंचने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। स्थानीय समयानुसार शनिवार तड़के जापानी अंतरिक्ष यान चंद्रमा की सतह पर सफलता पूर्वक उतरा। जापानी अधिकारियों ने इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि यह निर्धारित करने की अब भी कोशिश की जा रही है कि अंतरिक्ष यान ने सटीक लैंडिंग की है या नहीं। इसके साथ ही उनका कहना था कि मानव रहित अंतरिक्ष यान की लैंडिंग के संबंध में स्पष्ट विश्लेषण में कुछ और समय लग सकता है। गौरतलब है कि भारत पिछले साल ही चांद पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बना है। अब जापान का चंद्रयान स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून चांद की सतह पर उतरा है। चांद की सतह पर चंद्रयान की लैंडिंग सफलतापूर्वक हुई। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन चांद पर कदम रख चुके हैं। बहरहाल जापान का मकसद इस चंद्रयान के माध्यम से चांद के शिओली क्रेटर की जांच करना और चांद का निर्माण कैसे हुआ यह पता लगाना है। यहां यह भी बतलाते चलें कि जापान ने यह यान चांद के लिए चार महीने पहले यानी 7 सितंबर को रवाना किया था, जो शनिवार को वहां पहुंचा है।

## भारत-पाक सीमा पर मनेगी दीवाली, तनोट माता मंदिर में जलेंगे दीपक

जैसलमेर। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित विख्यात तनोट मातेश्वरी मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्सव मनाया जा रहा है। यहां पर 21 जनवरी से रामचरित मानस का पाठ होगा। इसके अगले दिन 22 जनवरी को दीपावली मनाने के अलावा अन्य कई कार्यक्रमों का आयोजन होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में एक बड़ी स्क्रीन लगाई जाएगी। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए पूरे देशभर में उत्साह और उल्लास का महौल है। सभी मंदिरों में धूम-धाम से कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित विख्यात तनोट मातेश्वरी मंदिर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर में एक बड़ी स्क्रीन पर मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का लाइव टेलिकास्ट किया जाएगा। बीएसएफ सेक्टर नार्थ के डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। इस मौके पर जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान की सीमा पर स्थित तनोट माता के मंदिर में 21 जनवरी को 24 घंटे अखंड रामायण का पाठ होगा। माता मंदिर में अखंड रामायण का पाठ सुबह 10 बजे से शुरू होगा और 22 जनवरी को 10 बजे पाठ संपन्न हो जाएगा। 12 बजे माता तनोट राय की आरती और प्रभु श्री राम जी की आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। डीआईजी ने बताया कि संध्याकाल को माता तनोट राय मंदिर में दीपावली के त्योहार की तरह समारोह होगा। इसमें 1001 दीप और घंटियाली माता मंदिर में भी 1001 दीप जलाए जाएंगे। मंदिर परिसर के बाहर एक स्क्रीन पर अयोध्या के राम मंदिर में हो रही प्राण प्रतिष्ठा दिखाने के प्रबंध किए जाएंगे।

## यूएनजीए के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस कल से पांच दिनों के लिए भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। यूएनजीए के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस कल से 5 दिनों की यात्रा पर भारत आ रहे हैं। एक ओर जहां दुनिया के तमाम देशों पर भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाने जाने की मांगों से सुयंक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) पर दबाव बढ़ने लगा है। यही वजह है कि अब यूएनजीए को अपने संविधान में बदलाव करने के लिए विचार करने पर दुनिया के तमाम देशों ने मजबूर कर दिया है। इस बीच यूएनजीए के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस 5 दिनों की यात्रा पर भारत आ रहे हैं। इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। यूएनजीए के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस दुनिया में उभरती ताकत और मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देश के कई शहरों का दौरा करेंगे। ऐसी संभावना बन रही है कि वह सुरक्षा परिषद में सुधार से पहले भारत भ्रमण से उसकी गहराई का आंकलन करेंगे। माना जा रहा है कि यूएनएससी में सुधार के लिए कदम उठाने को लेकर उन पर दबाव भी बनेगा। यूएनजीए के अध्यक्ष फ्रांसिस नयी दिल्ली में भारतीय वार्ताकारों के साथ बातचीत करने के अलावा जयपुर और मुंबई की भी यात्रा करेंगे। अध्यक्ष फ्रांसिस 22 जनवरी से 26 जनवरी तक भारत की यात्रा करेंगे। ऐसे में 26 जनवरी को वह इंडिया गेट पर भारत की सैन्य शक्ति की ताकत को भी अपनी आंखों से देखेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि फ्रांसिस मुंबई में नवंबर 2008 में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों की याद में बनाए गए स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। बताया जा रहा है ?कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष की भारत यात्रा वैश्विक संस्था के साथ देश के सहयोग को बढ़ाने का भी अवसर प्रदान करेगी। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष फ्रांसिस विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ आपसी हित के प्रमुख बहुपक्षीय मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे।

## दक्षिण पश्चिम भारतीय रिज पर 6.2 तीव्रता का आया भूकंप

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम भारतीय रिज पर भूकंप के भीषण झटके आने के समाचार मिले हैं। मिली जानकारी के अनुसार यह झटके सुबह तड़के आए हैं। भूकंप काफी भीषण बताया गया है, रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.2 मापी गई है। बताया जा रहा है कि ये भूकंप आज सुबह 3.39 बजे आया है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि इसमें किसी के भी हताहत होने की बात सामने नहीं आई है।

## अगले 5 दिनों तक उत्तर भारत में रहेगा घना कोहरा

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के साथ घने कोहरे के रहने की संभावना है। यहां पर इस समय कोल्ड डे और शीतलहर की मार पड़ रही है। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले चार से पांच दिनों तक उत्तर भारत में घने से बहुत घना कोहरा, गंभीर कोल्ड डे की स्थिति बरकरार रहने वाली है। इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तरी राजस्थान में तीन से चार दिनों तक शीतलहर चलती रहेगी। अगले पांच दिनों तक यूपी में और दिल्ली में कोल्ड डे से लेकर गंभीर कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना है। यहां दिन में बहुत ठंड पड़ेगी, जोकि पहले से पड़ रही कड़ाके की सर्दी के बीच एक और चेतावनी है। इधर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान 3-7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। हरियाणा के हिसार में रविवार को न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बता दें कि उत्तरी भारत में इन दिनों 140-160 नॉट्स से जेट स्ट्रीम विंड्स चल रही हैं, जिसकी वजह से उत्तर भारत में शीतलहर और कोल्ड डे जारी है। आने वाले तीन से चार दिनों तक ऐसे ही हालात रहने वाले है। वहीं, मौसम विभाग ने अगले चार से पांच दिनों के बीच ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में हल्की बारिश का अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में 21 जनवरी की रात से 26 जनवरी की सुबह तक घने से बहुत घना कोहरा छाया रहेगा। इसके अलावा, राजस्थान, मध्य प्रदेश में 21 की रात से 24 जनवरी की सुबह तक बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है।

## सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच साठ-गांठ से पुलिस ने किया इनकार

मोरेह। मणिपुर पुलिस ने सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच साठगांठ से इनकार कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने कुकी संगठन के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि सुरक्षा बलों की मोरेह शहर में उग्रवादी समूहों के साथ मिलीभगत थी, जहां हाल में हिंसक घटनाएं दर्ज की गयी हैं। गौरतलब है कि मोरेह म्यांमा की सीमा से सटा हुआ शहर है। राज्य सरकार का आरोप है कि पड़ोसी देश के उपद्रवी इस पूर्वोत्तर राज्य में अशांति फैला रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि घाटी में स्थित विद्रोही समूहों और मोरेह में सुरक्षा बल के कर्मियों के भेष में छिपे मेइती उग्रवादियों के साथ मिलीभगत के आदिवासी एकता समिति (सीओटीयू) और कुकी इनपी मणिपुर का आरोप सच नहीं है।

## तमिलनाडु में प्राण प्रतिष्ठा के लाइव प्रसारण पर सरकार ने लगाई रोक

### -केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण के आरोप को डीएमके ने बताया झूठ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लाइव प्रसारण पर तमिलनाडु में सरकार द्वारा रोक लगाने का दावा किया जा रहा है। जबकि डीएमके ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। जहां समारोह को लेकर देशभर में तैयारियां हो रही हैं वहीं दूसरी तरफ इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। विपक्ष ने जहां इस समारोह से दूरी बनाने का फैसला किया है तो वहीं सत्तापक्ष बीजेपी लगातार विपक्षी दलों पर हमले कर रही है। अब केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि तमिलनाडु सरकार ने राम मंदिर उद्घाटन समारोह के लाइव प्रसारण पर रोक लगा दी है। वित्त मंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, तमिलनाडु सरकार ने 22 जनवरी को राम मंदिर से जुड़े कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण को देखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। तमिलनाडु में श्री राम के 200 से अधिक मंदिर हैं। तमिलनाडु सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग द्वारा प्रबंधित मंदिरों में श्री राम के नाम पर किसी भी पूजा, भजन, प्रसादम, अन्नदानम की अनुमति नहीं है। पुलिस निजी तौर पर संचालित मंदिरों को भी कार्यक्रम आयोजित करने से रोक रही है।

निर्मला ने कहा कि वे आयोजकों को धमकी दे रहे हैं कि वे पंडाल तोड़ देंगे। इस हिंदू विरोधी, घृणित कार्रवाई की कड़ी निंदा करती हूं। उन्होंने आगे कहा, तमिलनाडु के कई हिस्सों में दिल दहला देने वाले और विचित्र दृश्य देखने को मिल रहे हैं। लोगों को भजन आयोजित करने, गरीबों को खाना खिलाने, मिठाइयां बांटने, खुशी मनाने से रोका जा रहा है और उन्हें धमकाया जा रहा है, जबकि वे सब पीएम मोदी को अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा करते देखना चाहते हैं।

इधर सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग मंत्री शेखर बाबू ने वित्त मंत्री के बयान का खंडन किया है। उन्होंने लिखा, डीएमके की यूथ विंग कॉन्फ्रेंस से ध्यान भटकाने के लिए ये अफवाहें फैलाई जा रही हैं। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने तमिलनाडु के किसी मंदिर में राम के लिए पूजा करने या अन्नधनम देने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि निर्मला सीतारमण जैसे लोग अफवाहें फैला रहे हैं जो सत्य के विपरीत हैं। इस पर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए।

## आईआईटी ने दी चेतावनी, राम मंदिर समारोह का विरोध किया तो होगी कार्रवाई

### -प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान टाटा इंस्टिट्यूट, करेगा गौशाला का उद्घाटन

**मुंबई (एजेंसी)।** आईआईटी मुंबई ने चेतावनी दी है कि यदि किसी छात्र या अधिकारियों ने राम मंदिर समारोह का विरोध किया तो कार्रवाई होगी। बता दें कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई द्वारा प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर एक 'गौशाला' का उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही महाकाव्य रामायण पर आधारित कविता पाठ जैसे कार्यक्रम आयोजित करेगा। अयोध्या स्थित राम मंदिर में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने जा रहा है। इसको लेकर कई जगहों पर उत्साह देखा जा रहा है। वहीं कुछ लोग इसका विरोध भी कर रहे हैं। इसी के चलते टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज ने अपने कॉलेज के छात्रों से इस कार्यक्रम के चलते संस्थान के परिसर में किसी भी प्रकार के प्रदर्शन न करने को कहा है। आईआईटी ने साथ ही चेतावनी दी है कि इसकी अवहेलना करने पर उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

टीआईएसएस की ओर से जारी एक नोटिस में कहा गया कि प्रशासनिक अधिकारियों को पता चला है कि कुछ छात्र प्राण प्रतिष्ठा समारोह के खिलाफ हैं। ये संस्थान के पुराने या नए परिसर में विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

## इसरो ने अंतरिक्ष से दिखाई अयोध्या के राम मंदिर की सैटेलाइट तस्वीर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इसरो ने अंतरिक्ष से अयोध्या के राम मंदिर की तस्वीर दिखाई है। हालांकि अभी अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से जारी है। इस बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने अंतरिक्ष से भव्य राम मंदिर की झलक दिखाई है। इसरो ने अपने स्वदेशी उपग्रहों का उपयोग करके ये तस्वीरें ली हैं। भारतीय रिमोट सेंसिंग सीरीज के सैटेलाइट के जरिये ली गई इन तस्वीरों में 2.7 एकड़ में फैले राम-जन्मभूमि स्थल को देखा जा सकता है। अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर की ये तस्वीरें पिछले साल 16 दिसंबर को ली गई थीं, हालांकि तब से अयोध्या में घने कोहरा छाए रहने के कारण साफ तस्वीरें लेना मुश्किल हो गया। भारत के पास फिलहाल अंतरिक्ष में 50 से अधिक उपग्रह हैं, और उनमें से कुछ का रिज़ॉल्यूशन एक मीटर से भी कम है। जानकारी के अनुसार राम मंदिर की इन तस्वीरों को भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर ने प्रोसेस्ड किया है।

राम मंदिर निर्माण के विभिन्न चरणों में भी इसरो की तकनीक का उपयोग किया गया है। इस भव्य परियोजना में एक बड़ी चुनौती भगवान राम की मूर्ति लगाने के लिए सटीक स्थान की पहचान करना था। जिस ट्रस्ट को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वह चाहता था कि मूर्ति को गर्भगृह के अंदर 3गुणा 6 फीट वाली जगह पर रखा जाए, जहां माना जाता है कि भगवान राम का जन्म हुआ था। यह कहने में जितना आसान था, करना उतना ही मुश्किल रहा, क्योंकि मंदिर का निर्माण विध्वंस के लगभग तीन दशक बाद शुरू हुआ था। ऐसे में एक बार फिर, स्पेस टेकनॉलोजी ही मंदिर निर्माण में काम आई। गर्भगृह के अंदर इस सटीक स्थान की पहचान करने के लिए कंस्ट्रक्शन कंपनी लार्सन एंड टुब्रो के ठेकेदारों ने सबसे परिष्कृत डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम आधारित निर्देशांक का उपयोग कर मंदिर के गर्भगृह में मूर्ति की स्थापना का आधार बनाया।

## हेमंत सोरेन से 7 घंटे की ईडी ने की पूछताछ, ज्यादातर सवालों को टालते रहे

**रांची (एजेंसी)।** झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से ईडी ने 7 घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान सोरेन ने ज्यादातर सवालों को टाल दिया। बता दें कि लैंड स्कैम यानी जमीन घोटाला से जुड़े मामले में ईडी की टीम झारखंड के सीएम हाउस पूछताछ के लिए पहुंची थी। यह झारखंड की राजनीति के लिए काफी अहम दिन था। शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ईडी के अधिकारियों ने करीब 7 घंटे तक मुख्यमंत्री आवास में ही पूछताछ की। इस दौरान बरियातू स्थित 9 एकड़ जमीन को लेकर विशेष रूप से सीएम से पूछताछ की गई। ईडी के कई सवालों का जवाब मुख्यमंत्री ने दिया लेकिन कई सवालों पर उनका जवाब रहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं। दरअसल बरियातू इलाके स्थित बड़गाई अंचल में 09 एकड़ की जमीन से जुड़े मामले में शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर ही पूछताछ की गई। ईडी के द्वारा की गई पूछताछ में जो सवाल अहम थे, उसमें बड़गाई अंचल के पूर्व राजस्व कर्मचारी भानू के साथ संबंध को लेकर भी सवाल किया। साथ ही बड़गाईं अंचल के अंचलाधिकारी मनोज कुमार से संबंधित सवाल भी किया गया।

ईडी ने मनोज कुमार और भानू से उनके संबंधों को लेकर पूछताछ की, वहीं भानू के द्वारा दिए गए ईडी के बयान पर भी सवाल शामिल रहे, जिसमें भानू ने बताया था कि भानू के द्वारा बॉस शब्द का इस्तेमाल किस व्यक्ति के लिए किया जाता था, ये बताया गया था। भानू और मनोज ने ईडी को पूर्व में बताया था कि वो बॉस शब्द का इस्तेमाल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए किया करते थे। गौरतलब है कि बड़गाईं अंचल के पहाड़ के पास स्थित 9 एकड़ जमीन से जुड़ी कई अहम जानकारियां ईडी के पास मौजूद हैं और उन्ही से संबंधित सवाल ईडी के द्वारा पूछे गए। हालांकि सीएम ने कुछ सवालों के जवाब तो बेबाक दिए, वहीं कई सवालों के जवाब में उन्होंने जानकारी न होने का हवाला दिया।

गौरतलब है कि जमीन घोटाले से जुड़े मामले में छापेमारी में ईडी को कई अहम दस्तावेज मिले थे। इसके साथ ही कई गिरफ्तारियां भी हुईं थी और यहीं से मुख्यमंत्री से संबंधित जानकारियां भी ईडी को मिली थी। ईडी की पूछताछ के बाद सीएम हेमंत सोरेन भी समर्थकों के बीच खूब गरजे थे। उन्होंने आवास के बाहर निकलकर समर्थकों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा था कि हम झुकने वाले नहीं हैं। हमने झारखंड लड़ कर लिया है। झारखंड को षड्यंत्रकारियों के हाथ में नहीं जाने देंगे। आप इसी धैर्य और संयम के साथ डटे रहें, हम आभारी हैं।

## संघ प्रमुख भागवत ने कड़वाहट खत्म कर राष्ट्र निर्माण में जुटने का किया आह्वान

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अब सभी लोग कड़वाहट खत्म कर राष्ट्र निर्माण में जुट जाएं, इसके लिए प्रबुद्ध लोगों को आगे आना होगा। इस तरह से आयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले मोहन भागवत ने लोगों से आपसी कड़वाहट मिटाने के साथ विवाद खत्म करने की अपील की है। मोहन भागवत ने एक लेख के जरिए हर तरह की कड़वाहट को खत्म करने का अनुरोध किया है। बता दें कि यह लेख प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में लिखा गया है। इस लेख में उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर को लेकर जो भी कड़वाहट पैदा हुई है वो खत्म होनी चाहिए। विवाद खत्म करने के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों को भी कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या की नई पहचान ऐसी होनी चाहिए कि यहां युद्ध का जिक्र ना हो। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लिखा कि भारत में वर्षों से कई आक्रमणकारी आते रहे, जिनसे लड़ने में भारत ने लगातार संघर्ष किया है। इन आक्रमणकारियों का उद्देश्य लूटपाट करना होता था। इस्लाम के नाम पर जितने भी आक्रमण हुए है वो देश में अलगाव लेकर आए है।

## 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के खिलाफ छात्रों ने दायर की थी याचिका, कोर्ट ने सख्त चेतवानी देते हुए की खारिज

**मुंबई (एजेंसी)।** बंबई उच्च न्यायालय ने अयोध्या में राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ चार छात्रों द्वारा दायर जनहित याचिका रविवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने महाराष्ट्र और गुजरात के चार विधि छात्रों द्वारा दायर जनहित याचिका पर रविवार को विशेष सुनवाई की और कहा कि याचिका ''राजनीति से प्रेरित, महत्वहीन और झुंझलाहट पैदा करने वाली है। अदालत ने छात्रों को सलाह दी कि वे ''अपने समय का उपयोग बेहतर काम में करें।''

पीठ ने कहा कि आम तौर पर अदालत ऐसी याचिका को खारिज करते समय याचिकाकर्ता पर कठोर जुर्माना लगाती है, लेकिन वह ऐसा करने से परहेज कर रही है क्योंकि ये याचिकाकर्ता युवा छात्र हैं और इसलिए आगाह किया जाना ही पर्याप्त होगा। महाराष्ट्र सरकार ने दलील दी कि छुट्टी घोषित करना सरकार के कार्यकारी नीतिगत निर्णय के अंतर्गत आता है और यह न्यायिक पड़ताल के दायरे में नहीं आना चाहिए। छात्रों ने अपनी याचिका में दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सत्ता का दुरुपयोग है। शिवांगी अग्रवाल, सत्यजीत साल्वे, वेदांत अग्रवाल और खुशी बांगिया द्वारा दायर याचिका में अनुरोध किया गया था कि अदालत 22 जनवरी को छुट्टी घोषित करने वाले सरकारी आदेश को रद्द कर दे।

पीठ ने कहा, ''याचिका में राजनीतिक निहितार्थ हैं और यह एक ऐसी याचिका प्रतीत होती है जो राजनीति से प्रेरित और प्रचार पाने के लिए है। याचिका की प्रकृति और खुली अदालत में दी गई दलीलों से ऐसा ही प्रतीत होता है।'' अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने एक अन्य मामले में पारित आदेश में उच्चतम न्यायालय के विवेक पर भी सवाल उठाया है और इसने हमारी न्यायिक चेतना को हिला दिया है। पीठ ने कहा, हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह जनहित याचिका अनावश्यक कारणों से दायर की गई है। यह बिल्कुल महत्वहीन और झुंझलाहट पैदा करने वाली प्रतीत होती है और इस लायक नहीं है कि अदालत इस पर गौर करे। उसने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसी याचिकाएं कानून का घोर दुरुपयोग हैं और इन्हें लंबित नहीं रखा जा सकता। अदालत ने याचिका में की गई राजनीतिक टिप्पणियों पर भी सवाल उठाया और सवाल किया कि किसके कहने या प्रेरणा से ये बयान याचिका में शामिल किए गए। पीठ ने सवाल किया, ''जैसा कि प्रतिवादी (महाराष्ट्र सरकार) ने उल्लेखित किया है, याचिका में राजनीतिक एजेंडे के बारे में कुछ बयान हैं जो राजनीतिक प्रकृति के हैं... कुछ बहुत ही लापरवाह बयान हैं। किसकी प्रेरणा से या किसके कहने पर उन बयानों को याचिका में शामिल किया गया है?'' उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से यह भी सवाल किया कि अदालत के समक्ष रखे जाने से पहले ही मीडिया को याचिका के बारे में कैसे पता चला। याचिका में कहा गया है कि मंदिर में होने वाला प्राण प्रतिष्ठा समारोह हिंदू धर्म से जुड़ी एक आवश्यक धार्मिक प्रथा है और इसलिए यह किसी भी तरह से सरकार के सरोकार का विषय नहीं हो सकता है।

# रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने बर्फीले पानी में डुबकियां लगाईं

## -30 डिग्री तापमान में भी बने स्नान स्थल

मास्को । रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने बर्फीले पानी में डुबकी लगाई। दरअसल, वो एपिफेनी त्योहार मना रहे थे। मास्को टाइम्स ने क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के हवाले से इसकी पुष्टि की। इसके तहत सुबह-सुबह जल्दी उठकर बर्फीले पानी में 3 बार डुबकी लगानी होती है। इसके लिए पूरे रूस में जगह-जगह स्नान स्थल बनाए गए हैं। साइबेरिया में -30 डिग्री सेल्सियस के तापमान के बीच भी यह त्योहार मनाया गया। हालांकि, क्रेमलिन ने इस साल पुतिन के डुबकी लगाने का कोई फोटो-वीडियो जारी नहीं किया है। पुतिन सालों से इस त्योहार को मनाते आए हैं, लेकिन हर बार इससे जुड़ी तस्वीरें साझा नहीं की जाती हैं। हालांकि, इस खबर के बाद एपिफेनी त्योहार में पुतिन की डुबकी लगाने के पुराने वीडियो वायरल हो रहे हैं।

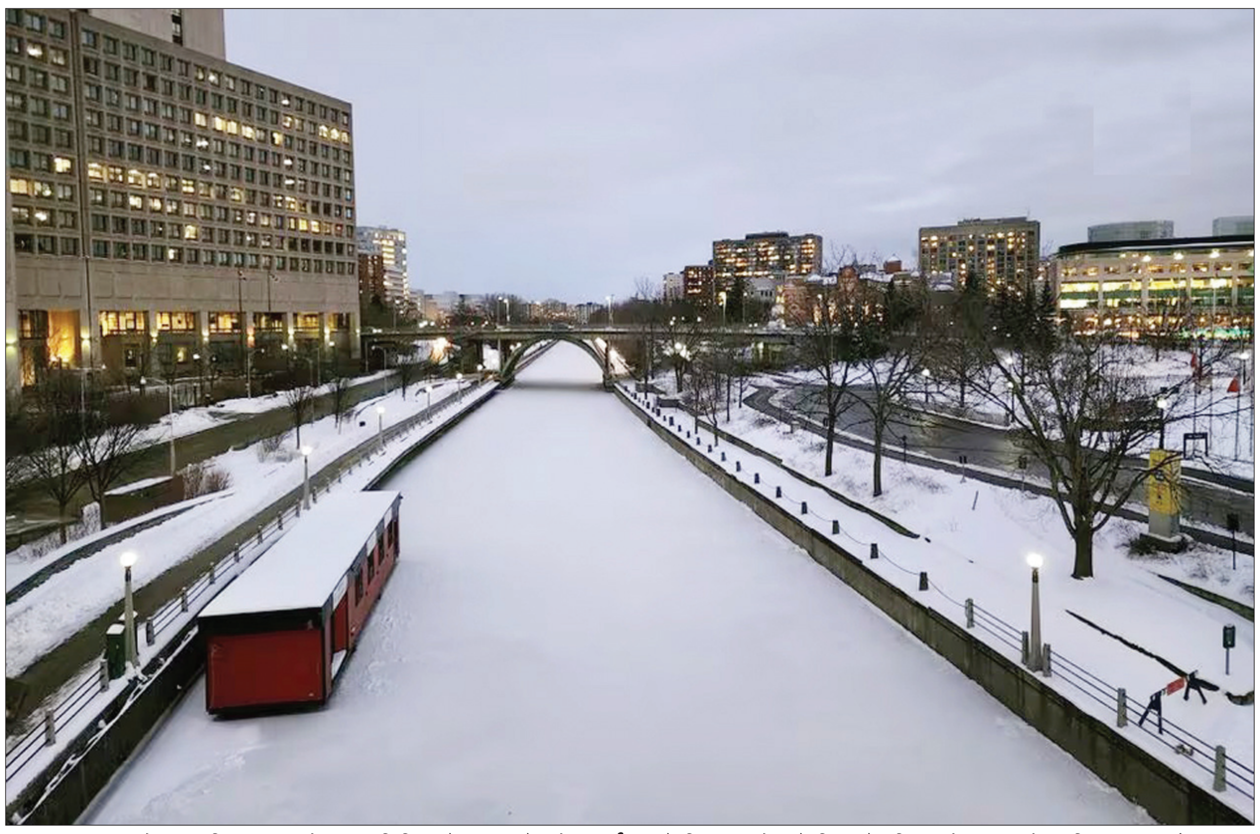

कनाडा में प्राकृतिक रुप से बना रिडियू केनल स्केटवे आईस स्केटिंग। इसे स्केटिंग के लिए दोबारा खोल दिया गया है।

# पाक के जवाबी हमले के बाद ईरान ने प्रक्षेपित किया नया उपग्रह

तेहरान । पाकिस्तान के जवाबी हमले के बाद ईरान ने एक नया उपग्रह प्रक्षेपित किया है। बताया जा रहा है कि जंग के खतरे और मध्य-पूर्व में फैले व्यापक तनाव के बीच ईरान ने सफलतापूर्वक एक उपग्रह का प्रक्षेपण करके सबको चौंका दिया है। विशेषज्ञों को आशंका है कि ईरान का ये कदम परमाणु मिसाइल बनाने के खतरे की आशंका को और अधिक बढ़ा रहा है। ईरान ने शनिवार को कहा कि उसने सफलतापूर्वक एक उपग्रह का प्रक्षेपण करके इसे अब तक कि सबसे ऊंची कक्षा में स्थापित किया है। यह उस कार्यक्रम का हिस्सा है जिसे लेकर पश्चिम देशों ने तेहरान की ओर से उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल बनाए जाने की आशंका जतायी है। बता दें ?कि ईरान की यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल के हमले जारी हैं तथा हाल में ईरान और पाकिस्तान द्वारा एक-दूसरे के देशों में हवाई हमले किए गए हैं। इन घटनाक्रम से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा कि सोराया उपग्रह को तीन चरणों वाले रॉकेट के साथ पृथ्वी की सतह से लगभग 750 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में स्थापित किया गया। हालांकि, उपग्रह का उपयोग किस क्षेत्र के लिए है, इस बारे में तत्काल कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रक्षेपण ईरान के नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ-साथ ईरान के 'रिवोल्यूशनरी गार्ड्स' के अंतरिक्ष कार्यक्रम का हिस्सा है। हालांकि अमेरिका ने पूर्व में कहा है कि ईरान की ओर से उपग्रह का प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का उल्लंघन है और इसने तेहरान से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों से जुड़ी कोई कार्रवाई नहीं करने को कहा है।

# उत्तर कोरिया ने रूस से नजदीकियां बढ़ाईं

प्योंगयांग। अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने रुस से नजदीकियां बढ़ाने की बात कही है। रविवार को उत्तर कोरिया ने कहा कि रुस के साथ वह रणनीतिक और सामरिक सहयोग मजबूत करने के लिए कदम आगे बढ़ा रहा है। वह एक 'नयी बहु-ध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था' स्थापित करने के लिए रूस के साथ संबंध स्थापित करने पर सहमत हो गया है। जानकारी अनुसार उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोइ सोन हुई ने पिछले सप्ताह मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव से मुलाकात की थी। इनके साथ ही बैठकों का हवाला देते हुए उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पुतिन ने प्योंगयांग की यात्रा करने की इच्छा जाहिर की और कहा है कि वह जल्द ही उत्तर कोरिया आ सकते हैं। उत्तर कोरिया, रूस के साथ बेहतर संबंध के साथ और मजबूत करने पर काम कर रहा है। यह बात नेता किम जोंग उन की पुतिन के साथ एक शिखर वार्ता में सितंबर में रूस की यात्रा से भी स्पष्ट हुई है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने रविवार को अपने एक अन्य बयान में देश के हालिया बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर आपात बैठक बुलाए जाने के मामले में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की निंदा की है।

# इंटरनेट के कारण बाधित हुआ इमरान खान की पार्टी का कार्यक्रम

करांची । इंटरनेट के कारण पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी का डिजीटल कार्यक्रम बाधित हो गया। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सोशल मीडिया मंचों पर शनिवार रात आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इंटरनेट सेवा बुरी तरह बाधित हो गई। इससे पहले पार्टी ने घोषणा की थी कि उसका डिजिटल कार्यक्रम रात आठ बजे शुरू होगा लेकिन ठीक उसी समय इंटरनेट सेवा बाधित हो गई और इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। इमरन की पार्टी पीटीआई ने पुष्टि की है कि उसे समस्या का सामना करना पड़ा और उसने इसके लिए सरकार को जिम्मेदार भी ठहराया है। मीडिया में आ रही जानकारी के अनुसार उस समय पूरे देश में सोशल मीडिया मंचों पर सेवा बाधित हुई। इससे पहले भी पार्टी को सात जनवरी को अपने डिजिटल कार्यक्रम के दौरान इसी तरह के व्यवधान का सामना करना पड़ा था।

# कनाडा में 22 जनवरी को मनेगा राम मंदिर दिवस, पूजन सामग्री की बिक्री बढ़ी

**टोरंटो (एजेंसी)।** कनाडा में भी अयोध्या के राम मंदिर की धूम है। यहां 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन कई धार्मिक आयोजन होंगे। इससे पहले यहां हवन पूजन सामग्री बिक्री में भी इजाफा हुआ है। कनाडा के हर भारतीय और पाकिस्तानी स्टोर पर दीये, अगरबत्ती आदि खूब बिक रहे हैं। नमस्ते इंडिया और पंचवटी स्टोर, पटेल ब्रदर्स में तो अयोध्या के राम मंदिर की लकड़ी से बनी हुई अनुकृति भी उपलब्ध है। फिजी के हिंदुओं के देवी मंदिर वहां बहुत सारे हैं। सब खूब सजे हुए हैं और भजन कीर्तन हो रहा है। ये हिंदू हिंदी बोल नहीं पाते इसलिए इनके यहां हनुमान चालीसा और राम चरित मानस की रोमन में रूपांतरित प्रतियों से पाठ होता है। स्वामी नारायण और विष्णु मंदिरों में तो बिजली की झालरें दीवाली के बाद से उतरी ही नहीं। अमेरिका और कनाडा के हिंदुओं ने भी बिजली की जो लाइट्स दीवाली पर लगवाई थीं, वे अभी लगी हुई हैं। हर आदमी यह जानने को बेचैन है, कि कैसा होगा अयोध्या का यह प्राण प्रतिष्ठा समारोह।

पूरी दुनिया में हिंदू 22 जनवरी को दीवाली मना रहे हैं। कनाडा में तो हर शहर के कई मंदिरों से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण होने जा रहा है। कनाडा में टोरंटो शहर की दो म्यूनिस्पैलिटी ओकविले और ब्रम्पटन के मेयरों ने 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर दिवस मनाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है, कि 22 जनवरी हिंदुओं के आराध्य भगवान राम की करुणा को याद किया जाए। इन दोनों मेयरों ने सभी से अपील की है कि वे लोग इस ऐतिहासिक दिन को खूब धूमधाम से मनाए। यह समारोह हमारी सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। उनके अनुसार राम सद्भाव और शांति के प्रतीक हैं। इसलिए 22 जनवरी को वे अपने क्षेत्र में हो रहे उत्सवों में शरीक होंगे।

# इजरायल ने सीरिया पर दागी मिसाइलें, 5 ईरानी सलाहकारों की मौत

**दमिश्क (एजेंसी)।** सीरिया की राजधानी दमिश्क पर इजरायल ने हवाई हमला बोल दिया। हमले में कम से कम पांच ईरानी नागरिकों की मौत् हुई है। हमले में ईरान के 'रिवॉल्यूशनरी गार्ड' के लोगों के द्वारा इस्तेमाल की जा रही इमारत तबाह हो गई। सीरिया और ईरान के सरकारी मीडिया संगठनों के मुताबिक सीरिया की सेना ने कहा कि कड़ी सुरक्षा वाले पश्चिमी दमिश्क के माजेह इलाके में स्थित इमारत पूरी तरह से नष्ट हो गई। इसने कहा कि इजराइली वायुसेना ने सीरिया के इजरायली कब्जे वाले 'गोलान हाइट्स' के ऊपर से उड़ान भरते समय मिसाइलें दागीं। ईरान के 'रिवॉल्यूशनरी गार्ड' ने एक बयान जारी कर इमारत पर हुए इजरायली हमले में मारे गए लोगों की पहचान होज्जातुल्ला ओमिदवार, अली अगाजादेह, हुसैन मोहम्मदी, सईद करीमी और मोहम्मद अमीन समदी के रूप में की है. हालांकि, इन लोगों के पदों के बारे में जानकारी नहीं दी गई. इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध के बाद गाजा में फिलस्तीनी संप्रभुता के किसी भी प्रकार का विरोध करने की प्रतिबद्धता जताई है। नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा शनिवार को जारी यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के इस सुझाव को खारिज करता दिख रहा है कि रचनात्मक समाधान फिलस्तीनी राष्ट्र के मुद्दे पर दोनों नेताओं के विचारों के बीच व्यापक अंतर को पाट सकता है। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेतन्याहू ने शुक्रवार को लगभग एक महीने में बाइडन के साथ अपनी पहली बातचीत में स्पष्ट किया कि युद्ध के बाद गाजा पर उनके रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने दोहराया कि हमास के खात्मे के बाद क्षेत्र पर इजराइल को सुरक्षा नियंत्रण बरकरार रखना चाहिए। इधर इजरायली सेना ने हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। जबकि सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक कुछ घंटों बाद दक्षिणी लेबनान स्थित बंदरगाह शहर टायरे के पास एक कार पर इजरायली ड्रोन हमले में वाहन में सवार दो हिजबुल्ला सदस्यों और नजदीक में मौजूद दो लोगों की मौत हो गई।

# शिखर सम्मेलन में गाजा पर इजराइल के हमले को बताया गैरकानूनी

कंपाला। गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में शामिल हुए ज्यादातर राष्ट्राध्यक्षों ने गाजा पट्टी में इजराइल के सैन्य अभियान को को गैरकानूनी बताया है। सम्मेलन में शनिवार को इसे अवैध करार देते हुए फलस्तीन के नागरिकों और बुनियादी ढांचों पर हमलों की कड़ी निंदा कीय गई। मिली जानकारी के अनुसार गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन की समाप्ति पर एक बयान जारी कर गाजा पट्टी तक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए युद्धविराम की मांग भी की गई है। वहीं 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर द्वि-राष्ट्र समाधान का आह्वान किया गया। बताया जा रहा है कि तब इजराइल और पड़ोसी अरब देशों के बीच हुए युद्ध के बाद इजराइल ने गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम पर कब्जा कर लिया था। इस समूह ने फलस्तीन को संयुक्त राष्ट्र में शामिल करने की भी मांग की। बता दें कि युगांडा की राजधानी कंपाला में सप्ताह भर चले गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन में 120 देशों के 30 राष्ट्राध्यक्षों सहित नब्बे प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका समापन शुक्रवार और शनिवार को राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन के साथ ही हो गया है।

# मुइज्जू का क्रूर चेहरा- भारतीय विमान से एयरलिफ्ट की नहीं दी इजाजत, तड़पकर बच्चे की मौत

**माले (एजेंसी)।** ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित एक 14 साल का बच्चा दर्द से तड़पता रहा लेकिन उसे चिकित्सीय सहायता नहीं मिल पाई। अंततः बच्चे ने तड़प तड़पकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारतीय विमान को उड़ने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया। इस लड़के को ब्रेन ट्यूमर था और उसे स्ट्रोक आया था। बच्चे की हालत गंभीर होने पर उसके परिवार वालों ने उसे घर से राजधानी माले ले जाने के लिए एयर एम्बुलेंस की अपील की थी। परिवार ने आरोप लगाया कि अधिकारी उसकी तुरंत चिकित्सा निकासी की व्यवस्था नहीं कर सके।

इस मामले को लेकर आसंधा कंपनी लिमिटेड का बयान आया है जिसमें सफाई दी गई है। इसमें कहा गया कि आपातकालीन निकासी की अपील मिलने के तुरंत बाद हमने प्रक्रिया शुरू कर दी। मगर, दुर्भाग्य रहा कि अंतिम क्षण में उड़ान में तकनीकी समस्या के कारण उसे नहीं भेजा सका। ऐसे में चीजें प्लान के मुताबिक नहीं हो सकीं। बच्चे की मौत की खबर ऐसे समय सामने आई है जब भारत और मालदीव के रिश्ते में तनातनी चल रही है। दरअसल, कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप की यात्रा की थी जिसे लेकर मालदीव के कुछ मंत्रियों ने अपमानजनक टिप्पणियां कीं। हालांकि, बाद में इस बयानों से मालदीव की सरकार ने खुद को अलग कर लिया।

मालदीव की मीडिया में लड़के के पिता का बयान छपा है। इसमें कहा गया, बेटे को स्ट्रोक आने के तुरंत बाद हमने उसे माले ले जाने के लिए आइलैंड एविएशन को फोन किया, मगर उन्होंने हमारी कॉल का जवाब नहीं दिया। उनकी ओर से गुरुवार सुबह 8:30 बजे हमारे फोन का जवाब दिया गया, जबकि ऐसे मामलों का समाधान एयर एम्बुलेंस है। लड़के के पिता ने कहा कि इमरजेंसी निकासी की अपील करने के 16 घंटे बाद उसे माले लाया गया। डॉक्टर मेरे बच्चे को नहीं बचा सके।

# श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे व फिलिस्तीनी विदेश मंत्री से जयशंकर ने की मुलाकात

**कंपाला (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने युगांडा के कंपाला में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और फिलिस्तीनी विदेश मंत्री डॉ. रियाद अल-मलिकी से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने दोनों नेताओं से गहन चर्चा की है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा कि डॉ. रियाद अल-मलिकी से मिलकर अच्छा लगा। उनसे गाजा में चल रहे संघर्ष पर विस्तृत और व्यापक चर्चा हुई। इसके मानवीय एवं राजनीतिक आयामों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया और संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की। वहीं श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रम सिंहे से द्विपक्षीय पहल की प्रगति पर चर्चा की। गौरतलब है कि जयशंकर शुक्रवार से शुरू हुए गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के दो-दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए युगांडा की राजधानी कम्पाला में हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कम्पाला में एनएएम शिखर सम्मेलन के मौके पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात करके खुशी हुई।' उन्होंने कहा, 'हमारी द्विपक्षीय पहलों की प्रगति के लिए उनके निरंतर मार्गदर्शन की (हम) सराहना करते हैं। भारत की प्रतिबद्धता हमारी 'पड़ोसी प्रथम' और 'सागर' नीति में परिलक्षित होती है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' की नीति अपने निकटतम पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के प्रबंधन के प्रति इसके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करती है। इसका उद्देश्य समूचे क्षेत्र में भौतिक, डिजिटल और परस्पर आवागमन को बढ़ाने के साथ-साथ व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ाना है। बता दें कि विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी के कारण श्रीलंका 2022 में एक विनाशकारी वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था, जो 1948 में ब्रिटेन से आजादी के बाद की सबसे खराब स्थिति थी। जब देश संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने पड़ोसी प्रथम की नीति के अनुरूप ऋण सुविधा और मुद्रा समर्थन के माध्यम से लगभग चार अरब अमेरिकी डॉलर की बहु-आयामी सहायता प्रदान की। क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास'' अर्थात 'सागर' हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग की भारत की नीति या सिद्धांत है। इससे पहले दिन में जयशंकर ने युगांडा के अपने समकक्ष जनरल जेजे ओडोंगो से मुलाकात की। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अपने प्रिय मित्र जनरल जेजे ओडोंगो के साथ दिन की शुरुआत करके खुशी हुई। एनएएम शिखर सम्मेलन में उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने युगांडा की अध्यक्षता के प्रति भारत के तहे दिल से समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा, 'अप्रैल 2023 की मेरी यात्रा के बाद से हमारे द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति हुई है।

# निक्की हेली को उपराष्ट्रपति चुनने से ट्रंप ने किया इनकार

वाशिंगटन । डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली को उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी के तौर पर चुनने से इनकार कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रंप ने अपनी रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली को उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी के तौर पर चुनने के विचार को खारिज करते हुए कहा है कि उनमें इस पद के अनुरूप क्षमता नहीं है। हालांकि हेली ने कुछ ही घंटे पहले कहा था कि वह रिपब्लिकन प्राइमरी में दूसरे स्थान के लिए प्रयासरत नहीं हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को कॉनकॉर्ड में एक रैली में कहा कि हेली ठीक हैं, लेकिन वह राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार नहीं हैं। और जब मैं ऐसा कहता हूं, तो शायद इसका यह मतलब है कि उन्हें उपराष्ट्रपति के रूप में नहीं चुना जाएगा। गौरतलब है कि ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हासिल करने के प्रमुख दावेदार हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने पूर्व राजदूत के बारे में कहा कि जब आप कुछ बातें कहते हैं, तो यह उन्हें खेल से बाहर ले जाता है। मैं यह नहीं कह सकता कि वह उपराष्ट्रपति बनने की योग्य नहीं हैं और फिर कहूं कि देवियो और सज्जनो, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि मैंने चुना है। गौरतलब है कि हेली, न्यू हैम्पशायर में चुनावों में ट्रंप की निकटतम प्रतिद्वंद्वी हैं। हेली ने बार-बार कहा है कि वह रिपब्लिकन प्राइमरी में दूसरे स्थान के लिए प्रयासरत नहीं हैं, हालांकि उन्होंने इस विषय पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। इससे पहले शुक्रवार को हेली ने मतदाताओं के एक समूह से कहा था कि उनका उपराष्ट्रपति बनने का फिलहाल कोई विचार नहीं है।

# ईरान के बाद अब अफगानिस्तान से हुई पाकिस्तानी सेना की झड़प, तीन की हुई मौत

काबुल। पाकिस्तान की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। आए दिन कोई न कोई देश आंखे दिखा रहा है। ईरान की एयर स्ट्राइक के बाद अब अफगानिस्तानी सेना की झड़प पाकिस्तान से हुई है। जिसमें तीन की मौत हो गई। सूत्रों के हवाले से बताया कि पिछले साल छिटपुट झड़पों के बाद अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में सीमा पर तालिबान और पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों के बीच झड़प की एक नई घटना सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी बलों द्वारा सीमा का उल्लंघन करने के बाद झड़पें शुरू हो गईं, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने कुनार प्रांत में तालिबान के ठिकानों पर गोलाबारी की। इन झड़पों में कथित रूप से कम से कम 3 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। इससे पहले पाकिस्तान ने गुरुवार को ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में 'आतंकी ठिकानों' पर ड्रोन और मिसाइल से सैन्य हमले किए थे, जिसमें 9 लोग मारे गए। ये हमले ईरान द्वारा पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुन्नी बलूच आतंकवादी समूह 'जैश अल-अदल' के ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू करने के दो दिन बाद हुए।

# जलवायु परिवर्तन पर निगरानी रखने में कमी से एक अरब लोग भीषण गर्मी की चपेट में

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** वर्ष 2023 अब तक का सबसे गर्म वर्ष रहा है और आर्द्रता भी बढ़ रही है। गर्मी और आर्द्रता एक तरीके का बेहद खतरनाक संयोजन है, जो हमारे जीवन और आजीविका के सभी पहलुओं को खतरे में डालता है। जलवायु परिवर्तन ने गर्मी और आर्द्रता के इस संयोजन को लोगों के बर्दाश्त करने की खतरनाक सीमा के करीब धकेल दिया है। दुनिया के कुछ हिस्से मानवीय सहनशीलता की सीमा से परे स्थितियों की राह पर हैं। हमारे नये शोध में यह सामने आया है कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में मौसम विज्ञान केंद्रों के सिमटते दायरे के कारण ही शहरों में बढ़ती गर्मी से होने वाले नुकसान का अनुमान कम है। इसका मतलब यह है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर लगाए जाने वाले वैश्विक आकलनों में संभवतः लोगों पर स्थानीय प्रभावों की अनदेखी की जाती है। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र, मुख्यतौर पर एशिया और अफ्रीका में स्थित मलिन बस्तियां जलवायु परिवर्तन के इस खतरे की अग्रिम पंक्ति में हैं।

जलवायु निगरानी के अभाव के कारण ये समुदाय बढ़ती उमस भरी गर्मी से सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। बहुत कम विकल्प मौजूद होने की वजह से इन लाखों लोगों को उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के सबसे गर्म हिस्सों से दूर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। इन जगहों पर क्यों गर्मी बन रही खतरा? तेजी से शहरों में बढ़ती आबादी, जिसने योजनाबद्ध और औपचारिक विकास को हिला कर रख दिया है, इन बस्तियों के बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है। यहां रहने वाले लोगों के पास आमतौर पर बिजली और पानी की आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं व सेवाओं का अभाव होता है, जिसे शहरों में रहने वाले लोग अक्सर नजरअंदाज करते हैं। करीब एक अरब से अधिक लोग इन बस्तियों में रहते हैं और संयुक्त राष्ट्र (संरा) का अनुमान है कि अगले 30 वर्षों में यह संख्या बढ़कर तीन अरब हो जाएगी। केन्या या बांग्लादेश जैसे देशों में लगभग आधी शहरी आबादी इस तरह की बस्तियों में रहती है।

इस तरह की अधिकांश बस्तियां उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित हैं। यहां साल भर गर्मी और उमस रहती है लेकिन यहां रहने वाले लोगों के पास इस गर्मी से निपटने के लिए बहुत कम विकल्प मौजूद हैं। इन बस्तियों में रहने वाले अधिकांश परिवार कम आय वाले हैं। कई लोगों को आजीविका के लिए बाहर काम करना पड़ता है, जिसके कारण उन्हें गर्मी और उमस का सामना करना पड़ता है। चूंकि इन बस्तियों को आधिकारिक प्रणालियों और विनियमों से बाहर रखा जाता है, यही कारण है कि हमारे पास वह डेटा ही नहीं होता, जिसका अक्सर वहां रह रहे लोग सामने करने के लिए मजबूर होते हैं। जलवायु परिवर्तन से जुड़े आंकड़ों में क्या चीज छूट रही है? विश्व की अधिकांश आबादी मौसम विभाग केंद्र से करीब 25 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रहती है। इसका मतलब यह है कि मौसम केंद्र उन शहरों में तापमान और आर्द्रता के आंकड़ों का शायद ही कभी अंदाजा लगा पाते हैं, जो आमतौर पर गांव-देहात परिवेश की तुलना में अधिक गर्म होते हैं और इसे ही शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है।

आंकड़ों की निगरानी में ये अंतर उन उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में सबसे अधिक होता है, जहां इस तरह की अधिकांश बस्तियां हैं। बढ़ती गर्मी की चेतावनी भले मिल जाए लेकिन विकल्प सीमित ऑस्ट्रेलिया में लू के दौरान आमतौर पर हमें घर के अंदर रहने और ढेर सारा पानी पीने के लिए कहा जाता है। वहीं बस्ती में रहने वाले लोगों के लिए यह सलाह वास्तव में उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव के जोखिम को बढ़ा सकती है। बस्तियों में हवा के आने-जाने का प्रबंध सही तरीके से न होने की वजह से झुग्गियों या फिर कच्चे मकानों के अंदर गर्मी और भी खतरनाक तरीके से बढ़ सकती है। बहुत कम घरों में एयर कंडीशनर होता है और जिनके पास होता है उनके पास इतनी क्षमता नहीं कि वे इसे चला सकें। इन बस्तियों में रहने वाले लोगों के पास साफ व सुरक्षित पेयजल तक नहीं होता, जिसकी वजह से बढ़ती गर्मी के कारण इन्हें स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इन बस्तियों में रहने वाले लोगों के पास सरकार या दूसरे संस्थानों द्वारा जारी सलाह और चेतावनियां पहुंचने की भी संभावना नहीं होती।

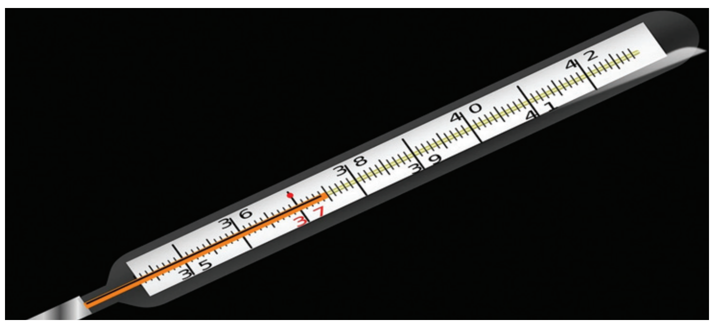

2023 विश्व मौसम विज्ञान संगठन की एक रिपोर्ट में पाया गया कि दुनिया के केवल आधे देशों में ही पूर्व चेतावनी प्रणालियां हैं। लोगों को बचाने के लिए क्या किया जा सकता है? मौजूदा वक्त में जलवायु निगरानी प्रयासों ने कमजोर वर्ग के लाखों लोगों को बढ़ती गर्मी से होने वाली परेशानियों के खतरे में डाल दिया है। इसका उनके स्वास्थ्य और कल्याण पर सीधा प्रभाव पड़ता है, साथ ही समाज और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था भी बड़े पैमाने पर प्रभावित होती है। विकासशील देशों में मौसम विज्ञान संस्थानों को जलवायु निगरानी को मजबूत करने और पूर्व चेतावनी प्रणालियों में सुधार के लिए तत्काल समर्थन की आवश्यकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के नए प्रमुख ने ऐसा ही करने का वादा किया है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सरकारें और एजेंसियां इस अवसर का लाभ उठाएं और नये निगरानी नेटवर्क में बस्तियों को भी शामिल करें। लोग बिना उचित कारण के अपना घर नहीं छोड़ते और न ही अपना जीवन बर्बाद करते हैं। प्राथमिकता ऐसे समाधान ढूंढने की होनी चाहिए, जो उन्हें जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने में मदद करें।

# अंडर19 विश्व कप में भारतीय टीम ने शुरुआती मैच में बांग्लादेश को हराया

## –इंग्लैंड और पाकिस्तान भी जीते

**ब्लोमफोंटेन (एजेंसी)।** भारतीय अंडर19 क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 81 रनों से हराकर दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे अंडर19 विश्?व कप क्रिकेट में जीत के साथ शुरुआत की है। भारतीय टीम के अलावा इंग्लैंड और पाकिस्तान ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते हैं।

आदर्श सिंह और कप्तान उदय सहारन की अच्छी बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने अंडर 19 विश्व कप 2024 में हुए अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को जीत के लिए 252 रनों का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश के कप्तान महफुजूर रहमान राब्बी ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने कप्तान उदय और आदर्श के अर्धशतकों की सहायता से 251 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश टीम 171 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अर्शिन कुलकर्णी 7 जबकि मुशीर खान 3 रन बनाकर ही आउट हो गये। आदर्श सिंह और उदय सहारन ने टीम को संभाला और 147 रन तक ले गए। आदर्श ने 76 रन बनाए। वहीं उदय ने 64 रन बनाए। इसके बाद मोलिया और अविनाश ने स्थिति को संभाला। मोलिया ने 23 रन जबक अविनाश ने 23 रन बनाए। इसके बाद सचिन दास ने 26 रन बनाकर स्कोर 251 तक पहुंचाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के नए गेंदबाज के सामने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज टिक नहीं पाये। एक अन्य मुकाबले में इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 7 विकेट से जबकि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 181 रन से शिकस्त दी।

# कुश्ती : रवि कुमार दहिया ने ग्रैंड प्रिक्स डी फ्रांस 2024 में जीता कांस्य पदक

**नीस (एजेंसी)।** टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि कुमार दहिया ने ग्रैंड प्रिक्स डी फ्रांस हेनरी डेग्लेन 2024 कुश्ती टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता है। शनिवार को फ्रांस के नीस में पुरुषों के 61 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में भारत के स्टार पहलवान रवि दहिया ने कजाकिस्तान के कैरात अमिरतायेव के खिलाफ 10-4 से जीत दर्ज की।

दहिया पहले मिनट में 2-4 से पिछड़ गए लेकिन उन्होंने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मुकाबला जीत लिया। इससे पहले दहिया ने 16वें राउंड में तकनीकी श्रेष्ठता (13-2) के आधार पर जर्मनी के जूलियन ज़न्सिर को हराया, उसके बाद क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के जंगार काबिलबेकोव को 12-6 से हराया। हालाकि, भारतीय पहलवान को सेमीफाइनल में फ्रांस के अरमान एलॉयन के खिलाफ 6-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह कांस्य पदक मुकाबले में पहुँच गए।

उल्लेखनीय है कि रवि कुमार दहिया ने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर 2022 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की थी। फरवरी में अभ्यास के दौरान उनके दाहिने घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें अप्रैल 2023 में एशियाई चैंपियनशिप से बाहर कर दिया गया था। जुलाई 2023 में एशियाई खेलों के लिए राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान रवि कुमार दहिया की चोट बढ़ गई और उन्हें शेष वर्ष अभियान से बाहर होना पड़ा। वह बेलग्रेड में हुई पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाये थे। आगामी अभियानों में रवि कुमार दहिया के 61 किग्रा से 57 किग्रा भार वर्ग में आने की उम्मीद है। वह अप्रैल में किर्गिस्तान में एशियाई ओलंपिक गेम्स क्वालीफायर और मई में तुर्की में विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा कर सकते है।

# इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल' है : सुनील गावस्कर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने कहा कि 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में इंग्लैंड की 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए भारत के पास 'विराटबॉल' मौजूद है।

इंग्लैंड के बल्लेबाज अब बहुत ही आक्रामक शैली में खेलते हैं जो उनके मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम के खेलने के तरीके से जुड़ा है। गावस्कर ने कहा, 'विराट कोहली जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए 'बैजबॉल' का सामना करने के लिए हमारे पास 'विराटबॉल'' मौजूद है।'

कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ने से महज 152 रन दूर हैं। वह इस आगामी श्रृंखला में भारत की मुख्य कड़ी होंगे। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, 'हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक समान ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में तब्दील करने की गति काफी अच्छी है।'

उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल में टेस्ट क्रिकेट में नया रवैया (बैजबॉल) अपनाया है। यह काफी आक्रामक रवैया है जिसमें बल्लेबाज हमेशाा तेजी से रन जुटाने की कोशिश करता है। परिस्थितियां भले ही कैसी भी हों, वे हमेशा आक्रामक क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय स्पिनरों के खिलाफ यह रवैया कारगर होता है या नहीं।'

# एसए20 में सनराइजर्स ने डरबन को हराया, क्लासेन ने लगाया सबसे बड़ा छक्का

**डरबन (एजेंसी)।** डरबन सुपर के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने एसए20 में खेलते हुए इस लीग में अब तक का सबसे बड़ा छक्का लगाया है। क्लासेन के शॉट से गेंद स्टेडियम से बाहर चली गयी। हेनरिक ने इससे पहले सनराइजर्स के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी। हेनरिक ने 17 गेंदों पर ही 3 छक्कों की सहायता से 31 रन बनाए थे। इसके बाद भी उनकी टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए डरबन ने 159 रन बनाये जिसे सनराइजर्स ने ट्रिस्टन स्टंब्स के 66 रनों की मदद से आसानी से हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में डरबन सुपर की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज क्वींटन डीकॉक 7 और स्मटस 9 रन बनाकर आउट हो गये पर सलामी बल्लेबाज ब्रीट्ज़के ने तेजी से 35 रन बनाए। इसी दौरान हेनरिक ने तीन छक्कों की सहायता से 31 रन बनाए। वहीं मध्यक्रम में वियान मुल्डर ने 29 तेजी से 52 रन बनाकर टीम को संभाला। अंत में प्रियटोरियस ने पर 23 रन बनाकर स्कोर 159 तक पहुंचा दिया। वहीं सनराइजर्स की ओर से हार्मर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज दाविद मान 2 और टॉम एबेल 1 रन ही बना पाये। इसके बाद जॉर्डन हरमन ने कप्तान ऐडन मारक्रम के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। मारक्रम ने 38 जबक हरमन ने 26 गेंदों पर 25 रन बनाए। जीत में सबसे अहम भूमिका स्टंब्स की रही जिन्होंने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए।

# अकरम ने विराट को इस सदी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया

## –सचिन से नहीं हो सकती तुलना

**लाहौर (एजेंसी)।** पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें इस सदी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताया है। अख्तर ने पर कहा कि विराट की तुलना सचिन तेंदुलकर से नहीं हो सकती।

अख्तर ने कहा कि अगर विराट सचिन तेंदुलकर के दौर में होते तो उन्हें दुनिया में कई महान गेंदबाजों का सामना करना पड़ता। वहीं आज के दौर में अगर सचिन होते तो और भी ज्यादा रन बनाते। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में रिकी पोंटिंग, ब्रायन लारा, इंजमाम उल

हक जैसे खिलाड़ी उस दौर में थे। इसलिए उस दौर के खिलाड़ियों की तुलना इस दौर से नहीं की जा सकती। तब शेन वॉर्न और वसीम अकरम जैसे घातक गेंदबाज थे। वसीम को खेलना भी आसान बात नहीं थी। इसलिए तक के दौर की तुलना आज से नहीं की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि कोहली इस युग के सबसे महान बल्लेबाज हैं। अख्तर ने कहा कि मैं चाहता हूं कि वह 100 शतक बनाएं। कोहली ने सभी प्रारूपों में अभी 80 शतक बनाए हैं और वह तेंदुलकर के 100 शतकों के रिकॉर्ड से 20 ही कम हैं।उन्होंने कहा कि उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता था, लेकिन उन्होंने अब तक जितने रन बनाए हैं वह उतने ही रन बना पाते।

# सानिया मिर्जा ने तलाक की पुष्टि की, शोएब मलिक को 'शादी' की शुभकमनाएं दीं

नई दिल्ली। सानिया मिर्जा के परिवार ने रविवार को भारतीय टेनिस स्टार और शोएब मलिक के अलग होने की पुष्टि की। मलिक ने एक दिन पहले अभिनेत्री सना जावेद से दूसरे निकाह की घोषणा की थी। दोनों देशों के खेल प्रेमियों के बीच इस 'हाई प्रोफाइल' जोड़ी को लेकर काफी दिलचस्पी रहती थी लेकिन उनके तलाक से इसका अंत हो गया। मलिक (41 वर्ष) ने शनिवार को सना के साथ अपनी शादी की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। सानिया के परिवार द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'सानिया ने अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखा है। लेकिन आज उनके लिए यह बताना जरूरी हो गया है कि कुछ महीने पहले ही उनका और शोएब का तलाक हो चुका है। वह शोएब को उनके नये सफर के लिए शुभकामनाएं देती हैं।' बयान के अनुसार, 'उनकी जिंदगी के इस संवेदनशील दौर में हम सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकों से अनुरोध करना चाहेंगे कि वे किसी भी अटकलबाजी में शामिल होने से बचें और उनकी गोपनीयता की जरूरत का सम्मान करें।'

# धोनी की तरह कठिन हालातों में संयम से काम लेते हैं रिंकू : अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने कठिन हालातों में संयम रखने के लिए रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा की है। रिंकू ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। अश्विन के अनुसार पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह पर टीम इंडिया को अभी तक सही विकल्प नहीं मिला है पर रिंकू को देखकर लगता है कि ये खोज पूरी हो गयी। साथ ही कहा कि धोनी एक दिग्गज खिलाड़ी है पर रिंकू में भी उन्हीं जैसा संयम नजर आता है। अश्विन रिंकू से बेहद प्रभावित हैं। उन्होंने पिच पर कठिन हालातों में रिंकू के शांत रवैये की सराहना की है। उन्होंने रिंकू को बाएं हाथ का धोनी भी बताया है। अश्विन ने हालांकि कहा कि वह अभी यह नहीं कह रहे हैं कि रिंकू भी धोनी जितने बड़े खिलाड़ी हैं पर दोनो के बीच कई समानताएं हैं। आईपीएल 2023 में शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले रिंकू को पिछले साल भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया था। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में रिंकू ने अर्धशतक लगाय था। उन्होंने आखिरी ओवर में रोहित के साथ मिलकर 36 रन बनाये जिससे भारतीय टीम 212 रन तक पहुंचने में सफल रही थी। उनका कौशल देखने के बाद अश्विन ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें मैं बाएं हाथ का धोनी कहूंगा। मैं अभी उनकी तुलना धोनी से नहीं कर सकता क्योंकि धोनी बहुत बड़े हैं पर मैं उस संयम के बारे में बात कर रहा हूं जो धोनी की तरह ही उनमें भी है।

# क्लीन स्वीप से बचा पाकिस्तान, स्पिनरों ने पांचवें टी20 में दिलाई जीत

**क्राइस्टचर्च (एजेंसी)।** पाकिस्तान ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप से बचते हुए हेगले ओवल में 42 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान का स्पिन आक्रमण, जो पांच मैचों की श्रृंखला में कमजोर रहा था, ने पांचवें मैच में शानदार प्रदर्शन दिखाया जिसमें मोहम्मद नवाज और इफ्तिखार अहमद ने कमान संभाली और उसामा मीर ने आदर्श बैकअप प्रदान किया।

पाकिस्तान ने धीमी गति की सतह पर सही ढंग से खेले। जमान खान और नवाज ने पावरप्ले में रचिन रवींद्र (1) और फिन एलन (22) को आउट करके आदर्श शुरुआत प्रदान की। स्पिन जोड़ी को एक्शन में बुलाया गया और बीच के ओवरों के दौरान चीजों को चुस्त रखने में कामयाब रहे। रनों और गेंदों के बीच लगातार बढ़ते अंतर का दबाव कीवी बल्लेबाजों के दिमाग में बैठ गया। उन्होंने आक्रामक होकर खेलने की कोशिश की लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे।

हाथ में दो विकेट रहते हुए ग्लेन फिलिप्स (26) ने अपने दम पर लड़ाई जारी रखने की कोशिश की और एक चौका और फिर एक अधिकतम रन बनाकर न्यूजीलैंड को लक्ष्य तक बनाए रखा। लेकिन कप्तान शाहीन अफरीदी की गति फिलिप्स और फिर लॉकी फर्ग्यूसन से बेहतर थी जिससे उन्हें क्लीन स्वीप से बचने में मदद मिली।

नवाज ने अपने चार ओवर के स्पेल में 18 रन देकर दो विकेट लिए। इफ्तिखार ने तीन विकेट के साथ खेल समाप्त किया और अपने चार ओवरों में 24 रन दिए। उनके स्पैल ने न्यूजीलैंड को 17.2 ओवर में 92 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले खेल में गेंद के साथ एक क्लिनिकल स्पैल में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 134/8 के मामूली स्कोर पर रोक दिया था।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद श्रृंखला में 5-0 की हार से बचने के लिए हसीबुल्लाह खान को पदार्पण का मौका देने की पाकिस्तान की कोशिश को अपेक्षित पुरस्कार नहीं मिला। टिम साउदी ने खेल के पहले ही ओवर में हसीबुल्लाह को तीन गेंदों पर शून्य पर आउट कर दिया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 24 गेंदों में 13 रन की अपनी पारी के दौरान शानदार दिखे। लेग स्पिनर ईश सोढ़ी के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले उन्होंने गैप हासिल करने के लिए संघर्ष किया और सिंगल लेने के लिए हवा में शॉट्स मारे।

उन्हें दो जीवनदान मिले और मार्क चैपमैन ने दोनों मौकों पर कैच छोड़ा। लेकिन बाबर उन मौकों का फायदा उठाने में नाकाम रहे जो उन्हें मिले थे। मोहम्मद रिजवान ने इतनी ही गेंदों में 38 रन का योगदान दिया। फखर जमान के मनोरंजक 33 रन ने उन्हें चार अधिकतम स्कोर और एक चौका दर्ज करते हुए देखा। 19वें ओवर में अब्बास अफरीदी ने मैट हेनरी के ओवर में गेंद को दो बार स्टैंड में भेजकर मेन इन ग्रीन का स्कोर 134/8 कर दिया।

# भारतीय टीम के साथ रहूंगी या नहीं कह नहीं सकती : कोच शॉपमैन

रांची। भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच जेनेके शॉपमैन ने कहा है कि 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं करने के बाद उनका भविष्य क्या होगा। ये वह नहीं जानती। भारतीय टीम एफआईएच क्वालीफायर में तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में जापान से 0–1 से हार गयी, इससे भारतीय टीम का पेरिस ओलंपिक खेलने का सपना टूट गया है क्योंकि इस टूर्नामेंट की शीर्ष तीन टीमों को ही ओलंपिक टिकट मिलना था। उनका अनुबंध पेरिस ओलंपिक तक था और भारतीय टीम की क्वालीफायर मुकाबलों में हार से तय है कि उनका अनुबंध शायद ही बढ़ाया जाये। नीदरलैंड की शॉपमैन ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम जर्मनी से मिली हार के बाद मानसिक रूप से तैयार नहीं थे। हमने रक्षण में भी अच्छी शुरूआत नहीं की और ऐसा कभी कभी हो जाता है पर हमने संघर्ष पूर्ण खेल दिखाया, शुरू में गोल होने के बाद भी हमने पूरे मैच में हमले कर दबाव बनाया।'' उन्होंने कहा, ''हमें अपने प्रयासों को गोल में बदलने की जरूरत थी जिसमें हम विफल रहे, हम ऐसा क्यों नहीं कर सके इसका मेरे पास कोई जवाब नहीं है। अगर होता तो मैं खेल के दौरान ही उन्हें जवाब दे देती।'' वहीं भारतीय टीम में उनके भविष्य को लेकर उन्होंने कहा, ''मैं इसके बारे में नहीं जानती।''

# श्यामली सिंह ने 'ब्रेन ट्यूमर' से जूझने के बाद मुंबई मैराथन में जीता कांस्य पदक

मुंबई - पश्चिम बंगाल की श्यामली सिंह ने सभी बाधाओं को पार करते हुए रविवार को टाटा मुंबई मैराथन में कांस्य पदक जीता जबकि कुछ साल पहले उनके 'ब्रेन ट्यूमर' का ऑपरेशन हुआ था। चार साल पहले इसी प्रतियोगिता में श्यामली ने 42 किलोमीटर की दूरी के आधे रास्ते में उल्टी की शिकायत की थी। उनके पति संतोष सिंह और उन्होंने पाया कि ऐसा लगातार हो रहा था। अलग अलग अस्पतालों कई जांच के बाद उन्हें समस्या का कारण पता चला जो 'ब्रेन ट्यूमर' था। संतोष ने 'गोल्ड लेबल रेस' के 19वें चरण के बाद मीडिया को बताया, 'उसने टीसीएस रेस में भाग लिया और रजत पदक जीता। फिर उसने मुंबई में हिस्सा लिया। 25–26 किलोमीटर के बाद वह उल्टी करने लगी। मस्तिष्क पर दबाव बढ़ जाता था लेकिन हमें नहीं पता था।' पिछले कुछ वर्षों में उन्हें काफी वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा। इसका खुलासा करते हुए संतोष ने कहा कि लेकिन श्यामली अपने लक्ष्य पर डटी रहीं और खुद में सुधार करती रहीं। संतोष ने कहा, 'उसके ऑपरेशन के दौरान मैंने विधायक से लेकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक सभी को मेल किया, लेकिन मुझे कहीं से कोई जवाब नहीं मिला।' श्यामली को फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने में कुछ समय लगा लेकिन वह खुश है कि उसे सही डॉक्टर मिला जो अब भी उनकी सेहत पर नजर रखता है। संतोष ने कहा, 'जिस डॉक्टर ने सर्जरी की थी, उन्हें भरोसा था कि वह फिर से दौड़ना शुरू कर देगी और उसने दौड़ना भी शुरू कर दिया।'

# इंडिया ओपन फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, कैंग-सियो बने चैंपियन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी को कैंग मिन ह्युक और सियो सेयुंग जेइ की दक्षिण कोरिया की विश्व चैंपियन जोड़ी के खिलाफ रविवार को यहां पुरुष युगल फाइनल में पहला गेम जीतने के बावजूद हार के साथ इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

सात्विक और चिराग की एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी को फाइनल में कैंग और सियो की दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ एक घंटा और पांच मिनट में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जिससे यह जोड़ी दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब जीतने में सफल रही। विश्व चैंपियन कैंग और सियो के खिलाफ अच्छी शुरुआत करने के बाद भारतीय जोड़ी ने लय गंवा दी और लगातार सहज गलतियां की जिसका खामियाजा मेजबान देश की जोड़ी को खिताब गंवाकर चुकाना पड़ा।

भारत और कोरिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। सात्विक और चिराग ने पहले तीन अंक शटल को नेट के पार कराने में नाकाम रहने के कारण गंवाए। सात्विक में शुरुआत में काफी गलतियां की जिससे कैंग और सियो को कुछ आसान अंक मिले। खेल की गति काफी तेज थी इसलिए गलती की गुंजाइश भी काफी कम थी। सात्विक और चिराग ब्रेक तक 11-9 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-9 किया और फिर बढ़त बरकरार रखते हुए इसे 18-13 किया। चिराग के स्मैश से भारतीय जोड़ी ने छह गेम प्वाइंट हासिल किए।

कोरिया की जोड़ी ने एक अंक बचाया लेकिन फिर चिराग के शॉट को वापस भेजने में नाकाम रही जिससे सात्विक-चिराग ने पहला गेम 18 मिनट में 21-15 से जीत लिया। दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी ने बेहतर शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बनाई। चिराग ने अपने तूफानी स्मैश से दो अंक जुटाकर स्कोर 4-6 किया। सात्विक और चिराग ने इस बीच कुछ शॉट बाहर और नेट पर मारे जिससे कैंग और सियो ब्रेक तक 11-5 की मजबूत बढ़त बनाने में सफल रहे।

सात्विक और चिराग गलतियों पर अंकुश नहीं लगा पा रहे थे और कोरिया की जोड़ी ने लगातार नौ अंक के साथ स्कोर 16-5 किया और फिर आसानी से गेम जीतकर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी सात्विक और चिराग ने लगातार सहज गलतियां की जिससे कैंग और सियो ने 6-3 की बढ़त बनाई। सात्विक और चिराग ने कई शॉट नेट पर और बाहर मारे जबकि विरोधी जोड़ी को नेट से पीछे भी नहीं धकेल पाए।

कोरियाई जोड़ी ब्रेक तक 11-6 से आगे रही। भारतीय जोड़ी ने ब्रेक के बाद वापसी करते हुए स्कोर 10-12 किया लेकिन कोरिया की जोड़ी लगातार अंक जुटाकर बढ़त बरकरार रखने में सफल रही। कोरिया की जोड़ी ने दो चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए जब सात्विक ने शटल को बाहर मार दिया और फिर चिराग ने नेट पर शॉट मारकर खिताब कैंग और सियो की झोली में डाल दिया।

# ऑस्ट्रेलियन ओपन - मैग्डेलेना को हराकर पहुंची क्वार्टर फाइनल में पहुंची कोको गॉफ

मेलबर्न - अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ रविवार को महिला एकल मुकाबले में मैग्डेलेना फ्रेच को सीधे सेटों में 6–1, 6–2 से हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। आज यहां खेले गए मुकाबले में कोको ने बेहतर तकनीक और जोश का शानदार मुजाहिरा करते हुए एक घंटे तीन मिनट में मैग्डेलेना को 6–1, 6–2 से हराया। कोको का अगला मुकाबला पहली बार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनलिस्ट यूक्रेन की माटर कोस्तयुक से होगा। कोस्त्युक ने रविवार को किआ एरेना में क्वालीफायर मारिया टिमोफीवा को 6–2, 6–1 से हराकर अंतिम आठ में पहुंची है। इसके साथ ही कोको ने सत्र में अपनी जीत के क्रम को जारी रखा है। अमेरिकी खिलाड़ी ने वर्ष के पहले सप्ताह में अपने ऑकलैंड खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया और अब 2024 में अब तक 9–0 शुरुआत को बरकरार रखा है।

# आस्क मी सेशन में सामंथा ने किया खुलासा - चैतन्य से शादी करना सबसे बड़ी गलती!

साउथ इंडस्ट्री की हिट अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु फिल्मों के अलावा निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेत्री के साउथ में ही नहीं हिंदी सिनेमा में भी काफी फैंस हैं। सामंथा समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़ती देखी जाती हैं। हाल ही में, सामंथा ने सोशल मीडिया पर आस्क मी एनीथिंग सेशन की मेजबानी की। इस दौरान प्रशंसकों ने तमाम सवाल पूछे। वहीं, इनमें से एक सवाल में सामंथा की जीवन में सबसे बड़ी गलती के बारे में पूछा गया? जिस पर दिया गया अभिनेत्री का बयान सुखियों में छाया हुआ है। इस सेशन के दौरान एक यूजर ने सामंथा ने पूछा, आपने अपने जीवन में सबसे बड़ी गलती क्या कौन सी की है, जिससे अपने एक बड़ा सबक हासिल किया है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, शायद सबसे बड़ी गलती मेरी खुद की पसंद और नापसंद, जिसको में सही से समझ नहीं पाई। मैं उस समय अपने साथी की ओर कुछ ज्यादा ही आकर्षित थी, लेकिन कुछ समय बाद मुझे उस गलती का एहसास हुआ। वह कठिन समय मेरे लिए एक सबक था। सामंथा का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और प्रसंशकों ने मान लिया कि अभिनेत्री अपने पूर्व पति और अभिनेता नागा चैतन्य के बारे में बात कर रही हैं। सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य की मुलाकात फिल्म ये माया चेसवा की शूटिंग के दौरान हुई थी। लंबी दोस्ती और डेटिंग के बाद दोनों ने अक्तूबर 2017 में धूमधाम से शादी रचाई। हालांकि, बाद में इन दोनों स्टार्स का रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला और अक्तूबर 2021 में उन्होंने अलग होने की घोषणा की।

### सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा रुथ प्रभु के वर्कफ्रंट की बात करें तो, अभिनेत्री ने ईगा, डुकुडु सीथम्मा वकिटलो सिरिमले चेट्ट, अटारिंटिकी डेरेडी, कैथी और द फैमिली मैन 2 जैसी फिल्मों में काम किया है। सामंथा प्रभु हाल ही में विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म कुशी में देखा गया था। अभिनेत्री सिटाडेल इंडिया में बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन के अपोजिट नजर आएंगी। इस सीरीज का निर्देशन द फैमिली मैन फेम मशहूर निर्देशक की जोड़ी राज एंड डीके कर रहे हैं।

# इंडियन पुलिस फोर्स में अपने किरदार पर बोले सिद्धार्थ

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की रिलीज के लिए तैयार हैं। सिद्धार्थ वेब सीरीज के प्रचार में जुटे हुए हैं, जिसके लिए वे दिल्ली पहुंचे और यहां उन्होंने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर दिल्ली पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की। इस दौरान सिद्धार्थ ने अपने दिल्ली के जीवन को याद किया और अपने अनुभव साझा भी साझा किए। साथ ही उन्होंने दिल्ली पुलिस की तारीफ करते हुए उनके काम को सराहा। दिल्ली में अपने बिताए दिनों को याद करते हुए सिद्धार्थ ने बताया कि मैं हमारे दिल्ली पुलिस से स्कूल और कॉलेज में मिलता था, लेकिन जब आप कॉलेज में होते हो, तब आप काफी अनजान होते हो। एक नागरिक के रूप में हम हमेशा चाहते हैं कि आपके अधिकारी और सरकार आपको बेहतर सेवा प्रदान करें। जीवन में एक निश्चित बिंदु तक पहुंचने और विभिन्न चीजों के बारे में जागरूकता हासिल करने के बाद अब मुझे लगता है कि पुलिस सेवा देश की सबसे कठिन नौकरियों में से एक है, क्योंकि आप पुलिस अधिकारी लगातार नागरिकों के साथ व्यवहार कर रहे हैं और सभी कॉलोनियों और क्षेत्रों में सभी आयु समूहों के साथ बातचीत कर रहे हैं, मुझे लगता है कि आप प्रतिभाशाली हैं। सिद्धार्थ ने आगे कहा कि मैं यह भी मानता हूं कि आप प्रतिभाशाली हैं, क्योंकि लोग सोच सकते हैं कि हर किसी को संबोधित करना हमारा काम कठिन है, लेकिन आप सभी पुलिस अधिकारी अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए जनता से धैर्यपूर्वक बात करते हैं। एक अभिनेता के रूप में मैं बेहद सम्मानित महसूस करता हूं कि मुझे बड़े पर्दे पर वर्दी पहनने का मौका मिला, जैसा कि रोहित शेट्टी कहते हैं कि हम रील हीरो हैं, आप पुलिस अधिकारी असली हीरो हैं। वहीं वेब सीरीज के रिलीज की बात करें तो सात भाग की हाई-ऑक्टेन एक्शन सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स रोहित शेट्टी के डिजिटल निर्देशन की पहली सीरीज है, जो सिद्धार्थ मल्होत्रा के ओटीटी डेब्यू का भी प्रतीक है। सीरीज में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, विवेक ओबेरॉय, श्वेता तिवारी, निकितिन धीर, ऋतुराज सिंह और ललित परिमू महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। इंडियन पुलिस फोर्स का प्रीमियर 19 जनवरी 2024 को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर होने वाला है।

# रहसान नूर के साथ कोको एंड नट में काम करेंगी प्रनूतन बहल

हिंदी सिनेमा की महान अभिनेत्री दिवंगत नूतन की पोती और अभिनेता मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल अपने करियर के नए चरण की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। अब वे जल्द ही हॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। प्रनूतन फिल्म कोको एंड नट में अमेरिकी अभिनेता और फिल्म निर्माता रहसान नूर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। प्रनूतन कोको एंड नट फिल्म से रहसान नूर के साथ हॉलीवुड डेब्यू करने के लिए उत्साहित हैं। यह रोमांटिक जॉनर की फिल्म बताई जा रही है। इसका निर्देशन खुद रहसान नूर ने किया है। उनकी आखिरी फिल्म 2018 की बंगाली ब्यूटी थी, जिसे समीक्षकों ने भी खूब सराहा था। कोको एंड नट की कहानी की बात करें तो यह एक महत्वाकांक्षी युवा महिला के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार प्रनूतन ने निभाया है, जो अपनी शादी बचाने की चुनौतियों से जूझ रही हैं। उनके जीवन में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उन्हें अपने कॉलेज प्रेमी यानी रहसान नूर से समर्थन मिलता है। अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में निर्मित होने वाली इस फिल्म की पूरी शूटिंग जून से जुलाई तक शिकागो में होने वाली है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत दोनों से विविध कलाकार और क्रू शामिल होंगे। अपने हॉलीवुड डेब्यू को लेकर प्रनूतन ने कहा, मैं हमेशा से एक रोमांटिक ड्रामा करना चाहती थी। कोको एंड नट एक खूबसूरत कहानी है, जिसमें मेरा किरदार नट अपने जीवन में एक परिवर्तनकारी चरण से गुजरता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैंने ऐसी फिल्म के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत की। फिल्म को लेकर रहसान नूर ने कहा, फिल्म बनाने का एक और मौका पाकर मैं वास्तव में आभारी हूं। वह भी एक ऐसे विषय पर, जो न केवल मेरे लिए व्यक्तिगत है, बल्कि एक ऐसा विषय है, जिससे मैंने दुनिया भर में बहुत से लोगों को जुड़ा हुआ पाया है। जब आप अपने जीवन साथी की तलाश कर रहे हों तो आपको वास्तव में कैसे पता चलेगा कि आपको वह मिल गया है या नहीं। अपनी मातृभूमि की फिल्मों के प्रति प्रेम के साथ मैं दूसरी पीढ़ी के कई अन्य दक्षिण एशियाई अमेरिकियों की तरह बड़ा हुआ हूं, इसलिए हम अंग्रेजी और हिंदी में कोको और नट बना रहे हैं। इस फिल्म में प्रनूतन के साथ काम करना सौभाग्य की बात है, जिस समय मैंने उन्हें नोटबुक में देखा, मैं उनकी प्रतिभा से प्रभावित हो गया और जानता था कि मुझे एक दिन उनके साथ काम करना है। कोको एंड नट में प्रनूतन बहल और अमेरिकी अभिनेता-फिल्म निर्माता रहसान नूर मुख्य भूमिका में हैं।

# पैन इंडिया होगी धनुष की अगली फिल्म, साथ में नजर आएंगे नागार्जुन व रश्मिका मंदाना

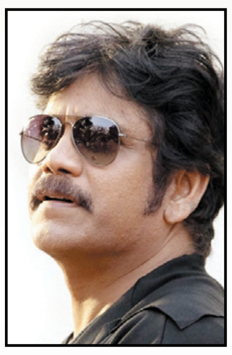

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक शेखर कम्मुला की अगली फिल्म गुरुवार को एक पूजा समारोह के साथ हैदराबाद में लॉन्च की गई। अभी तक नामांकित मल्टी-स्टारर फिल्म में नागार्जुन और रश्मिका मंदाना स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। हालांकि निर्माता इस परियोजना के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन परियोजना की शूटिंग बुधवार को फिर से शुरू हो गई। धनुष ने अपने पहले दिन कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग की और निर्माताओं ने इस महीने के लिए एक शेड्यूल की योजना बनाई है। श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज के तहत सुनील नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा निर्मित, यह फिल्म सोनाली नारंग द्वारा प्रस्तुत की गई है। पूजा समारोह में धनुष, शेखर, निर्माता और कुछ अन्य लोग शामिल हुए। निकेथ बोम्मी को इस परियोजना के लिए छायाकार के रूप में चुना गया है। निर्माताओं ने अभी बाकी कलाकारों और क्रू की घोषणा नहीं की है। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। छ्हरु, जिसे धनुष, नागार्जुन, शेखर कम्मुला के रूप में विस्तृत किया गया है, आज 18 जनवरी को एक पूजा समारोह के साथ लॉन्च किया गया, जिसमें सुनील नारंग, पुस्कुर राम मोहन राव, भरत नारंग, जान्हवी नारंग और अन्य शामिल हुए। नियमित शूटिंग कल, 17 जनवरी से शुरू हुई, जिसमें टीम ने धनुष के साथ कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग की। दो बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर, 'फ़िदा' और 'लव स्टोरी' बनाने के बाद, शेखर कम्मुला अपनी अगली फिल्म लेकर आ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक यह फिल्म तकनीकी पहलुओं के मामले में भी दमदार होगी। शेखर की पिछली फिल्में फिदा और लव स्टोरी जबरदस्त हिट रही थीं, इसलिए इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। धनुष की कैप्टन मिलर 12 जनवरी को संक्रांति के अवसर पर तमिल में रिलीज़ हुई थी और 25 जनवरी को तेलुगु में रिलीज़ होगी। अभिनेता अपने 50वें प्रोजेक्ट के साथ लेखन और निर्देशन में भी वापसी कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग जारी है। छ50 में निथ्या मेनन, एसजे सूर्या, संदीप किशन, कालिदास जयराम, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे। नागार्जुन की ना सामी रंगा 14 जनवरी को रिलीज हुई थी और इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। अभिनेता ने अभी तक किसी अन्य परियोजना की घोषणा नहीं की है।

# मौका मिला तो करूंगी बायोपिक में काम

अनन्या पांडे इन दिनों अपनी फिल्म खो गए हम कहां की सफलता का जश्न मना रही हैं। हर तरफ उनके काम की तारीफ हो रही है। तीन दोस्तों की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म को जो सफलता मिली है, अनन्या ने कभी उसकी कल्पना भी नहीं की थी। फिल्म में उन्होंने अहाना का किरदार निभाया है जो नौकरी छोड़कर अपना जिम का बिजनेस संभालना चाहती है। अनन्या पांडे का किरदार आज की युवा पीढ़ी की उलझनों और परेशानियों को दिखाता है। पिछले दिनों मीडिया से बात करते हुए अनन्या ने बताया कि अब वे कैसी फिल्में करना चाहती हैं।

बायोपिक में करना चाहेंगी काम

अनन्या पांडे ने अभी तक कई ऐसी फिल्में की हैं जिनमें उनका किरदार एक प्यारी सी लड़की का रहा है। अब अनन्या कुछ अलग और नया करना चाहती हैं। मीडिया से बातें करते हुए उन्होंने कहा, मैं अब किसी बायोपिक का हिस्सा बनना चाहती हूं। मैं किसी महिला खिलाड़ी या फिर किसी महान गायिका के बायोपिक में काम करना चाहूंगी। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं जो सभी वर्ग के दर्शकों को पसंद आए। अनन्या पांडे के लिए साल 2023 काफी लकी रहा। अनन्या की दो फिल्में ड्रीम गर्ल 2 और खो गए हम कहां रिलीज हुई थीं। दोनों ही फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया। खो गए हम कहां में के किरदार से अनन्या ने दर्शकों को पूरी तरह प्रभावित किया है। आने वाले दिलों में अनन्या पांडे कंट्रोल और द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर में नजर आएंगी।

# मेरी क्रिसमस को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से खुश हैं कैटरीना

अभिनेत्री कैटरीना कैफ इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मेरी क्रिसमस की सफलता का आनंद ले रही हैं। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह विजय सेतुपति के अपोजिट नजर आई हैं। दर्शकों को फिल्म में इनकी केमिस्ट्री काफी पसंद आई है। दर्शक उनकी अदाकारी और केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में कटरीना ने फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया पर बात की है। कैटरीना कैफ ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा, मैं लंबे समय से श्रीराम सर के साथ कुछ करना चाहती थी और हमने इस बारे में कई बार बातचीत की थी, जिस शैली को वह अपनी पिछली फिल्मों के माध्यम से खोजते हैं, उसमें एक निश्चित कच्चापन और वास्तविकता है। मगर इससे परे, एक मानवीय गुण है, जो उनकी फिल्मों के किरदारों में दिखता है, जो मेरे लिए आकर्षक था। एक कलाकार के तौर पर मेरी क्रिसमस एक ऐसा अवसर है, जो आपको हर दिन नहीं मिलता है। फिल्म को जिस तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, उससे मैं बहुत खुश हूं। मेरी क्रिसमस में कैटरीना ने मारिया का किरदार निभाया है। श्रीराम राघवन ने फिल्म में कैटरीना कैफ से उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ अभिनय कराया है। अपने बॉयफ्रेंड के दोस्त से शादी करने वाली मारिया का ये किरदार एक मां की लाचारी से उपजा है। उन्होंने अपने किरदार को लेकर कहा, श्रीराम सर आपको चम्मच से खाना नहीं खिलाते। वह आपको यह बताते हैं कि आप सीन में क्या महसूस कर रहे हैं और किरदार उन स्थितियों पर कैसी प्रतिक्रिया देगा, जिसमें वह हैं। वह आपको ईमानदारी की खोज करवाते हैं। इसलिए मेरी क्रिसमस पर काम करना एक ही समय में बेहद फायदेमंद और चुनौतीपूर्ण था। यह बहुत गहन प्रक्रिया थी, लेकिन अद्भुत थी। उन्होंने आगे कहा, मेरे किरदार और विजय सेतुपति के किरदार के बीच एक लंबा सीन था और श्रीराम सर चाहते थे कि हम इसकी प्रैक्टिस करें। पहली बार ऐसा करने के बाद, मैंने उनसे पूछा कि हम सीक्वेंस कब शूट करने जा रहे हैं और उन्होंने बस मुझे बताया कि सही समय जब होगा। हमने हर दिन उस सीन को लेकर प्रैक्टिस की, जब तक कि उन्हें ये पता नहीं चल गया कि हर कोई पूरी तरह से तालमेल बिठा रहा है और तभी उन्होंने इसे शूट किया। उन्होंने बताया कि जिस तरह उन्होंने यह शूट किया, उसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी।